शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, रविवार 19 अक्टूबर 2025 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 14, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 190 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

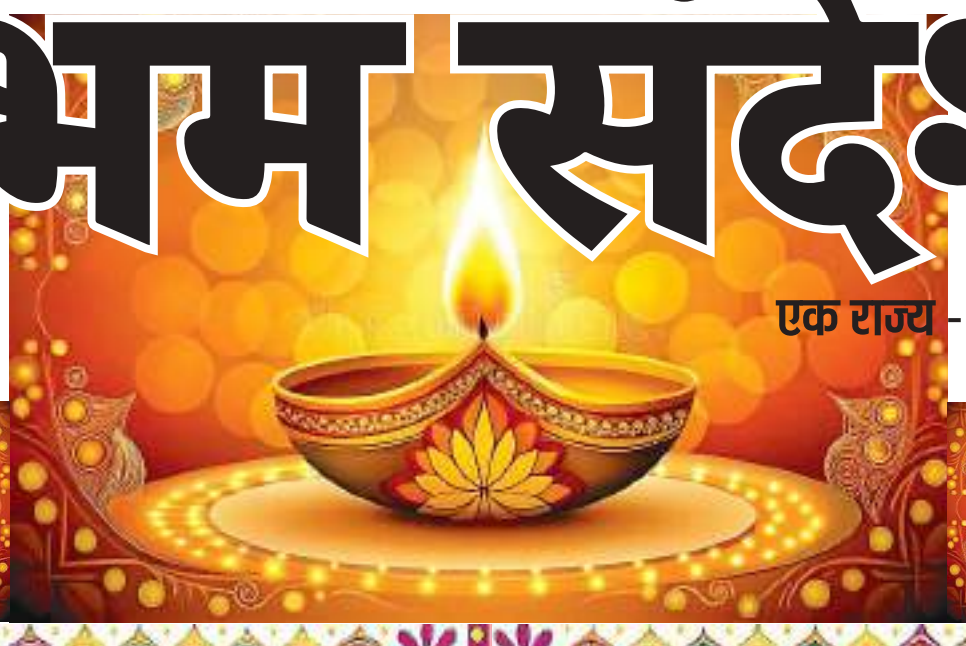

धनतेरस पर 1 लाख करोड़ का कारोबार

देशभर में धनतेरस पर बाजारों में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली. अनुमान के अनुसार इस साल पूरे देश में 1 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ. इसमें से 60 हजार करोड़ रुपए का सोना-चांदी का कारोबार रहा, जबकि दिल्ली में ही सोना-चांदी की बिक्री 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक रही. सोने-चांदी की बढ़ी कीमतों के बावजूद ग्राहकों ने परंपरा निभाते हुए गहनों, सिक्कों और अन्य वस्तुओं की खरीदारी की. पिछले वर्ष दीपावली के समय सोने का भाव लगभग 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस बार बढ़कर 1,30,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया. चांदी की कीमतें भी 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 1,80,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं.

ब्रीफ न्यूज

पंजाब में गरीब रथ ट्रेन में लगी आग

चंडीगढ़ । पंजाब में फतेहगढ़ साहिब जिला के सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास शनिवार सुबह गरीब रथ ट्रेन की एक बोगी में आग लग गई. गरीब रथ अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही थी. आग बोगी नंबर 19 में लगी. किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है. आग लगने की सूचना मिलते ही इमरजेंसी ब्रेक से ट्रेन को रोका गया. जैसे ही ट्रेन रुकी तो यात्रियों में भगदड़ मच गई.

हमास ने एक और मृत बंधक को छोड़ा

तेल अवीव । इजराइल के सैन्य अधिकारी आज सुबह एक और बंधक के शव का ताबूत लेकर गाजा पट्टी से यहां पहुंचे. इस ताबूत में अवशेष हैं. हमास ने शुक्रवार देररात ताबूत रेडक्रॉस को सौंपा. इसके बाद रेडक्रॉस के अधिकारी ताबूत को लेकर गाजा-इजराइल सीमा पर पहुंचे और उसे इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) के अफसरों के हवाले कर दिया. ताबूत को तेल अवीव के अबू कबीर फोरेंसिक संस्थान पहुंचाया गया है.

ढाका एयरपोर्ट के कार्गो विलेज में लगी आग

नई दिल्ली । बांग्लादेश की राजधानी ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कार्गो विलेज इलाके में शनिवार दोपहर भीषण आग लग गई. अधिकारियों के अनुसार, यह इलाका आमतौर पर आयतित सामान पखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. फायर सर्विस मुख्यालय के मीडिया सेल अधिकारी ने कहा कि 16 दमकल यूनिट मौके पर पहुंच चुकी हैं, जबकि अन्य 16 यूनिट रास्ते में हैं. वहीं प्रवक्ता मसूदुल हसन मसूद ने बताया कि आग कार्गो विलेज के पास वाले हिस्से में लगी.

भाकपा-माले ने जारी की 20 उम्मीदवारों की सूची

पटना । भाकपा (माले) ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. पार्टी ने 20 उम्मीदवारों की सूची जारी की है, यह सूची दो चरणों के चुनावी मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है. भोजपुर के भोजर में धनंजय, दरौली सीट से सत्यदेव राम, फूलबाबू सिंह वारिसनगर से, और आरा से कयूमुद्दीन अंसारी को मौका दिया गया है. इसके अलावा, सिक्त, पिपरा, बलरामपुर और करकट जैसे सीटों में भी पार्टी ने मजबूत प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है.

बिहार कांग्रेस में टिकट बंटवारे को लेकर बगावत : वरिष्ठ नेताओं ने प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष पर लगाए आरोप, बोले-

मेहनती कार्यकर्ताओं को किया दरकिनार, सिफारिश वालों को दी टिकट

संवाददाता । पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे को लेकर कांग्रेस पार्टी में गहरी नाराजगी खुलकर सामने आ गई है. पार्टी के कई वरिष्ठ और पूर्व प्रत्याशी नेताओं ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लवरू, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और विधायक शकील अहमद खान पर गंभीर आरोप लगाए हैं. इन नेताओं ने टिकट वितरण को धांधली करार देते हुए इसे पार्टी के साथ गद्दारी बताया.

शनिवार को पटना में कांग्रेस रिसर्च सेल के अध्यक्ष एवं प्रवक्ता आनंद माधव की अगुवाई में हुई प्रेस वार्ता में पूर्व प्रत्याशी गजानंद शाही,

छत्रपति यादव, नागेंद्र विकल, रंजन सिंह, बच्चू प्रसाद सिंह, राजकुमार राजन और बंटी चौधरी समेत कई नेताओं ने हिस्सा लिया. इन नेताओं ने आरोप लगाया कि टिकट वितरण में निष्ठावान, जमीनी और वर्षों से पार्टी के लिए संघर्ष कर रहे कार्यकर्ताओं की पूरी तरह अनदेखी की गई है.

नोट के आगे निष्ठा हारी : आनंद माधव ने कहा कि हमने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष पार्टी को दिए, हर आंदोलन में आगे रहे, लेकिन टिकट बेचने वालों ने हमारी मेहनत का अपमान किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब 10 सीट भी नहीं जीत पाएगी. गजानंद शाही ने तो यहां तक कह दिया कि पार्टी कार्यालय अब दलालों का अड्डा बन चुका है, जहां निष्ठा की कोई कद्र नहीं, केवल नोट का भाव चलता है. नाराज नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी को टिकट चयन के मामले में गुमराह किया गया है और उनके निर्देशों की अवहेलना कर निजी स्वार्थ के तहत उम्मीदवारों का चयन किया गया. उनका कहना था कि कई ऐसे चेहरों को टिकट दिया गया जो पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस के किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए.

हाईकमान तक जाएगी शिकायत, कार्रवाई की चेतावनी : नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर पार्टी नेतृत्व ने इस टिकट घोटाले पर सख्त कार्रवाई नहीं की तो वे संगठनात्मक आंदोलन शुरू करेंगे. एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दिल्ली जाकर राहुल गांधी और कांग्रेस हाईकमान को पूरे मामले की रिपोर्ट सौंपेगा. साथ ही टिकट वितरण से जुड़े तथ्यों और सबूतों को भी प्रस्तुत किया जाएगा. वहीं छत्रपति यादव, नागेंद्र विकल और अन्य नेताओं ने कहा कि टिकट देने में न संगठन की राय ली गई और न ही क्षेत्रीय संतुलन का ध्यान रखा गया. यह कांग्रेस के सिद्धांतों और लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है. उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह से संगठन में वफादार कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर पैसे और पैरवी के बल पर टिकट बांटे गए हैं, उससे पार्टी के प्रति जमीनी कार्यकर्ताओं का भरोसा टूटता जा रहा है.

21 अक्टूबर से चुनाव प्रचार की शुरुआत

मुजफ्फरपुर से मुख्यमंत्री नीतीश भरेंगे हुंकार

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन की तारीख खत्म होते ही अब सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जुट गई है. भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, जनता दल यूनाइटेड समेत सभी बड़ी पार्टियों ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट भी जारी कर दी है. बीजेपी के नेता तो चुनावी मैदान में पार्टी के लिए माहौल बनाने में भी जुट गए है. वहीं अब जानकारी सामने आ रही है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 21 अक्टूबर से बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत मुजफ्फरपुर जिले से करेंगे. यहां वह एक ही दिन में दो बड़ी चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे. पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दिवाली के अगले दिन मुख्यमंत्री की पहली सभा मीनापुर विधानसभा में होगी. इसके लिए मीनापुर हाईस्कूल के खेल मैदान को स्थल के रूप में चुना गया है. यह सभा दोपहर 12 बजे शुरू होगी, जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को संबोधित करेंगे. इसके बाद मुख्यमंत्री की दूसरी सभा कांटी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जाएगी. यह सभा दोपहर 2 बजे से होने की संभावना है.

पाक ने तोड़ा सीजफायर : तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

पाक ने पक्तिका में किया हवाई हमला, 3 क्रिकेटर समेत 8 मरे

एजेंसी । नयी दिल्ली

पाकिस्तान ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत के अर्गुन और बर्मल जिलों में हवाई हमले किए, जिनमें कम से कम 8 लोगों की मौत हुई है. मरने वालों में अफगानिस्तान के तीन क्लब स्तर के क्रिकेट खिलाड़ी-कबीर, सिब्घतुल्लाह और हारून भी शामिल हैं. इस हमले में 7 अन्य लोग घायल हुए हैं. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने खिलाड़ियों की मौत की पुष्टि की है

डूरंड लाइन के पास घरों पर गिराए गए बम : अफगान मीडिया टोलो न्यूज के मुताबिक, हमलों में सीमा से सटे इलाकों में कई घरों को निशाना बनाया गया. ये क्षेत्र अफगानिस्तान और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा डूरंड लाइन के पास स्थित हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि हमला अचानक हुआ और रिहायशी इलाकों को जानबूझकर निशाना बनाया गया. गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच पिछले एक सप्ताह से संघर्ष चल रहा था, जिसके बाद बुधवार को 48 घंटे के लिए सीजफायर पर सहमति बनी थी. यह मियाद शुक्रवार शाम को खत्म होनी थी, लेकिन दोनों पक्ष इसे बढ़ाने पर राजी हो गए थे. वहीं तालिबान के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी एएफपी से कहा, पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और पक्तिका के तीन स्थानों पर बमबारी की. अफगानिस्तान इसका जवाब देगा.

ड्रोन हमलों से स्कूल और घर तबाह, 37 नागरिकों की मौत

पाक सेना के हवाई हमलों में शहीद हुए अफगानिस्तान के क्रिकेट खिलाड़ी और आम लोगों का जनाजा

काबुल में भी हवाई हमला, स्कूल और घरों को नुकसान

इसके पहले, बुधवार को पाकिस्तान ने काबुल शहर के चौथे जिले में भी ड्रोन हमला किया था. इस हमले में कई घर और एक स्कूल बुरी तरह प्रभावित हुए. स्कूल में उस समय 500 से अधिक छात्र नामांकित थे और करीब 50 कक्षाएं थीं. गनीमत रही कि हमले के समय छात्र घर लौट चुके थे, जिससे जनहानि नहीं हुई. काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जाद्रान के अनुसार, ड्रोन हमलों में एक घर और एक बाजार को भी निशाना बनाया गया. इसमें कम से कम 5 लोगों की मौत हुई और दर्जनों घायल हुए.

पाक के रक्षा मंत्री ने लगाया भारत पर आरोप

पाक के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को एक विवादास्पद बयान में कहा कि अफगान तालिबान के फैसले दिल्ली में लिए जा रहे हैं. जियो न्यूज से बातचीत में उन्होंने तालिबान पर भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ने का आरोप लगाया. आसिफ ने कहा, मुझे शक है कि यह सीजफायर टिक पाएगा, क्योंकि तालिबान को दिल्ली से सहयोग मिल रहा है. अगर पाकिस्तान को उकसाया गया, तो हमारे पास जवाब देने की पूरी क्षमता है. हम हमला भी करेंगे और बातचीत के लिए भी तैयार हैं.

यूएन रिपोर्ट : छह प्रांतों में 37 नागरिक मरे, 425 घायल : संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह अफगानिस्तान के छह प्रांतों में पाकिस्तान के हवाई हमलों से अब तक 37 नागरिकों की जान जा चुकी है, जबकि 425 से अधिक लोग घायल हुए हैं. तालिबान प्रशासन का कहना है कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों को निशाना बनाया है.

अफगानिस्तान में टीटीपी के दो गुट हुए एकजुट : इस तनाव के बीच अफगानिस्तान में टीटीपी के दो गुटों ने एकजुट होने की घोषणा कर दी है. इन गुटों में एक का नेतृत्व कुर्रम जिले के मुफ्ती अब्दुर रहमान कर रहे हैं, जबकि दूसरा गुट खैबर जिले की तिराह घाटी के कमांडर शेर खान के नेतृत्व में है.

चिराग पासवान की पार्टी की उम्मीदवार सीमा सिंह का नामांकन रद्द

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही एनडीए गठबंधन को बड़ा झटका लगा है. कारण, छपरा जिले की मढ़ौरा विस सीट से लोजपा (आर) की प्रत्याशी सीमा सिंह का नामांकन रद्द कर दिया गया है. सीमा सिंह भोजपुरी फिल्म की अभिनेत्री हैं और हाल ही में चिराग पासवान की पार्टी से जुड़कर राजनीति में कदम रखा था. सूत्रों के मुताबिक, सीमा सिंह के नामांकन पत्र की जांच के दौरान कुछ तकनीकी खामियां पाई गईं, जिसके चलते निर्वाचन अधिकारी ने उनका नामांकन अमान्य घोषित कर दिया. सिंह का नामांकन रद्द होने के बाद मढ़ौरा सीट पर एनडीए की स्थिति कमजोर मानी जा रही है.

चुनाव आयोग ने कहा

मतदान के दिन कर्मचारियों को मिलेगी सवैतनिक छुट्टी

एजेंसी । नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में उपचुनाव के लिए होने वाले मतदान के दिन कर्मचारियों को सवैतनिक छुट्टी दी जाएगी. यह आदेश चुनाव आयोग ने जारी किया है, ताकि हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके. चुनाव आयोग ने बताया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी के तहत किसी भी निजी, व्यापारिक, औद्योगिक या अन्य संस्थान में काम करने वाले हर उस व्यक्ति को, जो मतदान का हकदार है, चुनाव वाले दिन सवैतनिक छुट्टी देना जरूरी है. इस दिन वेतन में किसी तरह की कटौती नहीं की जा सकती. अगर कोई नियोक्ता इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है. आयोग ने बताया कि जो लोग अपने क्षेत्र से बाहर काम करते हैं, लेकिन उनका नाम उस विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में है जहां चुनाव हो रहे हैं, उन्हें भी मतदान के दिन सवैतनिक छुट्टी मिलेगी ताकि वे वोट डाल सकें.

बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन को लगा झटका

जेएमएम ने 6 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का किया ऐलान

शुभम संदेश । रांची

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले, विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को बड़ा झटका लगा है. झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने गठबंधन से अलग होकर बिहार की 6 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. जेएमएम के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने घोषणा करते हुए बताया कि 'धन लक्ष्मी का धनतेरस काल' और 'महादेव का प्रदोष तिथि' जैसे शुभ लग्न को देखते हुए पार्टी ने यह फैसला लिया है. जेएमएम इन 6 सीटों पर चकाई, धमदाहा, कटोरिया (अनुसूचित जनजाति आरक्षित),

मनिहारी (अनुसूचित जनजाति आरक्षित), जमुई और पीरपैंती (अनुसूचित जाति आरक्षित) पर अपने उम्मीदवार उतारेगी.

झारखंड में समर्थन के बावजूद बिहार में नहीं मिला सम्मान' : सुप्रियो भट्टाचार्य ने महागठबंधन, विशेषकर राजद पर, सम्मानजनक सीटें न देने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि पार्टी ने लंबे समय से उन चिह्नित सीटों पर स्थान मांगा था, जहां उनके कार्यकर्ता भाजपा-जदयू गठबंधन के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे. उन्होंने गठबंधन को झारखंड में दिए गए समर्थन का हवाला दिया. उन्होंने कहा कि 2019 विधानसभा में जेएमएम ने झारखंड में राजद और कांग्रेस को समर्थन दिया और सीटें दीं. राजद के चतरा से जीते एकमात्र विधायक को 5 साल तक मंत्री बनाया गया और सीएम ने उन्हें प्रमुखता दी. इसके बाद 2024 विधानसभा चुनाव में जेएमएम ने राजद को 6 सीटें दीं और उनके विजयी प्रतिनिधि को वर्तमान कैबिनेट में महत्वपूर्ण स्थान दिया. इन त्यागों के बावजूद, बिहार में उनकी पार्टी की 'चिह्नित सीटों' को तवज्जो नहीं दी गई.

बढ़ी ताकत : राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को दिखाई हरी झंडी, बोले-

पाक की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस के निशाने पर

एजेंसी । लखनऊ

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई. इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक ट्रेलर था. पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की पहुंच में है. अब ब्रह्मोस से दुश्मन बच नहीं सकता.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के लिए महत्वपूर्ण है. उप्र

और लखनऊ के विकास को देखकर खुशी तो होती ही है लेकिन आज जब इस भूमि पर डिफेंस सेक्टर से जुड़ी इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल हो रही है तो खुशी के साथ गौरव का भाव भी मेरे अंदर स्वाभाविक रूप से आ रहा है. लखनऊ डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में अहम भूमिका निभा रहा है. रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अपने सपने को भरोसे में बदलने की ताकत रखता है. इसी भरोसे ने हमें ऑपरेशन सिंदूर में ताकत दी. उन्होंने कहा कि जीत हमारी आदत बन चुकी है. इस आदत को और मजबूत बनाना है. ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत दुनिया ने देखी. हर साल करीब 100 मिसाइल सिस्टम लखनऊ यूनिट से बनकर तैयार होगा. ब्रह्मोस जल सेना थल सेना वायु सेना की रीढ़ बन चुका है.

राजनाथ ने कहा कि लखनऊ मेरे लिए सिर्फ संसदीय क्षेत्र ही नहीं बल्कि यह मेरे हृदय में बसा है. लखनऊ तहजीब का ही नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी का शहर बन गया है. अब यह इंडस्ट्री का शहर बन गया है. यहां से निकलने वाला हर कदम ब्रह्मोस की विश्वसनीयता के साथ-साथ लखनऊ की विश्वसनीयता बढ़ी है. यह प्रोजेक्ट भारत के बढ़ते आत्मविश्वास व ताकत का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि पहले यूपी में गुण्डाराज था. उत्तर प्रदेश अब किसी भी चैलेंस के लिए तैयार है. आंतरिक सुरक्षा व बाह्य सुरक्षा उत्तर प्रदेश सभी चुनौतियों को लेने के लिए तैयार है. वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि ब्रह्मोस देश की रक्षा करने में सक्षम है. ब्रह्मोस की ताकत से पूरी दुनिया परिचित है. ब्रह्मोस मिसाइल से दुश्मन का बचना मुश्किल होगा. इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, महानगर अध्यक्ष भाजपा आनंद द्विवेदी उपस्थित थे.

महाराष्ट्र के नंदुरबार के चंद्रशैली घाट पर वाहन पलटा, आठ की मौत

मुंबई । महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला स्थित चंद्रशैली घाट पर शनिवार को सुबह अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया एक वाहन पलट गया. इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 20 यात्री घायल हुए हैं. इन सभी को तलोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना की जानकारी मिलते ही नंदुरबार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य कर रही है. इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है. इसकी छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार की सुबह धनतेरस के अवसर पर श्रद्धालुओं को लेकर एक निजी मालवाहक वाहन अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया था. सुबह जब वाहन नंदुरबार जिले के चंदशैली घाट पर पहुँचा, तो चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया. इस वाहन में लगभग 40 श्रद्धालु सवार थे.

जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद यूक्रेन-रूस से बोले ट्रंप

जो जहां हैं, वहीं रुक जाएं और युद्ध को खत्म कर दें

एजेंसी । वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की से लंबी बैठक के बाद कीव और मॉस्को से कहा कि जहां हैं, वहीं रुक जाएं और अपने क्रूर युद्ध को समाप्त करें. पिछले नौ महीनों में इस युद्ध को लेकर ट्रंप की नाराजगी कई बार सामने आ चुकी है, जब से वह दोबारा राष्ट्रपति बने हैं. लेकिन इस बार उन्होंने संकेत दिया कि यक्रेन को वह इलाका छोड़ देना चाहिए जो रूस ने कब्जे में ले लिया है.

ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर लिखा, काफी खून बह चुका है. अब जमीन की सीमाएं युद्ध और साहस से तय हो रही हैं. अब उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए. दोनों ही पक्ष खुद को विजेता मानें और ऐतिहासिक फैसला करें. बाद में जब ट्रंप फ्लोरिडा पहुंचे (जहां वह साप्ताहांत बिता रहे हैं), तो उन्होंने दोनों देशों से तत्काल युद्ध बंद करने की अपील की और संकेत दिया कि रूस वही जमीन अपने पास रख सकता है, जो उसने यूक्रेन से ले ली है. ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, आप जंग के मोर्चे की जो स्थिति है, उसी को मानें. वरना मामला बहुत जटिल हो जाएगा. उसी मोर्चे पर रुकें और दोनों पक्ष घर जाएं, अपने परिवारों के पास लौटें, हत्या बंद करें. बस वही होना चाहिए.

पाकुड़ जिले को मिला 'बेस्ट परफॉर्मेंस जिला' का राष्ट्रीय सम्मान

रांची । पाकुड़ जिले के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है। उपायुक्त मनीष कुमार को जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'आदिकर्मयोगी अभियान' नेशनल कॉन्क्लेव में राष्ट्रपति महोदया द्वारा सम्मानित किया गया. यह सम्मान ₹सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और समावेशी जनजातीय विकास को आगे बढ़ाने में नवोन्मेषी पहल के तहत 'बेस्ट परफॉर्मेंस जिला' होने का प्रतीक है.

झारखंड के दो मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100 सीटें बढ़ीं, एनएमसी ने जारी की नई एमबीबीएस सीट मैट्रिक्स

एमजीएम मेडिकल कॉलेज जमशेदपुर और मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज की 50-50 सीटें बढ़ीं

- शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू होगा बदलाव

शुभम संदेश । रांची

नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए देशभर के मेडिकल कॉलेजों की अद्यतन एमबीबीएस सीट मैट्रिक्स जारी कर दी है. इस नई सूची के अनुसार झारखंड के दो प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100 सीटों की बढ़ोतरी की गई है. इनमें एक सरकारी और एक निजी मेडिकल कॉलेज शामिल हैं. राज्य के प्रतिष्ठित एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में अब एमबीबीएस की कुल 150 सीटें होंगी, जो पहले 100 थीं. वहीं, मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज, जमशेदपुर में सीटों की संख्या 150 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है. इस तरह दोनों कॉलेजों में 50-50 सीटों की वृद्धि की गई है.

एनएमसी के पॉलिसी एंड कोऑर्डिनेशन डिवीजन की ओर से जारी अधिसूचना में यह स्पष्ट किया गया है कि यह संशोधन मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड (मार्ब) की समीक्षा और मंजूरी के बाद किया गया है. यह बदलाव मौजूदा कॉलेजों की सीटों के नवीनीकरण और अतिरिक्त सीटों को लेकर अनुमोदन के आधार पर किया गया है.एनएमसी ने मेडिकल कॉलेजों के डीन, प्राचार्यों और नीट-यूजी 2025 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों से इस अद्यतन मैट्रिक्स को ध्यान में रखने की अपील की है. यह नई सीटें इसी सत्र से छात्रों को काउंसलिंग के दौरान आवंटित की जाएंगी.

झारखंड के अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य में एमबीबीएस सीटों की संख्या में बढ़ोतरी हमारी निरंतर कोशिशों का परिणाम है. उन्होंने बताया कि बाकी चार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में भी 50-50 सीटों की वृद्धि के प्रस्ताव पर काम चल रहा है. उनका लक्ष्य है कि राज्य के हर मेडिकल कॉलेज में कम से कम 150 सीटें हों, जिससे चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़े और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिले. यह बढ़ोतरी झारखंड के मेडिकल शिक्षा ढांचे को नई दिशा देगी और नीट-यूजी में सफल राज्य के मेधावी छात्रों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी.

बिहार की तर्ज पर झारखंड में चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को प्रोन्नति देने की मांग

राज्य गठन के बाद से ही प्रमोशन का मामला है लंबित

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य के सरकारी कार्यालयों में कार्यरत चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को प्रोन्नति देने की मांग जोर पकड़ने लगी है. राज्य कर्मचारी महासंघ ने बिहार की तर्ज पर केंद्र सरकार के आदेशों के अनुरूप झारखंड में भी चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी में पदोन्नत किए जाने की आवश्यकता जताई है. महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार झा ने कहा कि झारखंड गठन के बाद से अब तक किसी भी चतुर्थवर्गीय कर्मचारी को प्रोन्नति नहीं मिली है. जबकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की नई नियुक्तियां नहीं की जाएंगी और जो पूर्व से कार्यरत हैं, उन्हें तृतीय श्रेणी में पदोन्नत किया जाना चाहिए. उन्होंने बताया कि इस संबंध में सरकार से शिष्टमंडल ने भी मांग रखी थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है. कर्मचारी संगठन आशा कर रहा है कि 15 नवंबर, राज्य स्थापना दिवस के मौके पर सरकार इस मामले में सकारात्मक कदम उठाएगी.

झारखंड सरकार ने भी इस मामले में पहल की है, लेकिन नियमावली में मौजूद विसंगतियों के कारण अभी तक अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है. इससे न केवल कर्मचारी बल्कि उनके परिवार भी परेशान हैं, खासकर उन परिवारों को जिन्हें असामयिक निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जहां इंटरमीडिएट तक की योग्यता अनिवार्य है. कर्मचारी संगठन सरकार से आग्रह कर रहा है कि सभी नियमगत बाधाओं को दूर कर शीघ्र चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी में पदोन्नत किया जाए, ताकि उनके हित सुरक्षित हों और वे सम्मानजनक पद पर कार्य कर सकें.

राज्य में 30,000 चतुर्थवर्गीय कर्मचारी कार्यरत हैं

झारखंड में लगभग 30,000 चतुर्थवर्गीय कर्मचारी सचिवालय से लेकर जिला और प्रखंड स्तर तक विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत हैं. इन सभी को तृतीय श्रेणी में पदोन्नत कर समायोजित करना आवश्यक है. बिहार सरकार ने इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपने सभी चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों को तृतीय श्रेणी में प्रोन्नत कर कार्यालय एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट पद पर नियुक्त किया है, जिससे कर्मचारियों को उनकी योग्यता और कार्य के अनुसार सम्मान मिला है.

झारखंड शराब घोटाला

निलंबन मुक्त हुए जेएसबीसीएल के पूर्व महाप्रबंधक सुधीर कुमार व सुधीर कुमार दास

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले में गिरफ्तार किए गए और लंबे समय तक निलंबित रहे झारखंड राज्य बीवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के पूर्व महाप्रबंधक (वित्त) सुधीर कुमार और सुधीर कुमार दास को राज्य सरकार ने निलंबन से मुक्त कर दिया है. दोनों राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं और उन्हें भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) ने 21 मई 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा था.गिरफ्तारी के बाद नियमानुसार राज्य सरकार ने 28 मई 2025 को उन्हें 21 मई की तिथि से प्रभावी करते हुए निलंबित कर दिया था. लगभग तीन महीने की जेल यात्रा के बाद दोनों अधिकारियों ने 21 अगस्त 2025 को पुनः सेवा में योगदान दिया.हालांकि कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से 17 अक्टूबर को जारी आदेश में निलंबन समाप्त करने का कारण स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, जिससे इस निर्णय को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं.

उल्लेखनीय है कि इसी शराब घोटाले में आरोपी झारखंड के तत्कालीन उत्पाद एवं मद्य निषेध सचिव विनय कुमार चौबे अभी तक जेल से बाहर नहीं आ सके हैं. उन्हें झारखंड हाईकोर्ट से जमानत जरूर मिली थी, लेकिन हजारीबाग में वन भूमि घोटाले में दोबारा गिरफ्तारी के चलते वह अब भी जेल में हैं.इस पूरे घटनाक्रम ने राज्य में प्रशासनिक पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है.

मेदिनीनगर के तत्कालीन सीईओ शिवशंकर पांडेय निलंबन मुक्त

रांची। मेदिनीनगर के तत्कालीन अंचलाधिकारी शिवशंकर पांडेय को भी राज्य सरकार ने आरोप मुक्त कर दिया है. उन पर गलत तरीके से जमीन की एलपीसी जारी करने का आरोप था. 2020 में पलामू के डीसी की अनुशंसा पर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू हुई थी. लेकिन जांच में आरोप सिद्ध नहीं हो पाए, जिसके बाद सरकार ने 17 अक्टूबर 2025 को उन्हें भी निलंबन और आरोपों से मुक्त कर दिया

बिहार विस चुनाव को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट, हर चुनौती से निबटने को तैयार

सीमावर्ती जिलों में अपराधियों और नक्सलियों पर सख्त निगरानी के निर्देश

शुभम संदेश। रांची

बिहार विधानसभा आम चुनाव-2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर झारखंड पुलिस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं. इसी कड़ी में शनिवार को आईजी अभियान सह स्टेट पुलिस नोडल पदाधिकारी डॉ. माईकल राज एस की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अहम समीक्षा बैठक हुई.इस बैठक में बिहार से सटे झारखंड के सीमावर्ती जिलों, हजारीबाग, गढ़वा, चतरा, गिरिडीह, गोड्डा, पलामू, कोडरमा, देवघर, साहेबगंज और दुमका के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शामिल हुए,

आईजी अभियान डॉ. माईकल राज एस. ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिहार चुनाव के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए. उन्होंने स्पष्ट किया कि असामाजिक तत्वों, अपराधियों और नक्सलियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए. साथ ही, अवैध शराब, मादक पदार्थ, हथियार और नकदी के अवैध परिवहन को पूरी तरह से रोकने के लिए ठोस कार्रवाई की जाए.

अंतरराज्यीय चेक पोस्ट और मिरर चेक पोस्टों पर सर्तकता बढ़ायी जाए

बैठक में अंतरराज्यीय चेक पोस्ट और मिरर चेक पोस्टों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आईजी ने कहा कि इन सभी चेक पोस्टों पर चौकसी और सतर्कता बढ़ाई जाए. आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच की जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके. इसके अतिरिक्त, बिहार और झारखंड पुलिस के बीच सूचना साझा करने की प्रणाली को और मजबूत करने का निर्देश दिया गया, ताकि अंतरराज्यीय अपराधियों, वांछित अभियुक्तों और हिस्ट्रीशीटरों पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सके.

आईजी अभियान ने जोर देकर कहा कि जो अपराधी बिहार में वांछित हैं और झारखंड में शरण लिए हुए हैं, उनके खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जाए. उन्होंने सीमावर्ती जिलों के एसपी को सख्त निर्देश दिए कि पुलिस और सुरक्षा बलों के समन्वय से लगातार सर्च अभियान और गश्ती की जाए ताकि कोई भी अवांछित तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सके.

इस समीक्षा बैठक में बोकारो के प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक सुनील भाष्कर, डीआईजी जंगलवार फेयर स्कूल नेतरहाट सह चुनाव कोषांग धनंजय कुमार सिंह सहित सभी संबंधित जिलों के एसपी मौजूद थे.बैठक के समापन पर आईजी डॉ. माईकलराज एस. ने स्पष्ट किया कि झारखंड पुलिस बिहार चुनाव के दौरान हर तरह की सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है. उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है.

29 नवंबर को लगेगी विशेष लोक अदालत

बिजली विवादों का किया जाएगा त्वरित समाधान

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में बिजली से जुड़े विवादों के समाधान के लिए 29 नवंबर को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा. इसका उद्देश्य बिजली उपभोक्ताओं को राहत देना और बिल संबंधी, अनधिकृत उपयोग जैसे मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निपटारा करना है.इस लोक अदालत का आयोजन झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) द्वारा सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों (डालसा) के सहयोग से किया जाएगा. इसके लिए झालसा ने एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर सभी जिलों को भेजी है. इस पहल से न केवल उपभोक्ताओं को न्याय मिलने की प्रक्रिया सरल होगी, बल्कि बिजली विभाग पर पड़े बोझ में भी कमी आएगी. लोक अदालत का उद्देश्य बिजली से जुड़े पुराने मामलों का शीघ्र समाधान करना, उपभोक्ता और बिजली विभाग के बीच आपसी समझौते को बढ़ावा देना, अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम करना र न्याय को और अधिक सुलभ बनाना है. वर्तमान में राज्य भर में बिजली से संबंधित 20,000 से अधिक मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं. इस विशेष लोक अदालत में कम से कम 50% मामलों को सुलझाने का लक्ष्य है.

महत्वपूर्ण शेड्यूल:

- 01 नवंबर : डालसा अध्यक्ष द्वारा संबंधित अधिकारियों व हितधारकों के साथ बैठक.
- 03 से 22 नवंबर : मामलों की पहचान कर संबंदित पक्षों को नोटिस जारी किए जाएंगे.
- 24 से 28 नवंबर : प्री-लोक अदालत के माध्यम से पक्षकारों से बातचीत कर समाधान की कोशिश.
- 29 नवंबर : विशेष लोक अदालत का आयोजन (मासिक लोक अदालत के साथ).

एसओपी के तहत मुख्य पहलें:

- हर जिले के प्रखंड स्तर पर जागरूकता अभियान.
- पूर्व-विवाद मामलों को शामिल किया जाएगा.
- लंबित जांच वाले मामलों के समाधान की कोशिश.
- पैरा लीगल वॉलंटियर्स और मध्यस्थों के माध्यम से पक्षकारों के बीच संवाद.
- प्रचार के लिए होर्डिंग्स, बैनर, मीडिया व रेडियो का इस्तेमाल.

बिहार विस चुनाव : झामुमो के तेवर तल्ख, पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य बोले

झामुमो के साथ बिहार में बार-बार धोखा हुआ है, कुछ और सीटों पर उतार सकते हैं प्रत्याशी

शुभम संदेश। रांची

झामुमो ने शनिवार को बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से अलग होते हुए छह सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी. कहा कि पिळहाल झामुमो दूसरे चरण के चुनाव के लिए छह सीटों पर प्रत्याशी उतार रहा है, लेकिन यह संक्या और बढ़ सकती है. झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सीटों की यह संख्या 10 तक भी जा सकती है. बिहार विधानसभा चुनाव के बाद झामुमो झारखंड में भी गठबंधन की समीक्षा भी करेगा. साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगा कि बिहार में झामुमो के बगैर सरकार नहीं बनने पाए. भट्टाचार्य शनिवार शाम पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात कर रहे थे.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झामुमो के साथ हमेशा धोखा हुआ है. बिहार में बार-बार धोखा हुआ है.

पार्टी कुछ भी बर्दाश्त कर सकती है, लेकिन आत्म सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करेगी. उन्होंने कहा कि 2019 के चुनाव में हमने झारखंड में राजद को सात सीटें दी. उसमें केवल एक प्रत्याशी जीता. उसे भी हमने पांच साल तक मंत्री बनाये रखा. 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में भी राजद को छह सीटें दी गयी. उसमें भी राजद के एक विधायक को मंत्री बना कर सम्मान देने का काम किया गया. हम हमेशा सम्मान करते रहे और हमारे साथ हमेशा धोखा होता रहा.

सीएम हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन, विनोद पांडेय सहित 20 स्टार प्रचारक करेंगे प्रचार

सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी के 20 स्टार प्रचारक होंगे. इसकी सूची निर्वाचन आयोग को भेज दी गयी है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बिहार में प्रचार अभियान चलाया जाएगा. स्टार प्रचारकों की सूची में विधायक कल्पना सोरेन, विजय हांसदा, मिथिलेश ठाकुर, विनोद पांडेय, बसंत सोरेन, सुप्रियो भट्टाचार्य, बैद्यनाथ राम, हेमलाल मुर्मू, सुदिव्य सोनू, अभिषेक प्रसाद पिंटू सहित कई अन्य नेता भी शामिल हैं.

झामुमो बिहार में महागठबंधन से आउट, भाजपा ने कसा तंज

झामुमो की बेइज्जती की हाइट, बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से निकले हम : प्रतुल शाहदेव

- झामुमो खुद मान रहा है कि सहयोगियों ने पीठ में खंजर घोंपा, लेकिन फिर भी सत्ता में भागीदार है

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि बिहार में सीट बंटवारे के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के साथ जो व्यवहार महागठबंधन ने किया है, वह न केवल राजनीतिक अपमान है, बल्कि झामुमो की खोखली राजनीतिक हैसियत को भी उजागर करता है.उन्होंने कहा कि झामुमो बिहार में महागठबंधन से 12 सीटों की मांग कर रहा था, लेकिन उन्हें एक भी सीट नसीब नहीं हुई. यह उस पार्टी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक तमाचा है, जो खुद को "महागठबंधन की रीढ़" कहती फिरती है.

प्रतुल शाहदेव ने कहा कि बिहार में तो झामुमो को दरवाजे से अंदर घुसने नहीं दिया गया और झारखंड में यही झामुमो, कांग्रेस और राजद जैसे दल को अपने सिर पर बैठाए घूम रहा है. झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता ने खुद कहा कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने झामुमो के पीठ में खंजर घोंपा है. कांग्रेस का झारखंड में थोड़ा बहुत तो जनाधार है भी, लेकिन राजद का न तो झारखंड में कोई जनाधार है, न संगठन, लेकिन झामुमो ने उन्हें मंत्रिमंडल में मंत्री पद तक दे दिया.

शाहदेव ने तंज कसते हुए कहा कि अब सवाल यह है कि क्या इस अपमान के बाद झामुमो झारखंड में राजद और कांग्रेस के मंत्री को मंत्रिमंडल से बाहर करेगा या फिर महागठबंधन में बने रहने के लिए चुपचाप इस बेइज्जती को निगल जाएगा ?भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि झामुमो का यह मौन झारखंड की जनता भी देख रही है. बिहार में दरकिनार और झारखंड में झुककर रहने की यह दोहरी राजनीति बताती है कि झामुमो अब अपनी राजनीतिक अस्मिता खो चुका है.प्रतुल ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस, राजद को मंत्री बनाकर झामुमो ने जो 'गठबंधन धर्म' निभाया था, उसका 'बिहार अध्याय' महागठबंधन ने अब पूरी तरह बंद कर दिया है. कह सकते हैं कि झामुमो अब न घर का रहा, न घाट का. लंबे समय से झारखंड मुक्ति मोर्चा झारखंडी अस्मिता के विपरीत बिहार के चौराहे पर खड़ा होकर कटोरा लेकर सीटों के लिए भिक्षा मांग रहा था.महागठबंधन के दलों ने उसे उसकी राजनीतिक औकात दिखा दी.

बिरसा मुंडा जैविक उद्यान्न से रेंजर राम बाबू हटाए गए

अभी भी नौ रेंज की जिम्मेवारी मिली हुई है

शुभम संदेश। रांची

बिरसा मुंडा चिड़ियाघर में हुए वित्तीय अनियमितताओं के खुलासे के बाद वन विभाग ने चर्चित रेंजर राम बाबू को चिड़ियाघर के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया है. हालांकि, उनके पास अब भी नौ रेंजों की जिम्मेदारी बनी हुई है. आरोप है कि चिड़ियाघर में सप्लाई और निर्माण से संबंधित काम रेंजर राम बाबू के साले जय किशोर दास और उनके करीबी लोगों द्वारा ही किया जा रहा था. सूत्रों के मुताबिक, जय किशोर दास ने सत्यम एंड शिवम इंटरप्राइजेज नाम से एक व्यापारिक प्रतिष्ठान पंजीकृत कर रखा है, जो बोकारो में रजिस्टर्ड है, लेकिन चिड़ियाघर में सप्लाई के लिए रांची का पता और हाथ से लिखा हुआ जीएसटीएन नंबर इस्तेमाल किया गया. दस्तावेज बताते हैं कि जय किशोर दास ने इंडेन गैस की आपूर्ति की, जबकि वह इसका अधिकृत वितरक नहीं है. इसके बावजूद 200 सिलिंडरों की आपूर्ति के फर्जी बिल पर रेंजर राम बाबू ने हस्ताक्षर कर 1000 रुपये प्रति सिलिंडर की दर से भुगतान प्रमाणित किया. इतना ही नहीं, जीएसटी रिटर्न में इन आपूर्तियों का कोई उल्लेख नहीं किया गया है, जिससे जीएसटी चोरी की पुष्टि होती है

अहम खोज : लिट्टीपाड़ा प्रखंड के चितलो गांव की ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्ता में इजाफा

पाकुड़ में मिले करोड़ों साल पुराने जीवाश्म

शुभम संदेश। पाकुड़

पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड में एक ऐतिहासिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अहम खोज सामने आई है. यहां चितलो गांव के पास जमीन के भीतर से करोड़ों साल पुराने जीवाश्म मिले हैं. इस महत्वपूर्ण खोज की पुष्टि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के वैज्ञानिकों ने की है, जिसके बाद वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जीवाश्मों के संरक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया है.

इस खोज का श्रेय वन विभाग की उस टीम को जाता है, जिसने डीएफओ सौरभ चंद्रा के निर्देश पर क्षेत्र में सर्वेक्षण किया था. टीम में वन क्षेत्र पदाधिकारी रामचंद्र पासवान, वन्य प्राणी विशेषज्ञ अली जिब्रान, वनरक्षी अनुपम कुमार यादव और पशु रक्षक साहेब राम शामिल थे. सर्वेक्षण के दौरान टीम को जमीन की सतह पर कुछ अजीब आकार और बनावट वाले पत्थर दिखाई दिए. पहले तो ये साधारण पत्थर लगे, लेकिन नजदीक से देखने पर इनमें खास तरह के जैविक आकार उभरते दिखे, जो जीवाश्मों की ओर संकेत करते थे.

वन विभाग ने शुरू किया संरक्षण कार्य

जीएसआई के वैज्ञानिक ने संरक्षित करने की सिफारिश की : टीम ने तत्परता दिखाते हुए इन पत्थरों के फोटो और वीडियो बनाए और उन्हें जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के वैज्ञानिक सौरभ पाल को भेजा. विशेषज्ञ की ओर से मिले फीडबैक में पुष्टि हुई कि ये पत्थर असल में करोड़ों वर्ष पुराने जीवाश्म हैं. उन्होंने इन दुर्लभ जीवाश्मों को तत्काल संरक्षित करने की सिफारिश की.

सोनाजोड़ी और बरमसिया गांव में भी मिले थे जीवाश्म : गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है, जब पाकुड़ जिले में जीवाश्म मिले हों. इससे पहले सोनाजोड़ी और बरमसिया गांवों में भी इसी तरह के पुराने जीवाश्म पाए जा चुके हैं, जिन्हें विभाग ने संरक्षित कर रखा है. नई खोज ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि पाकुड़ की धरती प्राचीन जीव-जंतुओं और जैव विविधता के रहस्यों को समेटे हुए है. इस खोज से क्षेत्र में शोध, पर्यटन और संरक्षण के नए अवसर खुल सकते हैं. अब स्थानीय प्रशासन और वैज्ञानिक समुदाय की निगाहें इस क्षेत्र के और भी संभावित खुलासों पर टिकी हैं.

वन विभाग ने सुरक्षा घेरे का निर्माण शुरू किया

रिपोर्ट प्राप्त होते ही पाकुड़ वन विभाग ने मौके पर सुरक्षा घेरे का निर्माण शुरू कर दिया है, ताकि जीवाश्मों को किसी तरह की क्षति से बचाया जा सके। साथ ही क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है. वन विभाग ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में इस क्षेत्र को एक जीवाश्म संग्रह स्थल (फॉसिल पार्क) के रूप में विकसित करने की योजना पर भी विचार किया जा सकता है.

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

साहिबगंज के बोरियो में अवैध पत्थर खनन पर कार्रवाई करने की मांग

शुभम संदेश। रांची

साहेबगंज ज़िले के बोरियो प्रखंड के बिन्देरी बंदरकोला गांव में सत्यनाथ साह नामक व्यक्ति पर अवैध रूप से पत्थर खनन करने का गंभीर आरोप है. यह जानकारी नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में दी है. पत्र में बताया गया है कि सत्यनाथ साह को जिला खनन विभाग से चार एकड़ जमीन पर पत्थर निकालने की लाइसेंस (लीज) मिली थी, लेकिन आरोप है कि वह करीब 20 एकड़ जमीन पर अवैध खनन कर रहा है, जिससे राज्य सरकार को लगभग 200 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है.

पत्र में मरांडी ने बताया है कि यह मामला बोरियो प्रखंड के उपप्रमुख कैलाश प्रसाद ने उठाया था. उन्होंने इस संबंध में साक्ष्य और आवेदन भी दिए हैं. इसके बाद जिला उपायुक्त ने जांच के आदेश दिए और अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक टीम बनाई गई. जांच में सत्यनाथ साह द्वारा लीज से बाहर की जमीन पर खनन की पुष्टि भी हो गई. बाबूलाल मरांडी ने पत्र में लिखा है कि जांच में सब कुछ स्पष्ट होने के बावजूद खनन पदाधिकारी और स्थानीय थाना प्रभारी ने कोई कार्रवाई नहीं की. उल्टा, अवैध खनन रोकने की मांग करने वाले कैलाश प्रसाद पर झूठा केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया और धमकी दी गई कि अगर आवाज उठाओगे तो अंजाम बुरा होगा.

बाबूलाल मरांडी की मांगें

बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि, सत्यनाथ साह पर अवैध खनन के लिए कड़ी कार्रवाई की जाए. राज्य को जो राजस्व नुकसान हुआ है, उसकी वसूली की जाए. अवैध खनन पर तुरंत रोक लगाई जाए. कैलाश प्रसाद की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें और उनके परिवार को कोई नुकसान न हो.

रांची, रविवार 19 अक्टूबर 2025 I कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 190 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनतेरस पर बाजारों में उमड़ी भीड़, जमकर हुई खरीदारी

शुभम संदेश। धनबाद

धन, संपत्ति और सुख-समृद्धि की कामना के साथ दीपावली महोत्सव शुरू

शनिवार को धनतेरस के साथ दीपावली महोत्सव की शुभ शुरुआत हो गई. पूरे कोयलांचल क्षेत्र में धन, समृद्धि और खुशियों की खूब बरसात देखने को मिली. सुबह से ही लोगों में उत्साह का माहौल था. भक्तिभाव से परिपूर्ण वातावरण में लोगों ने संध्या काल में भगवान धनवंतरि और कुबेर महाराज की विधिविधान से पूजा-अर्चना की. दीप प्रज्वलित कर देवताओं को अर्पित किया और अपनों का मुंह मीठा कराया.

धनतेरस की परंपरागत मान्यताओं के अनुसार लोगों ने झाड़ू, धनिया, सेंधा नमक, हल्दी जैसी वस्तुओं की प्रमुखता से खरीदारी की. वहीं, सोना-चांदी के आभूषण और सिक्कों की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ी. सर्राफा बाजार में चमक देखते ही बन रही थी.

इलेक्ट्रॉनिक बाजार भी पूरे शबाब पर रहा. स्मार्ट टीवी, फ्रीज, गीजर, वॉशिंग मशीन और खासकर मोबाइल फोन की जोरदार बिक्री हुई. ग्राहकों ने धनतेरस के शुभ अवसर पर नई तकनीक से लैस उपकरणों को घर लाना शुभ माना. वहीं पीतल, कांसा आदि धातुओं के बर्तन लोगों ने खरीदें. धनतेरस पर कुछ खरीदना चाहिए इसी मान्यता के साथ हर वर्ग के लोगों ने खरीददारी कर रीति रिवाज को पूरा किया. दोपहिया और चारपहिया वाहनों के शोरूम भी खरीदारों से भरे रहे. पहले से बुकिंग कर चुके लोग अपने वाहन लेकर घर रवाना हुए. पूजा के लिए सजावट, दीप, मिठाइयों और उपहार की दुकानों पर भी चहल-पहल बनी रही. धनतेरस पर बाजारों में दिखी रौनक ने यह साबित कर दिया कि त्योहार सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि उत्साह, उल्लास और सामाजिक मेलजोल का भी पर्व है. दीपावली की शुरुआत लोगों के चेहरों पर मुस्कान और उम्मीदों की चमक लेकर आई.

ब्रीफ खबरें

भाजपा के प्रचार में बिहार पहुंचे विधायक राज सिन्हा

धनबाद। झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा को बिहार विधानसभा चुनाव में दो महत्वपूर्ण विधानसभाओं, वारसलीगंज और रजौली का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है. राज सिन्हा ने वारसलीगंज में एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी अरुणा देवी के नामांकन और आशीर्वाद रैली में भाग लिया. इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया. रैली में मुख्य वक्ता के रूप में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी मंच पर उपस्थित थे.

शांति और सुरक्षा के साथ मनाएं पर्व : एसएसपी

धनबाद। दिवाली और काली पूजा के अवसर पर धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने कहा कि धनबाद जिला हमेशा से सौहार्द और भाईचारे की मिसाल रहा है और इसी भावना के साथ सभी पर्व-त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं. उन्होंने विश्वास जताया कि इस वर्ष भी दीपावली और काली पूजा शांति, खुशी और उल्लास के माहौल में संपन्न होगी. एसएसपी ने बताया कि त्योहार के दौरान पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा की पूरी तैयारी कर ली है.

ठीकाकर्मी का शव आते ही गांव में पसरा मातम

गोमो। बाघमारा प्रखंड के खानूडीह ग्राम पंचायत के पूर्व वार्ड सदस्य सह ठीका श्रमिक मनेल मरांडी की शुक्रवार को चौधरी बांध स्टेशन के समीप कार्य के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई थी. शनिवार को धनबाद में पोस्टमार्टम के बाद उनका शव गोपालपुर गांव पहुंचते ही पूरे गांव में मातम फैल गया. घटना से ग्रामीण काफी मायूस थे. पत्नी गंगा मनी देवी, पुत्र रोहित मरांडी और पुत्री ऋतिक मरांडी शव के पास रोते हुए चिसकार कर रही थीं, जिसे देखकर सभी की आंखें नम हो गईं.

धनबाद जेल में डिजिटल क्रांति राज्य सरकार ने दिए 1.11 करोड़

सुरक्षित ऑडियो-वीडियो संचार प्रणाली और कैदी प्रबंधन सॉफ्टवेयर की होगी खरीदारी

एक्सक्लूसिव

अमित सिन्हा

धनबाद (शुभम संदेश)। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी जेल सुधार योजना के तहत धनबाद जिले की ओपन शेल्टर पेनल जेल को विशेष ध्यान दिया गया है. गृह, जेल एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए धनबाद जेल में कियोस्क आधारित सुरक्षित ऑडियो-वीडियो संचार प्रणाली और कैदी प्रबंधन सॉफ्टवेयर के क्रय, स्थापना एवं सभी सहायक उपकरणों के लिए कुल 1 करोड़ 11 लाख 14 हजार 420 रुपये (11,114,420) की राशि आवंटित की है. यह आवंटन राज्य स्तर पर 15 ओएसपी जेलों के लिए कुल 11.51 करोड़ रुपये के पैकेज का हिस्सा है.

धनबाद, जो कोयला राजधानी के रूप में जाना जाता है, यहां की जेलें क्षमता से अधिक कैदियों की संख्या और सीमित संसाधनों की चुनौतियों का सामना करती रही हैं. इस नई पहल से धनबाद जेल सुविधाओं में डिजिटल उन्नयन होगा, जो जेल प्रशासन को अधिक पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के साथ-साथ कैदियों के मानवाधिकारों को मजबूत करेगा. जिला प्रशासन के अनुसार, यह राशि जल्द ही टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से खर्च की जाएगी, जिससे धनबाद की जेल राज्य के अन्य जिलों के लिए मॉडल बन सकें.

कैदियों को मिलेगी ये सुविधाएं

इस सिस्टम से धनबाद जेल के कैदियों को कई नई सुविधाएं प्राप्त होंगी, जो उनकी जिंदगी को सामान्य से जोड़ने में मदद करेंगी. कियोस्क आधारित ऑडियो-वीडियो संचार प्रणाली के जरिए कैदी अपने परिजनों, वकीलों और अन्य अधिकृत संपर्कों से सुरक्षित वीडियो कॉलिंग कर सकेंगे. इससे व्यक्तिगत मुलाकातों की संख्या सीमित होने पर भी परिवार से जुड़ाव बना रहेगा, जो मानसिक स्वास्थ्य सुधारने और पुनर्वास प्रक्रिया को तेज करने में सहायक होगा. कैदी प्रबंधन सॉफ्टवेयर के माध्यम से रिकॉर्ड-कीपिंग डिजिटल हो जाएगी, जिसमें कैदियों की स्वास्थ्य, शिक्षा और व्यवहार संबंधी जानकारी एकत्रित और प्रबंधित होगी. इससे जेल स्टाफ को बेहतर निगरानी और व्यक्तिगत सुधार योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी. कुल मिलाकर, ये सुविधाएं कैदियों को सुरक्षित संचार, सूचना पहुंच, कम निगरानी भार और पारिवारिक समर्थन प्रदान करेंगी, जो जेल मैनुअल 2025 के सुधार-केंद्रित दृष्टिकोण से मेल खाती हैं.

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष एक की मौत, पांच घायल

खास बातें

- महगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसा की है घटना
- रास्ते को लेकर दो पक्षों में हुआ था विवाद

शुभम संदेश। गोड्डा/महगामा

जमीन विवाद के चलते दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक युवक की मौत हो गई. जबकि पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की स्थिति गंभीर बनी हुई है. घटना महगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसा की है. बताया जाता है कि हिदायत सिद्दकी, जो प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत थे, सुबह अपने भाई के साथ खेत की ओर जा रहे थे. इसी दौरान निजी गोतिया के दूसरे पक्ष के मो. शरीफ के पुत्र के साथ रास्ते को लेकर कहासुनी हो गई. बात बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गई और दोनों तरफ से लाठी-डंडा और हंसुआ चलने लगे. विपक्षी पक्ष की संख्या अधिक होने के कारण हिदायत सिद्दकी और उनके भाई की जमकर पिटाई हुई. जख्मी हालत में जमीन पर देर तक पड़े रहने से अत्यधिक रक्तस्राव हो गया. महगामा स्वास्थ्य केंद्र ले जाते समय हिदायत सिद्दकी की मौत हो चुकी थी. चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. उनके भाई की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें भागलपुर रेफर कर दिया गया. वहीं, दूसरे पक्ष के चार लोग भी जख्मी हुए हैं. ग्रामीणों के अनुसार दोनों पक्षों के बीच जमीन के हिस्से को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था. बड़े भाई, जो मदरसा से सेवानिवृत्त हैं, अपने छोटे भाई के साथ जमीन की लेजर को लेकर लंबे समय से असहमति में थे, जिसका मुकदमा भी लंबित था. पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद दोनों पक्षों के खिलाफ मामला दर्ज कर कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया है. घटना के बाद पीड़ित परिवार में मातम छा गया है.

बस की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

शुभम संदेश। बोकारो

पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-बोकारो मुख्य मार्ग स्थित लुकैया सोनोत संथाल मोड़ के पास शनिवार को हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल को इलाज के लिए अस्पलात में भर्ती करवाया गया है. पुलिस के अनुसार, इस हादसे में सलगांडीह निवासी रामचंद्र महतो (55 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लुकैया निवासी शिवलाल सोरेन गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के वक्त दोनों अपनी मोटरसाइकिल को खड़ी करके सड़क पार करने की तैयारी में थे. इसी दौरान गलत दिशा से तेज गति में आ रही बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. हादसे के बाद दोनों को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पेटरवार लाया गया, जहां डॉक्टरों ने रामचंद्र महतो को मृत घोषित कर दिया. हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए शिवलाल सोरेन को प्राथमिक उपचार के बाद बोकारो सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया. घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने रांची-बोकारो मुख्य मार्ग को पूरी तरह से जाम कर दिया गया, जिसकी वजह से आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया. स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थान पर लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन और परिवहन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है. ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर स्पीड ब्रेकर और साइन बोर्ड लगाने की मांग की है. इधर, घटना की सूचना मिलते ही पेटरवार, कसमार और जरीडीह थाना की पुलिस मौके पर पहुंची है और लोगों को समझा-बुझाकर जाम को हटाया.

महुदा में डाका का प्रयास, घरवालों की सूझबूझ से भागे अपराधी

खास बातें

- छानबीन में पुलिस ने बरामद किया पिस्तौल
- करीब दस अपराधियों का था गिरोह, छानबीन में जुटी पुलिस

शुभम संदेश। महुदा

महुदा मोड़ के मुरली नगर में शुक्रवार की रात अज्ञात अपराधियों के एक दल ने राजेश बाउरी के घर में डाका डालने की कोशिश की. गृहस्वामी की सक्रियता एवं उनके बच्चे की दिलेरी से अपराधियों को वापस भागना पड़ा. राजेश बाउरी ने बताया कि उनकी पत्नी लतिका देवी, पुत्र मनीष कुमार एवं पुत्री खुशबु कुमारी महुदा मोड़ से सब्जी खरीदकर स्कूटी से मुरली नगर स्थित अपने घर पहुंचे. वे लोग घर का ताला खोलकर जैसे ही अंदर घुसे, वैसे ही पीछे से लगभग एक दर्जन अपराधी उनके घर में घुस गये तथा हथियार के बल पर उनके पुत्र, पुत्री एवं पत्नी को कब्जे में कर अलमीरा की चाभी मांगने लगे. तभी उनका पुत्र मनीष कुमार किसी तरह अपराधियों की चंगुल से छुटकर दूसरे रूम में प्रवेश कर गया और खुद को अंदर से बंद कर लिया. रूम में जाकर उसने मोबाइल से अपने पिता राजेश बाउरी को सूचना दे दिया. सूचना पाकर उसके पिता जब तक पंहुचे तब तक बेटे की आवाज सुन आसपास के लोग भी जुट गए. आसपास के लोगों को जुटता देख अपराधियों ने भागने में ही अपनी भलाई समझी तथा पिस्तौल का भय दिखाते हुए जंगल की और भाग निकले. घटना की सूचना पाकर महुदा पुलिस का गश्ती दल भी घटनास्थल पर पहुंचा तथा जिस रास्ते से अपराधी भागे थे, उसी रास्ते में जाकर अपराधियों का पीछा किया. लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर अपराधी वहाँ से भाग निकले. जंगल से पुलिस को अपराधियों की एक टोपी, एक मास्क मिला है. शनिवार प्रातः पुलिस पुनः जांच करने पहुंची तो पुलिस को जंगल में एक पिस्तौल मिला. पूर्व मुखिया धनेश्वर महतो की उपस्थिती में पिस्तौल को जब्त कर पुलिस थाने ले आई. इस संबंध में महुदा पुलिस राजेश बाउरी के लिखित आवेदन पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई है.

तैयारी

धनबाद, झरिया तथा सिन्दरी में चालू अवस्था में रखे जाएंगे अग्निशमन वाहन और यंत्र

धनबाद के सभी अंचल और प्रखंड में क्यूआरटी गठित

शुभम संदेश। धनबाद

उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देश पर दीपावली के अवसर पर लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार ने जिले धनबाद, झरिया, पुटकी, गोविंदपुर, बलियापुर, निरसा, एगारकुंड, कलियासोल, तोपचांची, बाघमारा, टुंडी एवं पूर्वी टुंडी में क्विक रिस्पोंस टीम (क्यूआरटी) का गठन किया है. टीम में संबंधित प्रखंड व अंचल के अंचल अधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा संबंधित थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी रहेंगे.अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि 20 व 21 अक्टूबर 2025 को जिले में दीपावली, लक्ष्मी पूजा, काली पूजा मनायी जाएगी। इस अवसर पर लोगों के द्वारा अपने-अपने घरों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक स्थानों पर साज-सज्जा के साथ मूर्ति स्थापित कर विधि-विधान से पूजा करने की परम्परा है तथा विभिन्न स्थानों पर धार्मिक आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पूजा पण्डाल बनाया जाता है एवं मेला का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें काफी संख्या में भीड़ जमा होती है. इसके साथ ही दीपावली के अवसर पर बड़े पैमाने पर पटाखे फोड़े जाते है. इसको लेकर कुछ स्थलों पर हाई डेसिबेल (उच्च ध्वनि तीव्रता) से पटाखा फोड़ने से संबंधित विवाद अथवा कोई अप्रिय घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है. आग लगने की घटना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है. इसके मद्देनजर सतत् निगरानी, सतर्कता के साथ-साथ अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सा व्यवस्था तथा अग्निशमन दस्ता की उपलब्धता अत्यंत अल्प अवधि में हो सके इसके लिए कयूआरटी टीम का गठन किया है.

आकस्मिक स्वास्थ्य सुविधा के लिए सीएस को निर्देश

एसडीओ राजेश कुमार ने बताया कि पर्व के अवसर पर सिविल सर्जन धनबाद अनुमण्डल क्षेत्र अन्तर्गत सभी अस्पतालों, स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सक, पारा मेडिकल टीम तथा एम्बुलेंस की उपलब्धता के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे. साथ ही धनबाद, झरिया तथा सिन्दरी के अग्निशमन पदाधिकारी को पर्व के अवसर पर अग्निशमन वाहन एवं अग्निशमन यंत्र चालू अवस्था में रखने के लिए निर्देशित किया है. जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त होने पर अल्प अवधि में घटनास्थल पर पहुँचकर अग्नि से होने वाली संभावित दुर्घटना को रोका जा सके. इसके अलावा असामाजिक तत्वों तथा अवांछनीय तत्वों पर निगरानी रखने एवं पर्व में सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस उपाधीक्षक पर्व के अवसर पर अपने-अपने क्षेत्रों में सतत् निगरानी रखते हुए गतिशील रहेंगे. वहीं क्षेत्रीय पदाधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, धनबाद पर्व के अवसर पर अपने स्तर से यह सुनिश्चित करेंगे कि पटाखा फोड़ने की ध्वनि एवं प्रदूषण का स्तर न्यायालय के द्वारा पारित आदेश या जारी दिशा-निर्देशों के तहत हो.

बेटी के लिए विधायक खुद बनाती हैं घरौंदा

शुभम संदेश। झरिया

दीपावली पर रंगोली और घरौंदा बनाने की परंपरा सदियों से पुरानी है. मान्यता है कि यह सुख और समृद्धि का प्रतीक है. दीपावली को लेकर बच्चे खुद घरौंदे का निर्माण करते हैं तो कुछ बच्चे बाजार से खरीदते हैं. झरिया विधायक रागिनी सिंह अपनी छोटी बेटी शार्या की जिद और चाहत पर हर साल खुद अपने हाथों से मिट्टी का घरौंदा बनाती हैं. इस बार भी उन्होंने स्वयं सिंहमेंशन में ही घरौंदा बनाने का कार्य किया. इस विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि मिट्टी का घरौंदा बनाने के पीछे कई पौराणिक मान्यताएं है. जिनमें एक मान्यता यह भी है कि भगवान श्रीराम जब 14 वर्षों का वनवास करके अयोध्या लौटे थे. तब पूरे अयोध्यावासी उनके स्वागत के लिए घरों का रंगारोहन और उसे दीपों से सजा कर उनकी आवभगत की थी. विधायक ने लोगों से अपील की कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग ज्यादा करे ताकि भारत एक समृद्ध राष्ट्र बने यहां के लोग समृद्ध और आत्मनिर्भरता से देश प्रगति की और अग्रसर होगा.

लोयाबाद में यमदूत बन गए हाइवा, फिर ली एक जान

तेज रफ्तार हाइवा ने टेम्पू को मारी जोरदार टक्कर, चार घायल, एक महिला की इलाज के दौरान मौत

- फिर भीषण सड़क हादसा, लोगों में आक्रोश, हाइवा परिचालन पर रोक की मांग

शुभम संदेश। लोयाबाद

लोयाबाद एकडा चालीस धौड़ा समीप शनिवार की शाम सड़क हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार हाइवा (नंबर जेए10सीएम-0749) ने एक यात्री भरे टेम्पू (जेएच10बीवी-1216) को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेम्पू सड़क किनारे पलट गया और उसमें सवार सभी यात्री घायल हो गए. घटना में टेम्पू चालक पिंटू, जो लोयाबाद नंबर सात का निवासी बताया जा रहा है, सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए. यात्रियों में एक ही परिवार के तीन सदस्य माता, पिता और पुत्री शामिल थे. घायलों को पहले लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद सभी को धनबाद एसएनएमएमसीएच रेफर किया गया.उपचार के दौरान इस्ट बसेरिया निवासी द्वारिका बाउरी की पत्नी संगीता देवी (36 वर्ष) की मौत हो गई. परिवार पर इस हादसे से गहरा सदमा छाया हुआ है. बताया जा रहा है कि युवती की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है. सभी घायलों को सिर और चेहरे में गंभीर चोटें आई हैं. घटना की सूचना मिलते ही लोयाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को जब्त कर लिया. पुलिस आगे की जांच कर रही है. गौरतलब है कि शुक्रवार को भी लोयाबाद थाना के सामने टेम्पू और बाइक की सीधी टक्कर हुई थी, जिसमें कई लोग घायल हुए थे. लगातार दूसरे दिन हुए हादसे ने क्षेत्र के लोगों में दहशत और आक्रोश है. स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि आबादी वाले क्षेत्रों में हाइवा वाहनों की तेज रफ्तार पर सख्त रोक लगाई जाए, क्योंकि चालक नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं. लोगों ने कहा कि दिवाली जैसे त्योहारी सीजन में जब सड़कों पर भीड़ रहती है, तब ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हो रही है.

बोलेरो की चपेट में आकर एक की मौत

गोविंदपुर के अमरपुर में हादसा, एक जख्मी

गोविंदपुर। जीटी रोड अमरपुर में शुक्रवार की रात करीब 9 .30 बजे जेएच 10 सीएन/2830 नंबर की बोलेरो के धक्के से लगभग 32 वर्षीय युवक शमीम अंसारी की मौत हो गई . घटना में उसके साथ पैदल चल रहे साथी गोवर्धन तुरी गंभीर रूप से घायल हो गए . शमीम गांव भीतर, गोविंदपुर निवासी इदरीश अंसारी का पुत्र था . उसका घायल मित्र लगभग 38 वर्षीय गोवर्धन अमरपुर तुरी टोला निवासी चामू तुरी का पुत्र है . शमीम के भाई अयूब अंसारी ने शुक्रवार को गोविंदपुर थाना में आवेदन देकर बोलेरो चालक के खिलाफ तेज रफ्तार एवं लापरवाही से वाहन चलाने की प्राथमिकी दर्ज करने की प्रार्थना की है . अयूब ने आवेदन में लिखा है कि गत रात उसका भाई अपने मित्र गोवर्धन के साथ दैनिक मजदूरी कर जीटी रोड के कोलकाता लेन से पैदल अमरपुर से ऊपर बाजार मोड़ की ओर आ रहा था . इसी क्रम में तेज रफ्तार से पीछे से आ रही उक्त बोलेरो ने बाईं ओर से ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान दोनों को धक्का मार दिया . इसकी त्वरित सूचना स्थानीय लोगों ने गोविंदपुर पुलिस को दी . सूचना मिलते ही पेट्रोलिंग पुलिस ने दोनों को अपने वाहन से एसएनएमएमसीएच, धनबाद में भर्ती कराया . जहां चिकित्सकों ने शमीम को मृत घोषित कर दिया . वहीं गंभीर रूप से घायल गोवर्धन को बेहतर चिकित्सा के लिए अन्यत्र रेफर कर दिया . पुलिस ने कांड संख्या 508/25, दिनांक 18 अक्टूबर 2025 अंकित कर बीएनएस की धारा 281/125 (ए)/125 (बी)/ 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है . अनि शैलेंद्र कुमार को अनुसंधानकर्ता बनाया गया है .

न्यूज अपडेट

मंझलीटांड़ में अधेड़ की मौत से मातम

टुंडी (शुभम संदेश)। दक्षिणी टुंडी कटनियां पंचायत के मंझलीटांड़ गांव में अचानक तबीयत बिगड़ने से अधेड़ की मौत हो गई. घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है. बताया जाता है कि रोजमर्रा की तरह मंझलीटांड़ गांव के जनेश्वर मुर्मू उम्र 55वर्ष खा पीकर सोया था. शनिवार अहले सुबह अचानक तबीयत बिगड़ी व जोरजोर से खांसने लगा, पहले तो घरवालों ने हल्के में लिया फिर खांसने के क्रम में खून की उलटी शुरू हो गई, तबीयत बिगड़ते देख स्वजनों ने अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे कि एकाएक दम तोड़ दिया. दिवाली के समय गांव में मौत से मातम पसरा हुआ है. जनेश्वर का पुत्र महेन्द्र मुर्मू बाहर में काम करता है. पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है. सूचना मिलने पर जिप सदस्य प्रतिनिधि गुरुचरण बास्की,ग्राम प्रधान शिवलाल मुर्मू, पूर्व उप मुखिया दिवीश्वर मुर्मू पहुंचे व शोक-संतप्त स्वजनों से मिलकर ढांढस बंधाया.इधर इस घटना की जानकारी मिलने सोनेत संथाल समाज के केन्द्रीय कोषाध्यक्ष रतिलाल टुडू ने अफसोस जाहिर करते हुए दुःख जताया व इसकी जानकारी टुंडी अंचलाधिकारी को देते हुए मृतक के स्वजनों को पारिवारिक लाभ व पेंशन योजना का लाभ देने का आग्रह किया.

राजभाषा पखवारे के विजेताओं को पुरस्कार

केंदुआ (शुभम संदेश)। वेस्टर्न झरिया एरिया मुनिडीह में राजभाषा पखवाड़ा के समापन के उपरांत विजेताओं को एक सम्मारोह मे पुरस्कृत किया गया. राजभाषा पखवारा में हिंदी निबंध (हिंदी भाषी), हिंदी निबंध (हिंदीतर भाषी), स्वरचित कविता पाठ, निबंध (गृहणियों के लिए), प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं स्कूली बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी.एरिया के महाप्रबंधक अरिन्दम मुस्तफी ने विजेता सहित 48 प्रतिभागी विजेताओं को सर्टिफिकेट एवं गृहणियों को नकद पुरस्कार प्रदान किया. मौके पर दीपक कुमार, वी एस बर्नवाल, कुमारी वर्षा, विकास कुमार आदि मौजूद थे.

डीटीओ ने की छापेमारी, कोयला लदा ट्रक जब्त

महुदा (शुभम संदेश)। धनबाद जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) दिवाकर प्रसाद द्विवेदी द्वारा शुक्रवार की तेलमोचो स्थित पुलिस चेकपोस्ट के समीप छापेमारी कर अवैध कोयला लदे एक ट्रक संख्या एनएल01एडी-2176 को पकड़ा गया1 पकड़े गए ट्रक को महुदा पुलिस के चेक पोस्ट के समीप खड़ा कर दिया. सूत्रों के अनुसार डीटीओ को गुप्त सूचना मिली थी कि रात के अंधेरे में अवैध कोयला तस्करी के जरिए भारी मात्रा में कोयला की ढुलाई की जा रही है. सूचना के आधार पर उन्होंने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर वाहन की जांच की. जांच के दौरान ट्रक में लदे कोयले का चालक द्वारा कोई वैध चालान प्रस्तुत नहीं किया जा सका. इसके बाद वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित थाने को सौंप दिया गया. इधर इस कार्रवाई से कोयला तस्करों में हड़कंप मच गया है.स्थानीय लोगों ने डीटीओ द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई की सराहना की है और कहा है कि इस तरह की छापेमारी से अवैध कारोबार पर रोक लगेगी. ट्रक चालक और मालिक की पहचान की जा रही है. जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

ब्रीफ खबरें

एसडीपीओ बाखला ने किया चिरकुंडा थाने का निरीक्षण

चिरकुंडा। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी निरसा के रजत मनिक बाखला वार्षिक निरीक्षण के तहत चिरकुंडा थाना पहुंचे. जहां उन्होंने सिरिस्ता,मालखाना ,हाजत,बैरक,आदि का निरीक्षण किया. साथ ही रिकॉर्ड रूम का भी निरीक्षण किया. वहीं एसडीपीओ ने बताया कि वार्षिक निरीक्षण के तहत सभी थाना एवं जओपी का निरीक्षण किया जा रहा है. उसी कड़ी में वो चिरकुंडा थाना पहुंच कर जांच किए साथ ही कही कमी पाया जाएगा तो उसे सुधारने का हिदायत दिया जाएगा.साथ ही अच्छे काम कर रहे ऑफिसर को रिवॉर्ड भी दिया जाएगा. उन्होंने कहा कि अभी तक की जांच में वो संतुष्ट दिखे, आगे और भी दिशा निर्देश दिए गए हैं.

मुखिया ने किया हाईमास्ट लाइट का उद्घाटन

महुदा। बाघमारा प्रखण्ड के अंतर्गत काण्ड्रा पंचायत के पंचायत सचिवालय के सामने और महुदा मोड़ शिव शक्ति मंदिर के प्रांगण में सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी के मद से हाईमास्ट लाईट लगाया गया है, जिसका उद्घाटन मुखिया रिंकू देवी के द्वारा फीता काट कर और नारियल फोड़ कर किया. मौके पर भाजपा के जिला महामंत्री धनेश्वर महतो , सोलहआना समिति के अध्यक्ष धुरन हरि , सचिव सुधीर महतो , मटुक मिश्रा, करमा महतो ,फनील महतो , सांसद प्रतिनिधि शिवा प्रसाद , कमल महतो , नितू देवी , भारती देवी, डेगलाल महतो ,हरे लाल दास आदि उपस्थित थे.

कोल कर्मियों को बंधक बनाकर लोहा और केबल की लूटपाट

हरियाजाम खदान में 25 से 30 की संख्या में आए थे लुटेरे

- सुरक्षा कर्मियों के साथ-साथ होमगार्ड भी फंसे

शुभम संदेश। निरसा बाजार

ईसीएल मुगमा क्षेत्र अंतर्गत हरियाजाम 27 नंबर भूमिगत खदान में शुक्रवार की रात अपराधियों ने सात कर्मियों को बंधक बनाकर पुराने स्टोर रूम से लौह सामग्री के साथ-साथ केल लूट कर चलते बने. लूटे गये सामानों की कीमत लाखों रुपए आंकी गयी है. कोलियरी प्रबंधन द्वारा निरसा थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाने की प्रक्रिया की जरी थी. बंधक बने कर्मियों ने बताया कि शुक्रवार की रात्रि लगभग 3:00 बजे 25 से 30 की संख्या में लुटेरों के दल ने कोलियरी परिसर में धावा बोला था.लुटेरों ने सबसे पहले सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी बेचू सिंह, मनय कुंभकार एवं होमगार्ड के जवान अनिल सिंह को हथियार के बल पर बंधक बना लिया.इसके बाद लुटेरे तीनों सुरक्षा कर्मियों को लेकर ट्रामर रुम ले गए. वहां मौजूद ट्रामर अनिल मोची, सीमांचल नायक एवं अन्य दो कर्मियों को भी बंधक बना लिया. सभी लोगों को ट्रामर रूम में बंद कर बाहर से कुंडी में तार से बांध दिया. इस दौरान लुटेरों ने होमगार्ड अनिल सिंह का टॉर्च एवं मोबाइल भी छीन लिया. हालांकि अनिल सिंह के मोबाइल को लुटेरों ने ट्रामर रूम के बाहर रख दिया था जो बाद में मिल गया. इसके बाद लुटेरे आराम से कोलियरी के पुराने स्टोर रूम का ताला तोड़कर घुसे तथा वहां रख लौह सामग्री एवं पुराने केबल को लूटकर चलते बने. बाद में बंधक बने कर्मी ने किसी तरह हाथ बाहर कर कुंडी में लगाए गए तार को खोल तथा बाहर जाकर मामले की सूचना वरीय पदाधिकारी को दी. जब तक क्षेत्रीय सुरक्षा गश्ती दल एवं कोलियरी प्रबंधन के लोग पहुंचे तब तक लुटेरे सामान लूट कर जा चुके थे. कर्मियों ने बताया कि केवल लुटेरों की संख्या 25 से 30 एवं उनकी उम्र उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच थी. सभी ने अपने चेहरे को गमछा एवं रुमाल से ढक रखा था.

विद्या मंदिर मुराईडीह में रंगोली प्रतियोगिता

बरोरा (शुभम संदेश)। दीपावली के पावन अवसर पर विद्या मंदिर मुराईडीह के प्रांगण में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भाग लिया. छात्राओं ने रंग-बिरंगे रंगों और रचनात्मक डिजाइनों के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया. जिसने सभी का मन मोह लिया. रंगोली के माध्यम से उन्होंने दीपावली के सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व को उजागर किया. विद्यालय के सभी शिक्षकों ने छात्राओं की इस कला को सराहा और उनका उत्साहवर्धन किया. शिक्षकों ने बच्चों की रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं. इस आयोजन ने न केवल छात्राओं की प्रतिभा को निखारा, बल्कि स्कूल में उत्सव का माहौल भी बनाया. सभी ने एक-दूसरे को हैप्पी दीवाली की शुभकामनाएं दीं.

झरिया की सड़कें बनी ब्रेकर-फ्री जोन

विधायक रागिनी सिंह की पहल पर हटाए गए 39 अवैध स्पीड ब्रेकर

खास बातें

- एनएच-18 पर झरिया थाना मोड़ से जोड़ापोखर तक चला अभियान
- दिशा सदस्य राज किशोर जेना की देखरेख में कार्रवाई है जारी

शुभम संदेश। झरिया

झरिया की सड़कों से अवैध स्पीड ब्रेकर हटाने का अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा. दो दिनों में कुल 42 में से 39 ब्रेकर हटा दिए गए हैं. उम्मीद है कि कल तक झरिया की सड़कें पूरी तरह ब्रेकर मुक्त हो जाएंगी. यह अभियान झरिया की वर्तमान भाजपा विधायक रागिनी सिंह की पहल पर चलाया जा रहा है. एनएच-18 पर डिगवाडीह डिनोबली मोड़ से बस्ताकोला तक बने इन अवैध ब्रेकरों को हटाने का कार्य शनिवार को झरिया थाना मोड़ से जोड़ापोखर थाना तक चला. अभियान के दौरान भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जबकि कार्रवाई की निगरानी दिशा सदस्य एवं भाजपा जिला मंत्री राज किशोर जेना स्वयं कर रहे थे. गौरतलब है कि वर्ष 2022 में पूर्व कांग्रेस विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने पत्रांक संख्या 220/झा.वि.स./22 दिनांक 23.10.2022 के माध्यम से जिला प्रशासन को 21 स्पीड ब्रेकर बनाने की अनुशंसा की थी लेकिन सड़कों के निर्माण के दौरान लोगों ने अपनी सुविधा के अनुसार 42 स्थानों पर ब्रेकर बनवा लिए, जिससे महज़ 10 किलोमीटर की दूरी में दर्जनों ब्रेकरों ने नागरिकों के लिए यात्रा को कठिन बना दिया था. इन अवैध ब्रेकरों को लेकर स्थानीय लोगों में लंबे समय से आक्रोश और राजनीतिक विवाद की स्थिति बनी हुई थी, जो अब विधायक की पहल से समाप्त होती दिख रही है.

तीन बाइक चोर गिरफ्तार, तीन बाइक बरामद

- खरखरी में बीसीसीएल कर्मी के साथ हुई लूटपाट का खुलासा

शुभम संदेश। मधुबन

खरखरी पुलिस ने पांच दिन के अंदर बीसीसीएल कर्मी के साथ खरखरी ओपी क्षेत्र में घटित लूटपाट कांड का उद्भेदन कर दिया. बीसीसीएल कर्मी की लूटी गई मोटरसाइकिल सहित अन्य दो चोरी की गई मोटरसाइकिल को भी बरामद करने में कामयाबी पाई है. खरखरी ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने बताया कि सहाना कॉलोनी के नीचे तालाब के सामने हुई लुटपाट की घटना में भुक्तभोगी परसबनिया निवासी कोल कर्मी ओम प्रकाश यादव की शिकायत पर तीन चार अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध कांड संख्या 93/25 में धारा 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को पकड़ने में जुट गई थी. खरखरी ओपी के बाँसजोड़ा के 20 वर्षिय राहुल रवानी व 19 वर्षिय मो मुस्तफा उर्फ राजा और मधुबन थाना क्षेत्र के खरखरी बस्ती निवासी 19 वर्षिय शेख सिकिम को हिरासत में ले पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया. शुक्रवार की देर शाम ओपी के समीप चेकिंग के दौराण बाँसजोड़ा के 20 वर्षिय अजय रविदास को चंद्रपुरा हटिया से एक महीने पूर्व चोरी की गई मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा था. पुलिस ने कांड संख्या 96/25 में धारा 303(2),317(2),3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया. पूछताछ के दौरान अजय ने पुलिस को कई अन्य जानकारियां भी दी हैं. अपने साथियों के नाम भी बताया है.कई अन्य मामले में संलिप्त होने की बात भी कबूल की है.उसने पुलिस को बताया कि हाल ही में महुदा पेट्रोल पंप के समीप से जो मोटरसाइकिल चोरी हुई थी वह मोटरसाइकिल भी उसने ही चुराई थी. पुलिस को दोनो मामले में और भी अभियुक्त की तलाश है. इधर बताया जा रहा है कि पुलिस को पूछताछ के दौरान कई अहम जानकारी भी मिली है. इस गिरोह का सरगना अब पकड़ से दूर है. फरार चल रहे विवेक राय की की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापे मारी कर रही है.

बालिका विद्या मंदिर में दीया सजाओ और रंगोली प्रतियोगिता

शुभम संदेश। झरिया

बालिका विद्या मंदिर के प्रांगण में दीया सजाने एवं रंगोली की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. बच्चों ने अपनी कला, कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता से विद्यालय परिसर को रंगों और रोशनी से सजाया. रंग-बिरंगी रंगोली और सजे हुए दीयों ने त्योहार की पवित्रता और भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत की. इस अवसर पर झरिया मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, विद्यालय सचिव गणेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल, सदस्य मोहित अग्रवाल, सौरभ शर्मा तथा विद्यालय की प्राचार्या पूनम गोयल ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया. प्रतियोगिता में कक्षा 3 से लेकर 12 तक की छात्राओं ने भाग लिया. प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल का सुंदर प्रदर्शन करते हुए आकर्षक रंगोलियां बनाई. प्रतियोगिता में पारंपरिक, धार्मिक और आधुनिक विषयों पर बनी रंगोलियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया. विद्यार्थियों ने माँ लक्ष्मी, गणेश जी, बाल कृष्ण, आपरेशन सिंदूर, फूलों की आकृतियाँ और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर अपनी सृजनशीलता प्रदर्शित की. निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन के बाद परिणाम घोषित किए गए, जिसमें विजेता छात्राओं को विद्यालय के प्राचार्या ने बच्चों को मेडल और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया. उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों की रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होती हैं. उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें अपने जीवन में सृजनात्मक सोच बनाए रखने का संदेश दिया. कार्यक्रम का संचालन आर्ट एवं क्राफ्ट के शिक्षक असीम मुखर्जी ने किया. उन्होंने बच्चों को दीपावली के वास्तविक संदेश अंधकार से प्रकाश की ओर को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी.

किड्स एजुकेशन सेंटर बेलचढ़ी में दीपक सजाओ प्रतियोगिता

निरसा। शनिवार को किड्स एजुकेशन सेंटर, बेलचढ़ी में रंगोली एवं दीपक सजाओ प्रतियोगिता का आयोजन सावित्री मेमोरियल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा किया गया. रंगोली प्रतियोगिता में चार टीमों ने भाग लिया, जिसमें सभी टीमों ने अपना - अपना बेहतर किए . ऑपरेशन सिंदूर को प्रथम पुरस्कार मिला . द्वितीय पुरस्कार गुरु देवो भव : तथा तृतीय पुरस्कार मां छठ की थीम पर बनाए रंगोली को मिला . रंगोली प्रतियोगिता में विजय होने वाले बच्चों में अंशु कुमारी, प्रियंका, नफीसा खातून, रितु ,अक्षरा, आभा, पल्लवी, पिया चटर्जी, साक्षी प्रिया, अनोखी, प्रिया टुडू, कोमल, ओमश्री ,अर्चना, परी ज्योतिका आदि हैं . दीपक सजाओ प्रतियोगिता में विजयी बच्चों में श्रुति, गुड़िया, आयुष चौहान, अंशुमन बरनाली कुमारी आदि हैं . इन बच्चों को ट्रस्ट के चेयरमैन तपेश्वर चौहान, उपाध्यक्ष मोहम्मद फिरोज अंसारी, अध्यक्ष प्रमिला देवी, रीता देवी, संगीता कुमारी, सरस्वती हांसदा, पदमा दास, पूर्णिमा आदि द्वारा पुरस्कृत किया गया .

एएम पब्लिक स्कूल में दीया बनाओ प्रतियोगिता

पुटकी। एएम पब्लिक स्कूल समशिखरा में शनिवार को दीपावली के शुभ अवसर पर बच्चों के बीच दीया बनाओ एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया . स्कूली छात्रों ने एक से बढ़कर एक रंगोली बनाई . बच्चों के मनोबल को बढ़ाने के लिए विद्यालय द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर पुरस्कृत किया गया . प्राचार्य मनोज गोप ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देते हुए बच्चों की मानसिक क्षमता में वृद्धि करना तथा उन्हें संगठित होकर सभी प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए उन्हे प्रेरित करना है . आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार यादव के साथ-साथ सभी शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं का अहम योगदान रहा .

डीएवी कुसुंडा में रंगोली प्रतियोगिता

केंदुआ। दीपावली व छठ के पूर्व दिवस पर डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा में अन्तरसदनीय पॉट डेकोरेशन व रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई . प्राचार्य अजीत कुमार दूबे ने कहा कि जूनियर व सीनियर विंग के बच्चों की प्रतिभा निखारने और पर्व-त्योहारों के सांस्कृतिक मूल्यों को पहचानने के महती उद्देश्य के साथ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया . प्रतियोगिता मे विद्यालय के चारों सदन दयानंद, हंसराज, विवेकानंद व श्रद्धानंद सदन के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया प्रतिभागियों ने प्राकृतिक रंगों से मनमोहक रंगोलियाँ बनाई व सुंदर-सुंदर आकृतियों से पॉट डेकोरेशन किया . प्रतिभागियों की सराहना की गयी .सभी को दीपावली और छठ महापर्व की शुभकामनाएँ दी गई . निर्णायक मंडल में बीके भारती, सीमा कुमारी, विजेता कुमारी, अंतरा रॉय,संगीता वर्णवाल, पूजा कुमारी, ममिता मोदक,ममथा टी,मीनाक्षी व शिबा नाज़ थी .

आदिम जनजाति समुदाय के लिए 'जनसंवाद एवं समाधान' कार्यक्रम आयोजित

सांसद-उपायुक्त ने योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया

शुभम संदेश।दुमका

दुमका जिला केरानीश्वर प्रखण्ड अन्तर्गत बांसकुली पंचायत सचिवालय में सांसद नलिन सोरेन, विधायक शिकारीपाड़ा आलोक कुमार सोरेन, उपायुक्त दुमका अभिजीत सिन्हा, अध्यक्ष जिला परिषद् दुमका जॉयस बेसरा, सहायक समाहर्ता नाजिस अंसारी की उपस्थिति में आदिम जनजाति समुदाय के लिए जनसंवाद एवं समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. दुमका लोकसभा क्षेत्र के सांसद नलिन सोरेन ने अपने संबोधन में कहा कि आदिम जनजाति समुदाय के उत्थान हेतु यह कार्यक्रम अत्यंत प्रशंसनीय है. उन्होंने बताया कि समुदाय के लोगों से सीधा संवाद स्थापित करने से उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त करने और उनका समाधान करने में मदद मिलेगी. सांसद ने लोगों को सरकार द्वारा संचालित विकास योजनाओं की जानकारी दी और उनका लाभ लेने की बात कही. विधायक आलोक कुमार सोरेन ने कहा कि आदिम जनजाति समुदाय के गांव एवं परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से आच्छादित करने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है. उन्होंने बताया कि पंचायत बांसकुली से कुमीरखाला तक सड़क निर्माण का टेंडर हो चुका है और बुधुडीह से मसलिया प्रखण्ड तक सड़क निर्माण के लिए कार्रवाई की जा रही है. उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि आदिम जनजाति समुदाय के लिए जिला प्रशासन सरकार की सभी योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित करने हेतु लगातार प्रयासरत है. उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने

जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं. उन्होंने दुमका जिले में पहाड़िया समुदाय की पहली बेटी के जेपीएससी परीक्षा में उत्तीर्ण होने की जानकारी साझा की और आदिम जनजाति समुदाय के छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता पाने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के अवसर पर जिला परिषद् अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि चालीस वर्ष पूर्व आदिम जनजाति विद्यालय में शिक्षण कार्य के दौरान पहाड़िया समाज के लोगों के बीच कार्य करने का अवसर मिला था, जिससे वह आदिम जनजाति समाज की समस्याओं से पूर्व से अवगत हैं. उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आदिम जनजाति समाज के उत्थान हेतु लगातार प्रयासरत है. प्रखण्ड विकास पदाधिकारी रानीश्वर राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि रानीश्वर प्रखण्ड में आदिम जनजाति समुदाय के लोगों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित करने हेतु प्रखण्ड कार्यालय द्वारा विगत तीन महीने में सर्वे किया गया. इसके उपरांत लोगों को मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन योजना, केसीसी योजना, आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना आदि से आच्छादित किया गया. इसके अतिरिक्त, जिला कौशल विकास पदाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत 22 अभ्यर्थियों को रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण और 30 लोगों को मेसन प्रशिक्षण के लिए चयनित किया गया. लगभग 24 नागरिकों के लिए मतदाता पहचान पत्र बनवाए गए. पिछले एक वर्ष में आदिम जनजाति समुदाय के 314 परिवारों को पीएम जनमन आवास योजना से आच्छादित किया गया. कार्यक्रम में लाभुकों को पीएम जनमन आवास की चाभी, पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र, केसीसी स्वीकृति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन योजना स्वीकृति प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड आदि वितरित किए गए. जेएसएलपीएस की तरफ से 6,50,000 रुपये का क्रेडिट लिंकेज और दो "दीदी की दुकान" के लिए 75,000 रुपये का वितरण भी किया गया. पाँच दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल और श्रवण यंत्र, नौ छात्राओं को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत स्कूल बैग, समुदाय के लोगों को धोती-साड़ी और तीन आंगनबाड़ी सेविकाओं को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए.

ब्रीफ खबरें

पेड़ से लटका मिला अज्ञात शव

बोकारो। कसमार प्रखंड के दांतू डाक बंगला के पीछे शनिवार को एक अज्ञात युवक का शव पलाश के पेड़ से लटका हुआ मिला. स्थानीय लोगों की सूचना पर थाना प्रभारी भजनलाल महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने बताया कि शव पर किसी भी प्रकार की चोट या जख्म के निशान नहीं मिले हैं. प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है. फिलहाल युवक की पहचान नहीं हो सकी है, इसलिए शव को थाने में सुरक्षित रखा गया है. पुलिस आसपास के गांवों में लापता व्यक्तियों से संबंधित जानकारी जुटा रही है.

मंदिर में हुई चोरी मामले में जांच तेज

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरगढ़, पुराना एसपी कोठी के निकट मां काली मंदिर में शुक्रवार की संध्या हुई चोरी मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है. डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा और जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने शनिवार को मामले के अनुसंधान के तहत कई लोगों से पूछताछ की. ज्ञात हो कि शक्तिचौक स्थित मूड़ कटवा काली मंदिर में मां काली का स्वर्ण जीभ, सोने की बनी दोनों आंखों की पुतली और मंदिर में लगे पीतल की घंटी चोरी कर ली गई थी.

उत्कृष्ट कार्य के लिए 15 कर्मचारी सम्मानित

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के आयरन एंड स्टील फाउंड्री और पैटर्न शॉप विभाग ने नियमित एवं संविदा कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन और योगदान के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया. इस अवसर पर 15 कर्मचारियों को उनके कार्य, समर्पण और नवाचार के लिए सम्मानित किया गया. मुख्य अतिथि शरद गुप्ता ने टीम की सराहना की. विभाग ने हाल ही में ब्लास्ट फर्नेस के लिए कूलिंग प्लेट निर्माण, क्रेन सिस्टम उन्नयन और स्मारक निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए हैं.

भंडारो में नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

डुमरी। प्रखंड के कल्हाबार पंचायत स्थित भंडारो गांव में शनिवार को 25 केवीए क्षमता वाले नए विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष अमित महतो, रामेश्वर महतो एवं अनुमंडल विधायक प्रतिनिधि रामप्रसाद महतो ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और नारियल फोड़कर किया. बताया गया कि लगभग 10 दिनों से ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित थी, जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था.

90 प्रतिशत अनुदान पर शिल्पकारों को उद्योग विभाग से मिला इलेक्ट्रिक चाक और टूल किट

इलेक्ट्रिक चाक से कार्य में मिलेगी सहूलियत : डीसी

शुभम संदेश।गोड्डा

माटी कला शिल्पकारों को आधुनिक सुविधा उपलब्ध कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने इलेक्ट्रिक चाक और टूल किट उपलब्ध कराई. उद्योग विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड एवं झारखंड माटी कला बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जिले भर से चयनित 49 कुम्हारों को उपायुक्त अंजली यादव ने इलेक्ट्रिक चाक और टूल किट प्रदान किया. कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त अंजली यादव, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र रमाकांत चतुर्वेदी, ईओडीबी प्रबंधक मनीष कुमार, वरीय प्रबंधक झारक्राफ्ट अब्दुल कादिर, जिला उद्यमी समन्वयक देवव्रत कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया. उपायुक्त अंजली यादव ने बताया कि यह वितरण राज्य सरकार की उस योजना का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत पारंपरिक माटी शिल्पकारों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पारंपरिक रूप से हमारे कुम्हार भाई-बहन लकड़ी के चाक का उपयोग कर बर्तन और दीये बनाते आए हैं. अब उन्हें 90 प्रतिशत अनुदान पर इलेक्ट्रिक चाक के माध्यम से कार्य करने में अधिक सहजता और कम मेहनत लगेगी. इससे न केवल उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि उत्पादों की गुणवत्ता भी बेहतर होगी. उपायुक्त ने आगे बताया कि इलेक्ट्रिक चाक मिलने से नई पीढ़ी के कुम्हार भी आधुनिक तरीके से मिट्टी के बर्तन बनाने की कला सीख सकेंगे. ज्ञात हो कि इस योजना के तहत झारखंड माटी कला बोर्ड द्वारा गोड्डा जिले के लिए कुल 49 विद्युत चाक आवंटित किए गए थे. चयनित लाभुकों को मात्र 10 प्रतिशत अंशदान, यानी 2,350 रुपये जमा कर चाक प्रदान किया गया. सभी प्रखंडों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर लाभुकों का चयन नियमानुसार किया गया. जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक रमाकांत चतुर्वेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड राज्य के ग्रामीण उद्यमियों को सशक्त करने के लिए निरंतर कार्यरत है. इस योजना से न केवल पारंपरिक कुम्हारों को लाभ मिलेगा, बल्कि ग्रामीण शिल्पकारों को भी प्रेरणा मिलेगी. कार्यक्रम के दौरान जिले से आए माटी शिल्पकारों ने उपायुक्त के समक्ष अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त की. उन्होंने बताया कि प्लास्टिक के उपयोग से मिट्टी के बर्तनों की बिक्री प्रभावित हुई है और बहुत कम लोग इन्हें खरीद रहे हैं. उन्होंने लोगों में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता जताई ताकि मिट्टी के बने बर्तनों का उपयोग बढ़े. मौके पर जिला उद्योग केंद्र, गोड्डा के अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे.

पर्यावरण-मित्र वाटिका में वृक्ष दीपावली मनी

बोकारो। पर्यावरण-मित्र चौक स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका में 'स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान' का स्थापना दिवस 'वृक्ष दीपावली' के रूप में मनाया गया. इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने वाटिका में स्थित पेड़ों के नीचे दीप जलाकर दीपावली का उत्सव प्रकृति को समर्पित किया. कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धन्वंतरि की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई. इस दौरान बोकारो, झारखंड और समस्त देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई. ज्ञात हो कि आज के ही दिन समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि का प्राकट्य हुआ था, जो अपने हाथों में अमृत कलश और आयुर्वेद शास्त्र लेकर प्रकट हुए थे. संध्या समय उपस्थित सभी पर्यावरण प्रेमियों ने सबसे पहले पर्यावरण-मित्र चौक पर स्थापित 'पर्यावरण-मित्र पं. गौरी शंकर ओझा' के चित्र पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलित किया. इसके बाद वाटिका एवं आसपास स्थित सभी पेड़ों के नीचे दीप जलाकर 'वृक्ष दीपावली' मनाई गई. इस दौरान पेड़ों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मानव जीवन और संपूर्ण सृष्टि पर उनके उपकारों को नमन किया गया. गौरी शंकर सिंह, मनीष झा, महेश ओझा सहित कई पर्यावरण प्रेमी मुख्य रूप से उपस्थित रहे.

उपायुक्त ने किया बांझी उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

चिकित्सक और कर्मी अनुपस्थित, वेतन पर रोक

शुभम संदेश।साहिबगंज

शनिवार को उपायुक्त हेमंत सती ने प्राथमिक उप स्वास्थ्य केन्द्र बांझी का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान केन्द्र में नियुक्त डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए. बताया गया कि केन्द्र में सीएचओ की कोई प्रतिनियुक्ति नहीं है, जबकि तीन एएनएम की प्रतिनियुक्ति की गई है. वहीं लैब टेक्नीशियन मोहम्मद नौशाद अंसारी और एमपीडब्ल्यू प्रदीप कुमार भी अनुपस्थित पाए गए. उपायुक्त ने गंभीर लापरवाही पर दोनों कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा और उनके वेतन भुगतान पर रोक लगाने का निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र में आवश्यक सुविधाओं की कमी पर नाराज़गी जताते हुए उपायुक्त ने प्लेसेंटा पीट निर्माण, आरओ मशीन तथा सोलर लाइट की स्थापना तत्काल सुनिश्चित करने का आदेश दिया. निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बांझी स्थित पशुपालन चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया, जहां चिकित्सालय परिसर में ताला लटका मिला. इस पर उन्होंने गहरी नाराज़गी जताते हुए सभी डॉक्टरों और कर्मियों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने का आदेश जारी किया. उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि सरकारी व्यवस्था में लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी. इसके अतिरिक्त, निरीक्षण के दौरान राज्यकीय अनुसूचित जनजाति उच्च विद्यालय, बांझी में अव्यवस्था पाई गई. मॉडलर किचन सुचारू रूप से संचालित नहीं था, वहीं नव-निर्मित किचन भवन की दुर्दशा देखकर उपायुक्त ने गहरी नाराज़गी व्यक्त की. उन्होंने निर्देश दिया कि 30 दिनों के भीतर भवन की मरम्मत पूरी की जाए, अन्यथा संबंधित एजेंसी और संवेदक से राशि वसूली कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी. उपायुक्त ने कहा कि जनता को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखना किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है. लापरवाही करने वाले अधिकारी-कर्मियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी.

डीपीएस बोकारो ने दीपांश के बच्चों संग मनाई खुशियों भरी दिवाली

छात्रजीवन से ही बच्चों में जिम्मेदारी का बोध आवश्यक : डॉ. गंगवार

शुभम संदेश।बोकारो

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों को सामाजिकता से जोड़ने के प्रयासों की कड़ी में डीपीएस बोकारो में सप्ताहव्यापी 'जॉय ऑफ गिविंग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में सामाजिक सरोकार की भावना विकसित करना और आर्थिक व सामाजिक भेदभाव मिटाने का संदेश देना था. डीपीएस बोकारो द्वारा समाज के वंचित वर्ग के बच्चों के लिए संचालित दीपांश शिक्षा केंद्र के विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने. कार्यक्रम का समापन शनिवार को दीपावली की खुशियां बांटते हुए हुआ. सीनियर और प्राइमरी, दोनों इकाइयों के विद्यार्थियों ने दीपांश के छात्र-छात्राओं का उत्साहपूर्वक स्वागत किया. सभी ने एक-दूसरे के साथ खुशियों के पल साझा किए. बच्चों ने साथ मिलकर वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और बैडमिंटन खेले, अंताक्षरी प्रतियोगिता की, पेंटिंग बनाई और टिफिन भी साझा किया. उन्होंने गीत, संगीत, नृत्य और अभिनय जैसी कलात्मक प्रस्तुतियों से वातावरण को उत्सवमय बना दिया. इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने कृतज्ञता, छोटे कार्यों के बड़े प्रभाव, सम्मान और समानता जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को आत्मसात किया. कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सच्चा आनंद अपने पास रखी चीज़ों से नहीं, बल्कि दूसरों को दिए गए स्नेह और सहयोग से मिलता है. अंत में डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने दीपांश के बच्चों को उपहार भेंट किए, जिससे उनकी दिवाली और भी खास बन गई. दीपावली के अवसर पर विद्यालय की दोनों इकाइयों को आकर्षक कलाकृतियों और सजावट से सजाया गया था. सीनियर इकाई में दीये की आकृति पर आधारित सेल्फी पॉइंट और प्राइमरी इकाई में की गई कलात्मक सजावट ने विद्यार्थियों और अभिभावकों दोनों को मंत्रमुग्ध कर दिया. समारोह के दौरान छात्रों ने सकारात्मक संदेशों वाले छोटे-छोटे कार्ड भी तैयार किए और उन्हें एक-दूसरे के साथ साझा किया. इस अवसर पर डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जगाना अत्यंत आवश्यक है. इस दिशा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां आपसी जुड़ाव और सकारात्मकता को बढ़ाने का सुंदर माध्यम हैं. जब छात्र-जीवन से ही उनमें जिम्मेदारी का बोध होगा, तभी वे आगे चलकर एक जिम्मेदार नागरिक और अच्छे इंसान बन सकेंगे.

न्यूज अपडेट

अवैध महुआ शराब पर पुलिस ने की कार्रवाई

डुमरी (शुभम संदेश)। दीपावली सहित विभिन्न त्योहारों को ध्यान में रखते हुए अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शनिवार को अवैध महुआ शराब के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया. इस संबंध में एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया कि मधुबन थाना अंतर्गत हनुमानगढ़ धावाटांड़ में अवैध जावा महुआ के विरुद्ध छापेमारी की गई. इस दौरान जेठू मुंडा (पिता स्व. चमन मुंडा) के खपरैल मकान से लगभग 160 किलो जावा महुआ और 20 लीटर महुआ शराब जब्त कर नष्ट की गई. वहीं प्रतिमा देवी (पति तेजू मुंडा) के घर से करीब 220 किलो जावा महुआ, तथा दुलारी देवी (पति कैलाश मुंडा) के घर के पीछे बने करकेट शेड से लगभग 80 किलो जावा महुआ बरामद कर नष्ट किया गया. सभी स्थानों पर शराब बनाने की भट्ठियां भी ध्वस्त कर दी गईं. निमियाघाट थाना क्षेत्र के मधगोपाली गांव में साबिर बिन्द (पिता महंगू बिन्द) द्वारा जंगल क्षेत्र में बनाई गई झोपड़ी और करकेट के मकान से 20 छोटे ड्रम और 5 बड़े ड्रम में भरे कुल 580 किलो जावा महुआ बरामद किए गए, जिन्हें नष्ट कर दिया गया. पीरटांड़ थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हारलालो में करीब 180 किलो, खुखरा थाना क्षेत्र के हरलाडीह ओपी अंतर्गत झलवाडीह में लगभग 80 किलो जावा महुआ एवं 10 लीटर महुआ शराब तथा डुमरी थाना क्षेत्र के बेलदारी टोला में लगभग 200 किलो जावा महुआ को नष्ट किया गया. एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने कहा कि अवैध महुआ शराब या किसी भी प्रकार का अवैध धंधा अनुमंडल क्षेत्र में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने बताया कि बेलदारी टोला, केंदुआडीह, करिहारी, जमुनिया नदी, पिंडीटांड़, जामताड़ा आदि क्षेत्रों में अवैध शराब की चुलाई एवं बिक्री की सूचना मिलने पर लगातार कार्रवाई जारी रहेगी.

डीसी ने किया सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण

गोड्डा (शुभम संदेश)। उपायुक्त अंजली यादव ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया. दोपहर के समय अचानक अस्पताल पहुंच कर उन्होंने विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने जांच घर, मातृ शिशु अस्पताल, ऑपरेशन कक्ष, एसएनसीयू कक्ष, चाइल्ड वार्ड, आईसीयू, ओपीडी, नव-निर्मित मॉड्यूलर ओटी और अन्य संबंधित विभागों का जायजा लिया. निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया और उनसे फीडबैक लिया. उन्होंने अस्पताल उपाधीक्षक तारा शंकर झा को निर्देश दिए कि मरीजों और उनके परिजनों के बैठने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. उपायुक्त ने लैबोरेट्री का भी अवलोकन किया और मरीजों के लिए टीबी, मलेरिया, एड्स, पैथोलॉजी सहित अन्य बीमारियों की जांच की जानकारी प्राप्त की. शिशु सुरक्षा योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने एवं आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत इलाज की प्रगति की जानकारी लेने के निर्देश दिए. उन्होंने अस्पताल में विभागवार डॉक्टरों की संख्या एवं उपस्थिति की जांच की और चिकित्सकों को मरीजों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए. अस्पताल परिसर की सफाई, मेडिकल स्टाफ एवं चिकित्सकों की ड्यूटी, दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सहित सभी जरूरी बिंदुओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रूप से रक्तदान किया. उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है. सभी को रक्तदान में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए, ताकि गंभीर बीमारियों या आपात स्थिति में ब्लड की कमी को पूरा किया जा सके. इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. एस. सी. शर्मा, अस्पताल उपाधीक्षक तारा शंकर झा, हॉस्पिटल मैनेजर मोनाली राय सहित चिकित्सक और अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे.

सड़क निर्माण में बाधा पर प्रशासन सख्त

कसमार (शुभम संदेश)। गोला प्रखंड के बरलंगा से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पैतृक गांव नेमरा होते हुए कसमार तक निर्माणाधीन पथ चौड़ीकरण परियोजना के तहत कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा गांव में एक आदिवासी परिवार द्वारा निर्माण कार्य में बाधा डाले जाने के मामले को लेकर शनिवार को कसमार थाना परिसर में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुआ ने की. इस दौरान एसडीपीओ बीएन सिंह, सीओ नरेंद्र कुमार सिंह, बीडीओ नम्रता जोशी, थाना प्रभारी भजनलाल महतो एवं कार्य एजेंसी गंगा कंस्ट्रक्शन के अधिकारी उपस्थित थे. बताया गया कि संबंधित परिवार को भी बैठक में बुलाया गया था, लेकिन वे उपस्थित नहीं हुए. बैठक में एसडीओ मुकेश मछुआ ने स्पष्ट कहा कि धार्मिक स्थल बताकर सड़क निर्माण में बाधा उत्पन्न करना सरासर गलत है. प्रशासन सभी धर्मों का सम्मान करता है, लेकिन किसी निजी स्वार्थ या जमीन विवाद में सरना झंडा का उपयोग करना सामाजिक रूप से अनुचित और प्रशासनिक रूप से आपत्तिजनक है. उन्होंने बताया कि मामले की जांच और सड़क नापी कराई गई है, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि निर्माण स्थल देवस्थान (धार्मिक भूमि) का हिस्सा नहीं है. साथ ही, पहले भी इस स्थान से सड़क गुजरती रही है और बीते दो वर्षों से रोड निर्माण कार्य जारी है, लेकिन इस दौरान कभी सरना झंडा नहीं गाड़ा गया था. एसडीओ ने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि वे सामाजिक स्तर पर बातचीत कर सड़क निर्माण कार्य में सहयोग करें, ताकि विकास कार्य बाधित न हो. इस अवसर पर सीओ नरेंद्र कुमार सिंह, बीडीओ नम्रता जोशी, थाना प्रभारी भजनलाल महतो, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम, एसआई कुंदन कुमार, एएसआई सुंदर हेंब्रम, पंसस जगेश्वर मुर्मू, सीआई सहदेव दास, कर्मचारी जमील अख्तर, मदन महतो, अमीन विक्रम कुमार महतो, गंगा कंस्ट्रक्शन के अधिकारी नरेंद्र पांडेय, नितेश पाठक, सौरभ साहू, सुभाष चंद्र ठाकुर, प्रणव चक्रवर्ती, अग्निवेश गोस्वामी, मलय गोस्वामी, पुरुषोत्तम महतो, गणेश महतो, राजेश महतो, संदीप महतो, नेपाल करमाली, सोनू महतो आदि मौजूद थे.

समाजसेवी शिक्षक राधावल्लभ तिवारी का निधन

तालगड़िया (शुभम संदेश)। चास प्रखंड के बिजुलिया पंचायत अंतर्गत तिवारीडीह गांव निवासी एवं मध्य विद्यालय सियालजोरी के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक, 101 वर्षीय पंडित राधावल्लभ तिवारी का निधन हो गया. उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई. ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने तिवारीडीह पहुंच कर उनके अंतिम दर्शन किए और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. उनका अंतिम संस्कार दामोदर नदी के सिंहडीह घाट पर किया गया. वे चार पुत्रों और चार पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं. स्वर्गीय तिवारी मृदुभाषी, विनम्र स्वभाव के और व्यक्तित्व के धनी थे. उन्हें रेडियो सुनने का विशेष शौक था और समाचार सुनना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था. सेवानिवृत्ति के बाद भी वे गांव और आसपास के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करते रहे. उनके नेतृत्व में प्रसिद्ध तिवारीडीह काली मंदिर का निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य संपन्न हुआ था. शोक व्यक्त करने वालों में दिलीप कुमार चौबे, राधेश्याम सिंह, शिक्षक धनश्याम तिवारी, मदनमोहन महतो, पूर्व मुखिया समरेन्द्र नाथ पाठक, मनोज तिवारी, सीताराम महतो, पंचायत मुखिया बासुदेव राजवार, पंचानन उपाध्याय, सुधीर तिवारी, ब्रजगोपाल पाठक, बुलबुल उपाध्याय, संजय उपाध्याय, सुशील तिवारी, मंतोष तिवारी, उत्तम तिवारी, राधेश्याम सिंह, रघुनाथ सिंह, सूर्यकांत सिंह, मीहिर महथा, बबलु कुमार चौबे सहित कई अन्य लोग शामिल थे.

गावां : चरकी काली मंदिर में आठ दशक से जारी है काली पूजा की परंपरा

अभ्रक उत्खनन में लगी सीएमआई कंपनी के सीईओ ललित अग्रवाल ने 1940 के दशक में की थी शुरुआत

आदित्य कुमार

गावां (शुभम संदेश)। गिरिडीह और कोडरमा जिले की सीमा पर स्थित गावां प्रखंड के चरकी गांव में हर साल दीपावली की रात मां काली की विधिवत पूजा-अर्चना की जाती है. चरकी काली मंदिर में दीपावली की रात माता काली की प्रतिमा स्थापित कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा की जाती है. यह परंपरा लगभग आठ दशकों से निरंतर जारी है. स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार, इस पूजा की शुरुआत 1940 के दशक में सीएमआई अगरवाला कंपनी के सीईओ ललित अग्रवाल ने की थी. उस समय चरकी गांव में अभ्रक (माइका) की खदानें संचालित थीं, जिनका उत्खनन कार्य सीएमआई

अगरवाला कंपनी को सौंपा गया था. कंपनी के संचालन काल के दौरान ही ललित अग्रवाल ने मां काली की पूजा की नींव रखी, जो धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र की आस्था का केंद्र बन गई. चरकी से सटे निमाडीह गांव के निवासी दिनेश यादव ने बताया कि बुजुर्गों से मिली जानकारी के अनुसार, 1980 के दशक तक यह पूजा कंपनी के खर्च पर होती रही. बाद में कंपनी के चले जाने के बाद माइका उत्खनन से जुड़े ठेकेदार और कर्मी बी.एन. सिंह व लक्ष्मी नारायण ने इस परंपरा को अपने स्तर से जारी रखा. वर्ष 2004 के बाद से यह पूजा पूर्णतः सार्वजनिक स्वरूप में आयोजित की जा रही है. अब स्थानीय समिति और ग्रामीण मिलकर पूजा, मेला और विसर्जन की संपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं. हर वर्ष की तरह इस बार भी दीपावली की रात, कार्तिक अमावस्या (20 अक्टूबर) को पूजा संपन्न होगी. 21 अक्टूबर को भव्य मेले का आयोजन होगा, जबकि 22 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन की परंपरा निभाई जाएगी. इस अवसर पर आसपास के गांवों से हजारों श्रद्धालु चरकी काली मंदिर पहुंच कर माता के दर्शन करते हैं. चरकी गांव की यह परंपरा आज गिरिडीह-कोडरमा सीमा क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है.

बांधडीह में 305 वर्षों से हो रही मां काली की पूजा, सातवीं पीढ़ी निभा रही है परंपरा

रजत नाथ

बोकारो (शुभम संदेश)। चास प्रखंड की मधुनिया पंचायत के बांधडीह गांव में पिछले 305 वर्षों से मां काली की पूजा की परंपरा चली आ रही है. गांव में स्थित काली मंदिर आस्था और विश्वास का प्रमुख केंद्र माना जाता है. वर्ष 1720 में कन्हाई पैतंडी ने मां काली की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की शुरुआत की थी. जानकारों के अनुसार, कन्हाई पैतंडी का पुत्र मधु पैतंडी गंभीर बीमारी से जीवन-मृत्यु की स्थिति में था. अचानक मधु "मां काली, मां काली" पुकारने लगा. यह देखकर पूरा परिवार वहां पहुंचा. सभी के आश्चर्य के बीच मधु पूरी तरह स्वस्थ हो गया. इसके बाद कन्हाई पैतंडी ने बांस के खुटे, विचाली और तिरपाल से एक अस्थायी मंदिर बनाकर मां काली की पूजा शुरू की. कुछ समय बाद मिट्टी की दीवारों और तिरपाल से पूजा-अर्चना की जाने लगी. वर्ष 1969 में मंदिर का निर्माण कर स्थायी रूप दिया गया. ग्रामीणों का मानना है कि यहां जो भी श्रद्धालु मन्नत मांगते हैं, मां काली उनकी मनोकामना अवश्य पूरी करती हैं. तब से अब तक कन्हाई पैतंडी के वंशज इस पूजा को निरंतर जारी रखे हुए हैं. प्रत्येक अमावस्या, मंगलवार और शनिवार को यहां विशेष पूजा होती है. तीन दिवसीय वार्षिक पूजा 19 अक्टूबर से विधिवत शुरू होगी और 21 अक्टूबर को विसर्जन के साथ संपन्न होगी. 1932 के सर्वे सेटलमेंट रिकॉर्ड में खाता संख्या 18, प्लॉट संख्या 263 में काली मंदिर का नाम दर्ज है. मंदिर में पूजा का कार्य पुजारी कीरिटी भूषण भट्टाचार्य करते हैं, जिनके पूर्वजों को पूजा हेतु भूमि दान में दी गई थी. परंपरा के अनुसार आज भी चास के कुरा गांव के स्वर्गीय राजू मालाकार के वंशज मां काली के श्रृंगार हेतु डाकमटुक मंदिर में सामग्री प्रदान करते हैं. चंदनकियारी के नवाडीह गांव के मूर्तिकार शिवम मुखर्जी प्रतिमा को अंतिम रूप देने में जुटे हैं. पूजा को लेकर मंदिर परिसर को भव्य और आकर्षक ढंग से सजाया गया है. बांधडीह सहित आसपास के दर्जनों गांव वृंदावनपुर, सालगाटांड़, भागा बांध, चिटाईटांड़, उसरडीह, गिधटांड़, तेतुलियागोड़ा, दास टोला, बनिया टोला, कारीटांड़ आदि से हजारों श्रद्धालु पूजा में शामिल होते हैं. पूजा आयोजन में कन्हाई पैतंडी के वंशज अभय पैतंडी, पंचानन पैतंडी, गौर पैतंडी, महादेव पैतंडी, पंकज पैतंडी, कालीदास पैतंडी, श्याम पैतंडी, शुभंकर पैतंडी, अर्जुन पैतंडी, जटाधारी राय, मनोज पैतंडी, दिलीप राय, राहुल राय, माधव राय, तारा पद, सिष्टीधर प्रामाणिक सहित सैकड़ों ग्रामीण सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं.

परिवार की सातवीं पीढ़ी कर रही है पूजा : अभय पैतंडी

अभय पैतंडी ने बताया कि वर्ष 1969 में ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर को भव्य रूप दिया गया था. पूजा की परंपरा को बनाए रखने हेतु सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिससे यह आयोजन सर्वजन सहभागिता का प्रतीक बना हुआ है. वर्तमान में परिवार की सातवीं पीढ़ी पूजा-अर्चना की परंपरा को आगे बढ़ा रही है. धनबाद, बोकारो और पश्चिम बंगाल से भी श्रद्धालु यहां पहुंचकर मां काली से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं. मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु यहां चलाना (धार्मिक भेंट) चढ़ाते हैं.

ब्रीफ खबरें

सोने का चेन छीनकर भागे बाइक सवार

धनबाद। सरायढेला थाना क्षेत्र के कुसुम विहार फेज-1 में आज सुबह एक सोने की चेन छीनने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई. पीड़ित सागर मिश्रा, जो कुसुम विहार, फेज-1 के निवासी हैं, उन्होंने ने बताया कि जब वे सड़क किनारे कुसुम विहार स्थित सनी जनरल स्टोर खड़े थे, तभी बाइक सवार दो युवक पल्सर 220 से अचानक पहुंचे और उनकी सोने की चेन झपट कर फरार हो गए. यह घटना सुबह करीब 10:24 बजे की बताई जा रही है. पीड़ित ने तत्काल सरायढेला थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके. बताते चले की आए दिन जिले में चोरी की घटना लगातार बढ़ती जा रही हैं. इस तरह के घटना से लोगों में हमेशा डर का महौल बना रहता है. पुलिस लगातार इस तरह के घटना को रोकने में विफल है.

विधायक राज सिन्हा ने बंटवाए दीये और बाती

शुभम संदेश। धनबाद

झारखंड विधानसभा के संयोजक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा के सौजन्य से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी धनबाद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न मंडलों में दीपावली पर्व के अवसर पर जरूरतमंद आम लोगों के बीच मिट्टी के दीये, बाती एवं तेल का वितरण किया. दीया बाती वितरण करते हुए मनाईटाँड मंडल अध्यक्ष संजय कुशवाहा, मनोज गुप्ता, सत्येंद्र ओझा ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक दीपावली की खुशियाँ पहुँचाना तथा पारंपरिक संस्कृति को जीवित रखना है. विधायक राज सिन्हा का मानना है कि दीपावली केवल रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि यह आपसी भाईचारा, प्रेम और सद्भाव का प्रतीक है. समाज के प्रत्येक वर्ग को इस खुशी में सहभागी बनाना ही हमारा संकल्प है. विभिन्न मंडलों में आयोजित इस वितरण कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. सैकड़ों परिवारों को मिट्टी के दीये, बाती और तेल के पैकेट प्रदान किए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में एकता और उत्सव का वातावरण बना. विधायक राज सिन्हा ने इस अवसर पर सभी नागरिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि "हम सब मिलकर झारखंड और धनबाद को विकास एवं सौहार्द का केंद्र बनाएं. भूली मंडल, मनाईटाँड मंडल, बरटांड मंडल सहित विभिन्न मंडलों के कई स्थानों पे आम लोगों के बीच दीया-बाती एवं तेल का वितरण किया गया. संजय कुशवाहा, सूरज पासवान, किशोर मंडल,दीपक कुमार, मौषम सिंह, सत्येंद्र ओझा, मनोज गुप्ता, सुमन सिंह, मनमोहन सिंह सहित कई पार्टी पदाधिकारी एवं आमलोग उपस्थित थे.

सड़क दुर्घटना में मारपीट करने वाले अधिवक्ता को जेल

कार-बाइक की टक्कर में अधिवक्ता ने कर दिया था गुप्ती से वार

- जख्मी का चल रहा इलाज अब भी हालत नाजुक

शुभम संदेश। धनबाद

बैंकमोड़ थाना में केंदुआडीह निवासी अनिल कुमार चौहान पर गुप्ती से जानलेवा हमला करने के आरोपी कसियाटाड़ निवासी अधिवक्ता प्रियांशु कृष्णा सिंह को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया. धनबाद के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने प्रियांशु को 14 दिनों के न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. पुलिस ने अभियुक्त के पास से घटना में इस्तेमाल किए गए गुप्ती को भी जब्त कर अदालत में पेश किया. प्राथमिकी घायल अनिल कुमार चौहान के पुत्र संजय कुमार की शिकायत पर बैंकमोड़ थाने में शनिवार को दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक अनिल कुमार चौहान 17 अक्टूबर 2025 को बाज़ार से लौट रहे थे. इसी क्रम में कार सवार प्रियांशु कृष्ण सिंह से उसकी बकझक हो गई. बकझक के दौरान ही प्रियांशु ने गुप्ति निकालकर अनिल के पेट में मार दिया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई. आनन फानन में उसे पाटलिपुत्र हॉस्पिटल धनबाद मे भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है. वहीं दूसरी ओर इस मामले में गिरफ्तार अधिवक्ता ने पुलिस के समक्ष दिए अपने बयान में अपना दोष स्वीकार करते हुए कहा है कि वह रांची हाईकोर्ट में वकालत करता है. 17 अक्टूबर 25 को वह दोपहर 1 बजे रांची से अपने कार से धनबाद आ रहा था. बैंक मोड़ के समीप वह अपनी मंगेतर एवं उसकी एक सहेली के साथ बैंकमोड़ स्थित एक रेस्टोरेंट में खाना खाया था.खाना खाने के बाद तीनों उसी गाड़ी में सवार होकर निकल गए. जैसे ही उसकी गाड़ी जेपी चौक के पास पहुंची पीछे से एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति आकर उसके कार के डिक्की के ऊपर अपना हाथ मारकर कुछ बोला, जिससे उसे लगा कि वह गाली दे रहा. गुस्से में आकर उसने अपनी कार में रखे गुप्ती से उसके पेट में मार दिया.तब तक मौके पर पुलिस आ गई और उसे पकड़ लिया गया.

रेलवे के खिलाफ सोशल मीडिया में भ्रम फैलाने पर एफआईआर

- 20 से ज्यादा सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान
- ऐसे हैंडल्स पर रखी जा रही नजर, होगी कार्रवाई

शुभम संदेश। धनबाद

रेलवे प्रशासन ने सोशल मीडिया पर रेलवे से जुड़े भ्रामक वीडियो साझा करने वाले सोशल मीडिया हैंडल्स के खिलाफ अब सख्त कदम उठाने जा रही है. इस त्योहार के सीजन में कुछ सोशल मीडिया हैंडल्स पर पुरानी या भ्रामक वीडियो वायरल कर यात्रियों में भ्रम और असंतोष फैलाया जा रहा है. रेलवे प्रशासन ने कहा कि अब तक 20 से ज्यादा ऐसे सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान कर एफआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. रेलवे द्वारा सोशल मीडिया पर 24 घंटे मॉनिटरिंग कर ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है. रेलवे ने सभी सोशल मीडिया यूजर से अपील की है कि बिना तथ्यों की जांच किए स्टेशनों पर भीड़भाड़ एवं अन्य वीडियो को साझा करने से बचें. रेलवे का यात्रियों से अनुरोध है कि केवल आधिकारिक रेलवे नोटिफिकेशन और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स और साइट पर ही भरोसा रखें.

मॉर्निंग वॉक ग्रुप ने किया लॉटरी का आयोजन

शुभम संदेश। धनबाद

धनतेरस के शुभ अवसर पर शनिवार सुबह हिल कॉलोनी स्थित मित्र सुबह का ग्रुप की ओर से विशेष लॉटरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस आयोजन में मॉर्निंग वॉक करने वाले करीब 270 सदस्यों ने भाग लिया. कार्यक्रम नो प्रॉफिट, नो लॉस के सिद्धांत पर आयोजित किया गया. लॉटरी के विजेताओं को इनाम दिए गए, वहीं शेष राशि से सभी प्रतिभागियों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई. आयोजकों ने बताया कि इस तरह के आयोजन से समूह में आपसी एकजुटता और उत्साह बढ़ता है तथा त्योहार का आनंद सभी मिलकर उठाते हैं.

मानव सेवा परिषद ने जरूरतमंदों को बांटे वस्त्र

शुभम संदेश। धनबाद

धनतेरस के पावन अवसर पर शनिवार को मानव सेवा परिषद ने शनि मंदिर के निकट गरीब और जरूरतमंद लोगों के बीच नाश्ता और कपड़ों का वितरण किया. इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर किन्नर कल्याण परिषद की श्वेता किन्नर और युवा संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय संयोजक दिलीप सिंह शामिल हुए. श्वेता किन्नर ने मानव सेवा परिषद के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य समाज के लिए एक प्रेरणा है. दिलीप सिंह ने भी इस सामाजिक पहल की प्रशंसा की और कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना ही वास्तविक मानव सेवा है. मानव सेवा परिषद के सदस्य रामनंद सिंह ने बताया कि संस्था पिछले 10 वर्षों से गरीब और असहाय लोगों की सेवा में लगी हुई है. इस बार भी धनतेरस पर, गरीब परिवारों के बीच नाश्ता और कपड़े बांटकर उन्हें खुशी देने का प्रयास किया गया. इस मौके पर नरेंद्र सिंह, अभिराज पंचोली, हरे राम श्रीवास्तव, सुरेश साव, सुमन कुमार झा, छोटू सिंह, अशोक राय, रंजन कुमार सिंह, मनोज सिंह, दिलीप साव, श्रीकृष्णा पांडे समेत अन्य उपस्थित थे.

भगवान धन्वंतरि जयंती और आरोग्य भारती का स्थापना दिवस

शुभम संदेश। धनबाद

जिला आरोग्य भारती द्वारा शनिवार को भगवान धन्वंतरि जयंती एवं आरोग्य भारती स्थापना दिवस के अवसर पर कुसुम विहार स्थित यतिंद्र नाथ ठाकुर के निजी आवास पर विधिवत पूजन सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सक्षम के प्रांत सचिव प्रमोद झा थे. उन्होंने अपने बौद्धिक प्रवचन में आरोग्य भारती के कार्यों तथा सनातन वैदिक परंपरा में स्वस्थ रहने के उपायों पर प्रकाश डाला. उन्होंने सूर्य आराधना, पादप पूजा, विशेष रूप से पीपल, तुलसी, और 78 हजार औषधीय गुणों से युक्त पौधों के महत्व पर चर्चा की. इस अवसर पर झारखंड प्रांत के आरोग्य भारती सचिव जयप्रकाश नारायण सिंह, जिला अध्यक्ष डॉ. विकास रमण, महानगर अध्यक्ष दिनेश प्रसाद सिंह, जिला कार्याध्यक्ष डी.एस. चौबे, उपाध्यक्ष यतिंद्र नाथ ठाकुर, सचिव पशुपति नाथ सिंह, सह-सचिव विकास ओझा, मृत्युंजय, महानगर सचिव बी.पी.पी. सिंह, सह-सचिव अजय सिन्हा, रामाकांत सिंह, सहकार भारती प्रांत उपाध्यक्ष नयन कुमार कमल सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे.

आसनसोल

धनतेरस पर बाजार में उमड़ी ग्राहकों की भीड़

शुभम संदेश। बराकर

धनतेरस को लेकर कुल्टी के प्रमुख बाजारों बराकर बैगुनिया स्टेशन रोड और नियामतपुर बाजार में भारी भीड़ देखी गई. पूरा बाजार रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा रहा था. दोपहर से ही विभिन्न इलाकों की दुकानों पर ग्राहकों की आवागमन शुरू हो गया, जबकि शाम होते-होते बराकर स्टेशन रोड पर हजारों की भीड़ ने बाजार को गुलजार कर दिया. भीड़ और वाहनों की लंबी लाइन के कारण कई बार सड़क जाम की स्थिति बनती रही. हालांकि, बराकर पुलिस और ट्रैफिक गार्ड ने पुलिस बल एवं सीपीवीएफ जवानों के साथ एनसीसी कैडेट्स को सड़क पर तैनात कर ट्रैफिक नियंत्रण सुनिश्चित किया. धनतेरस की शाम सबसे अधिक भीड़ बराकर स्टेशन रोड स्थित बर्तन की दुकानों और इलेक्ट्रॉनिक दुकानों में रही. इसके अलावा, ग्राहक मिट्टी के दीपक, झाड़ू और अन्य दिवाली संबंधित सामानों की खरीदारी में व्यस्त रहे. ज्वेलरी दुकानों में महिलाओं की विशेष भीड़ रही. बराकर के लगभग दर्जनभर सोना और चांदी की दुकानों में जमकर खरीदारी हुई. सूत्रों के अनुसार, इस बार सोने की कीमत महंगी होने के बावजूद इसकी बिक्री बढ़ी. पुराने चांदी के सिक्के की कीमत लगभग 2,200 और नए 10 ग्राम चांदी के सिक्के की कीमत लगभग ₹1,800 थी. प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी ज्वेलरी की खरीदारी ने बाजार में व्यापारी वर्ग के चेहरे पर खुशी का माहौल बना दिया.

'प्लास्टर ऑफ पेरिस' से आयुष्मान ने बनाई एक फुट ऊंची मां काली की मूर्ति

शुभम संदेश। पुरुलिया

पुरुलिया जिले के काशीपुर के 11 वर्षीय छठी कक्षा के छात्र आयुष्मान दत्ता ने अपनी रचनात्मकता से सबको प्रभावित किया है. उन्होंने 'प्लास्टर ऑफ पेरिस' से केवल एक फुट ऊँची माँ काली की अनोखी मूर्ति बनाई और इसे अपने घर में दादाजी के कमरे में उत्सवी माहौल में सजाया. मूर्ति की उत्कृष्ट कारीगरी, रंगों का सूक्ष्म प्रयोग और आयुष्मान का समर्पण सभी को आश्चर्यचकित कर देता है. आयुष्मान की प्रतिभा देखकर उनके परिवार वाले भी गर्व और प्रसन्नता से भरे हैं. आयुष्मान ने कहा कि अपने घर के बगल वाले पालपाड़ा में कुम्हारों को मूर्ति बनाते देख, एक दिन मेरे मन में भी अपने हाथों से मूर्ति बनाने की इच्छा जागी. इसी रुचि के साथ मेरी रचनात्मक यात्रा शुरू हुई. मैंने लगभग तीन दिनों की मेहनत में 'प्लास्टर ऑफ पेरिस' का उपयोग करके यह माँ काली की मूर्ति बनाई. हालांकि, यह उनकी पहली रचना नहीं है, इससे पहले उन्होंने दुर्गा पूजा के दौरान अपने हाथों से दुर्गा की मूर्ति बनाई थी. आयुष्मान को बचपन से ही चित्रकारी का गहरा शौक रहा है. पढ़ाई के बीच-बीच में वह चित्र बनाते हैं, रंगों से खेलते हैं और वहीं से उनकी नई कृतियों के विचार जन्म लेते हैं. आयुष्मान की मां पायल दत्त ने कहा कि आजकल जहां कई बच्चे मोबाइल फोन और गेम्स के आदि हो चुके हैं, वहीं हमें सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की है कि आयुष्मान मोबाइल फोन के जरिए अपनी प्रतिभा निखारने की सोच रहा है. उसे बचपन से ही ड्राइंग का शौक रहा है और अब यही प्यार उसे मूर्तियां बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है. आयुष्मान की लगन, कड़ी मेहनत और रचनात्मकता वाकई सराहनीय और प्रेरणादायक है.

न्यूज अपडेट

उत्कृष्ट कार्य के लिए बोरो अध्यक्ष को किया सम्मानित

रानीगंज (शुभम संदेश)। नगर निगम के जामुडिया बोरो चेयरमेन को उनके क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया. सुरक्षा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार दलजीत सिंह वाधवा और सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद अशर ने शाल ओढ़ाकर चेयरमेन को सम्मानित किया. मोहम्मद अशर ने बताया कि यह सम्मान न केवल उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को दर्शाता है, बल्कि अन्य लोगों को भी अपने क्षेत्र में सुधार लाने के लिए प्रेरित करता है. चेयरमेन शैख शानदार की नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सेवा की सराहना की गई. उन्होंने शहर के विकास और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है. चेयरमेन शैख शानदार ने कहा कि जनता का भरपूर प्यार और स्नेह मुझे मिलता है और मेरा दायित्व है कि अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं में उनका साथ दूँ तथा शहर में विकास कार्य को लगातार आगे बढ़ाऊँ. उन्होंने सुरक्षा संस्था के पदाधिकारियों के प्रति आभार प्रकट किया.

चिकन बिरयानी वितरण पर विवाद

आसनसोल (शुभम संदेश)। आसनसोल के कुलटी विधानसभा क्षेत्र के नियामतपुर स्थित बाईपास रोड मैदान में तृणमूल कांग्रेस द्वारा आयोजित विजया सम्मेलन के दौरान पार्टी नेताओं और कर्मियों के बीच चिकन बिरयानी के पैकेट बांटे गए. कार्यक्रम में पश्चिम बर्दवान जिला अध्यक्ष और पाण्डेश्वर विधायक नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती, जामुड़िया विधायक हरेराम सिंह, राज्य उपाध्यक्ष उज्वल चटर्जी, इंद्रानी मिश्रा, चैतन्य माजी, शताब्दी भंडारी सहित कई अन्य नेता और कर्मी उपस्थित थे. सम्मेलन में नेताओं ने 2026 के चुनाव के लिए संगठन को मजबूत बनाने, गुटबाजी से दूर रहने और जनता की समस्याओं को समझकर उन्हें मदद पहुंचाने का निर्देश दिया. कार्यक्रम समाप्ति के बाद कुछ कर्मियों ने चिकन बिरयानी के पैकेट लिए, जबकि कुछ लोग इस पर नाराज होकर चले गए. भाजपा नेता केशव पोद्दार ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कार्तिक माह में हिंदू धर्म के अनुयायी शाकाहारी भोजन करते हैं. ऐसे में विजया सम्मेलन में मांसाहारी भोजन का वितरण धार्मिक भावनाओं के विपरीत है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और उनके पार्टी के नेता एक वर्ग पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, जो उचित नहीं है. उन्होंने इसे शर्मनाक घटना करार देते हुए धार्मिक माहौल और हाल की गंभीर घटनाओं, जैसे दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ हुई घटना, के संदर्भ में आलोचना की.

रंगोली सांस्कृतिक विरासत की झलक : अदिति

रानीगंज (शुभम संदेश)। प्रतिभावान लड़कियों ने रंगोली बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया. इस अवसर पर अदिति मुखर्जी ने कहा कि रंगोली हमारी सांस्कृतिक विरासत है. धनतेरस एवं दीपावली पर्व पर विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी और आकर्षक रंगोलियां बनाई. इनमें कुछ रंगोलियां संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर आधारित थी, जिससे सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिला. अदिति मुखर्जी ने बताया कि सुभदरशनी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भी रंगोलियां बनाई गईं. इन आयोजनों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता और कलात्मकता को बढ़ावा मिलता है, साथ ही वे भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ते हैं.

ईसीएल ने की शहीद गृह रक्षक की पत्नी को सहायता

सांकतोड़िया (शुभम संदेश)। एसपी माइंस, झारखंड में दिवंगत पूर्व गृह रक्षक उदित कुमार सिंह की पत्नी उचिता सिंह को ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) द्वारा दो लाख रुपये का अनुग्रह चेक प्रदान किया गया. श्री सिंह अपने कर्तव्य का पालन करते हुए शहीद हुए थे. ईसीएल ने उनके साहस और परिवार के प्रति सहयोग की प्रतिबद्धता जताई. मौके पर मेजर शरदेंदु तिवारी, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

रानीगंज में तृणमूल कांग्रेस का विजया सम्मेलन

रानीगंज (शुभम संदेश)। रानीगंज शहर में तृणमूल कांग्रेस की ओर से लक्ष्मी वाटिका भवन में विजया सम्मेलन का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्षद ज्योति सिंह ने की, जबकि संगठन के उपाध्यक्ष वापी चक्रवर्ती सहित बड़ी संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता उपस्थित थे. इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती, विधायक तापस बनर्जी, हरेराम सिंह, एमएमआईसी दिव्येंदु भगत, पार्थ देवासी, शुभो भट्टाचार्य और अन्य अतिथि शामिल हुए.

डायबिटीज सम्मेलन 25 और 26 अक्टूबर को

150 विशेषज्ञ चिकित्सक और 400 प्रतिनिधि लेंगे भाग

शुभम संदेश। आसनसोल

आसनसोल कोलफील्ड डायबिटीज एसोसिएशन इस वर्ष अपना पांचवां वार्षिक सम्मेलन 25 और 26 अक्टूबर को पुरुलिया जिले के गढ़पंचकोट में आयोजित करने जा रही है. यह सम्मेलन पश्चिम बंगाल में कोलकाता के बाहर होने वाला सबसे बड़ा डायबिटीज सम्मेलन माना जा रहा है. इस दो दिवसीय शैक्षणिक आयोजन में देशभर से लगभग 150 विशेषज्ञ चिकित्सक और राज्यभर से करीब 400 प्रतिनिधि भाग लेंगे. सम्मेलन में डायबिटीज के नवीनतम शोध और उपचार पद्धतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में इसके बेहतर प्रबंधन तथा नई तकनीकों के उपयोग से जटिलताओं और मृत्यु दर को कम करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी. आयोजकों का कहना है कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एक शैक्षणिक और संवादात्मक वातावरण तैयार करना, चिकित्सकों के बीच आपसी सहयोग और नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करना तथा इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के भविष्य के विकास की दिशा में सार्थक कदम बढ़ाना है. यह सम्मेलन पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त है और इसे 8.5 क्रेडिट आवर का शैक्षणिक मूल्य प्राप्त है. साथ ही, यह आरएसएसडीआई और एसीपी इंडिया चैप्टर के साथ अकादमिक सहयोग में आयोजित किया जा रहा है. आसनसोल कोलफील्ड डायबिटीज एसोसिएशन को पूर्ण विश्वास है कि देश और राज्य से आने वाले सभी विशेषज्ञ और प्रतिनिधि इस सम्मेलन में गहन अकादमिक विमर्श के साथ-साथ गढ़पंचकोट की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत का भी आनंद उठाएंगे.

डीएवी पब्लिक स्कूल ने मनाई विशेष दिवाली

रानीगंज (शुभम संदेश)। रानीगंज डीएवी पब्लिक स्कूल द्वारा शनिवार को दिवाली और महर्षि दयानंद सरस्वती की पुण्यतिथि के अवसर पर 'महर्षि दयानंद निर्माण दिवस' मनाया गया. इस अवसर पर स्कूल के छात्र परिषद टीम ने वंचित लोगों में खुशी फैलाने और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की. डीएवी स्कूल के छात्र परिषद के सदस्यों ने कक्षा 1 से 12वीं तक के छात्रों से अनाज, कपड़े, मिठाई, स्टेशनरी और अन्य आवश्यक सामग्री इकट्ठा करने के लिए एक सप्ताह तक अभियान चलाया. छात्रों ने इस दान अभियान को सफल बनाने में पूरी मेहनत और उत्साह से योगदान दिया. विद्यालय की प्राचार्या मंदिरा दे जी, शिक्षकों और छात्र परिषद के सदस्यों के साथ शनिवार को 'अंडाल परिवार सोशल वेलफेयर सोसाइटी', अंडाल के ग्राम 'बास्का' कॉलोनी क्षेत्र में गईं और दीवाली से पहले दान वितरित किया. इस पहल से वहां के लोगों के चेहरे पर खुशी आई और छात्रों ने उनके साथ कुछ समय व्यतीत किया.

रोटरी और इनर व्हील क्लब का उद्यम शुरू करो कार्यक्रम आयोजित

कोई भी 5 लाख तक ले सकता है लोन : रिंटू

- 100 लोगों को भविष्यत क्रेडिट कार्ड योजना के बारे में दी गई जानकारी

शुभम संदेश। रानीगंज

रानीगंज के रोटरी क्लब सभागार में रोटरी क्लब आफ रानीगंज और इनर व्हील क्लब आफ रानीगंज के संयुक्त तत्वाधान में "अपना खुद का व्यवसाय या उद्यम शुरू करने" के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि, पश्चिम बंगाल सरकार के दुर्गापुर स्थित जिला शिल्प केंद्र से औद्योगिक विकास अधिकारी रिंटू कर्मकार ने लगभग 100 लोगों को भविष्यत क्रेडिट कार्ड योजना के तहत व्यवसाय शुरू करने के तरीकों के बारे में जानकारी दी. इस योजना के माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर से या किसी भी स्थान से अपना व्यवसाय शुरू कर अधिकतम 5 लाख रुपये तक का लोन ले सकता है. वर्तमान व्यवसायी भी अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए इसका लाभ उठा सकते हैं. रोटरी क्लब के वोकेशनल सर्विस डायरेक्टर संदीप भालोटीया ने बताया कि इस प्रक्रिया के लिए केवल कुछ साधारण कागजात की आवश्यकता होती है, जिन्हें सरकार के प्रतिनिधि कैंप में या दुर्गापुर कार्यालय में तैयार कर देते हैं. कार्यक्रम की मुख्य संयोजक, इनर व्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष ज्योति साव ने कहा कि किसी भी समस्या होने पर उनके प्रतिनिधियों से संपर्क किया जा सकता है, जिससे छोटे व्यवसायी अपने काम को आगे बढ़ा सकें. इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष अनीशा भुवालका दुबे ने बताया कि रोटरी क्लब और इनर व्हील क्लब के सदस्य चाहते हैं कि महिलाएं और वंचित वर्ग इस योजना का लाभ उठाकर अपने जीवन को आत्मनिर्भर बनाएं. उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम समाज के सामाजिक और आर्थिक विकास के प्रयासों की श्रृंखला का हिस्सा है और इसके माध्यम से लोग नए व्यवसाय शुरू कर सकेंगे, मौजूदा व्यवसाय बढ़ा सकेंगे और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकेंगे. कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर, आसनसोल म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के 32 नंबर वार्ड के लोकप्रिय काउंसलर भोला हेला उपस्थित थे, जिन्होंने उपस्थित लोगों से योजना का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया. कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटरी क्लब की सचिव अर्चिता टोड़ानी, इनर व्हील क्लब की सचिव श्वेता बरनवाल, डॉ. राजेश गुप्ता और स्मिथ झुनझुनवाला मुख्य रूप से उपस्थित थे. इस कार्यक्रम के अलावा दिसंबर में कैरियर फेयर और समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को वोकेशनल सर्विस अवार्ड से सम्मानित करने की योजना भी है.

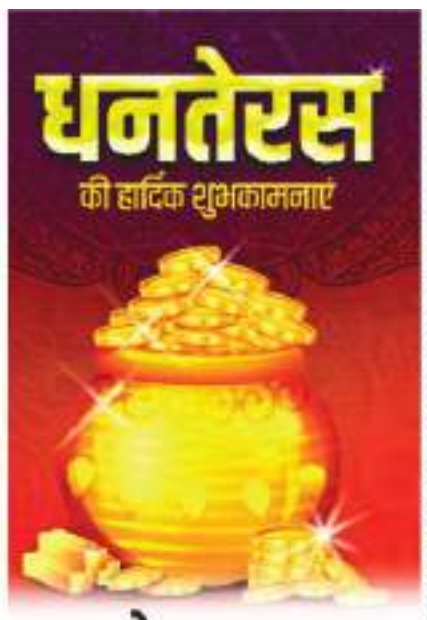

धनतेरस कब? पूजा, खरीदारी का शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में हर त्योहार और पर्व का अपना अलग महत्व है. धनतेरस का दिन हिंदू धर्म में विशेष माना गया है. इस दिन लक्ष्मी पूजा के साथ खरीदारी का विशेष महत्व होता है. इस दिन पूजा प्रदोष काल के दौरान की जाती है. प्रदोष काल सूर्यास्त के बाद प्रारम्भ होता है, जो लगभग ढाई घंटे तक रहता है. धनतेरस को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है.

धनतेरस का दिन धन्वंतरि त्रयोदशी या धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है, जो आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरि का जन्म दिवस है. इस दिन यम दीपम भी जलाए जाते है. परिवार के किसी भी सदस्य की असामयिक मृत्यु से बचने के लिए मृत्यु के देवता यमराज के लिए घर के बाहर दीपक जलाया जाता है, जिसे यम दीपम कहा जाता है. यह धार्मिक संस्कार त्रयोदशी तिथि के दिन किया जाता है.

साल 2025 में धनतेरस कब?

साल 2025 में धनतेरस का पर्व 18 अक्टूबर, शनिवार के दिन पड़ेगा. इस दिन से पांच दिवसीय दिवाली पर्व की शुरुआत हो जाएगी.

प्रदोष काल - शाम 05 बजकर 48 मिनट से रात 08 बजकर 20 मिनट तक
वृषभ काल - शाम 07 बजकर 16 मिनट से रात 09 बजकर 11 मिनट तक
त्रयोदशी तिथि प्रारंभ - 18 अक्टूबर 2025, दोपहर 12 बजकर 18 मिनट पर
त्रयोदशी तिथि समाप्त - 19 अक्टूबर 2025, दोपहर 01 बजकर 51 मिनट पर

धनतेरस के दिन शुभ मुहूर्त में खरीदारी करने से धन और समृद्धि आती है. इस दिन सोना, चांदी, पीतल के बर्तन खरीदना बेहद शुभ माना जाता है. साथ ही इस दिन लोग अन्य शुभ वस्तुएं खरीद सकते हैं.

खरीदारी का शुभ मुहूर्त

इस दिन खरीदारी का पहला शुभ मुहूर्त सुबह 7 बजकर 49 मिनट से लेकर 9 बजकर 15 मिनट तक रहेगा.
खरीदारी का दूसरा शुभ मुहूर्त दोपहर 1 बजकर 32 मिनट से लेकर शाम 4 बजकर 23 मिनट तक रहेगा.

धनतेरस पर क्या खरीदें और क्या न खरीदें?

क्या खरीदें - चांदी/सोने के सिक्के, बर्तन, झाड़ू, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन या धातु से बनी चीजें।
क्या न खरीदें - कांच, एल्युमिनियम या लोहे के सामान, काली वस्तुएं या नुकीली चीजें (छुरी, कैंची आदि)।

धनतेरस पर बरसेगा धन अगर...

धनत्रयोदशी का पर्व मनाया जाएगा। इस पर्व के नाम में ही धन है अर्थात इस दिन धनपति या अमीर बनने के लिए पूजा, पाठ और ज्योतिष उपाय किए जाते हैं। यदि आप भी चाहते हैं धन समृद्धि तो धन तेरस पर करें ये बड़े काम।

- **धनिया से दूर होगी आर्थिक परेशानी** : धन तेरस के दिन साबुत धनिया खरीदें और फिर उसकी पूजा करके उसे भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी के समक्ष अर्पित कर दें। इसके बाद अपनी मनोकामना बताकर कुछ धनिया बगीचे में बो दें और कुछ को लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से जल्द से जल्द आपकी आर्थिक परेशानी दूर होगी। ऐसा करने से धन का नुकसान भी नहीं होता है।
- **दीपदान से मिलेगी कर्ज से मुक्ति** : परिवार के सभी सदस्यों के घर आने और खाने-पीने के बाद सोते समय एक पुराने दीपक में सरसों का तेल डालकर उसे जलाया जाता है। फिर उसे घर में सभी जगह घुमाया जाता है और इसके बाद यह दीपक घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर नाली या कूड़े के ढेर के पास रख दिया जाता है। इसके बाद जल चढ़ा कर दीपदान करते समय यह मंत्र बोला जाता है-

मृत्युना पाशहस्तेन कालेन भार्यया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात्सूर्यज: प्रीयतामिति।।

- **बताशे और खीर का लगाएं भोग** : धनतेरस के दिन माता लक्ष्मी को बताशे और खीर का भोग लगाने से से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है और इससे आपकी तिजोरी में कभी भी धन की कमी नहीं होगी।
- **हल्दी की गांठ से बढ़ेगा धन** : इस दिन कुछ खड़ी हल्दी खरीदना भी शुभ है। शुभ मुहूर्त देखकर बाजार से गांठ वाली पीली हल्दी अथवा काली हल्दी को घर लाएं। इस हल्दी को कोरे कपड़े पर रखकर स्थापित करें तथा षडोशपचार से पूजन करें। यह भी धन समृद्धि को बढ़ाने वाला उपाय है।
- **तिजोरी में रखें सुपारी** : धनतेरस की पूजा में भी सुपारी का प्रयोग किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, सुपारी को ब्रह्मदेव, वरुण देव, यमदेव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। पूजा के बाद सुपारी को तिजोरी या अलमारी में रखना शुभ माना गया है। इससे आपके जीवन में कभी धन की कमी नहीं होगी और तिजोरी हमेशा धन से भारी रहेगी।

पूरे विधि-विधान से करें धनतेरस पूजा

धनतेरस केवल खरीदारी का नहीं, बल्कि परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और दीर्घायु के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने का पर्व है। आइए जानते हैं, पूरे विधि-विधान से धनतेरस पूजा कैसे करें, पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और पूजन के लिए क्या-क्या सामग्री चाहिए?

धनतेरस, दीपावली से पहले मनाया जाने वाला पहला और अत्यंत शुभ पर्व है। यह दिन न सिर्फ खरीदारी के लिए विशेष होता है, बल्कि इस दिन की गई पूजा से घर में समृद्धि, स्वास्थ्य और सौभाग्य आता है। वर्ष 2025 में धनतेरस का पर्व शनिवार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा की जाती है।

धनतेरस की पूजा विधि

घर और पूजा स्थान की सफाई करें - मुख्य द्वार और पूजा स्थल को अच्छे से साफ करें और रंगोली बनाएं।
पूजा चौकी सजाएं - उत्तर-पूर्व दिशा में एक चौकी रखें, उस पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछाएं।
कलश की स्थापना करें - एक तांबे या मिट्टी का कलश लें, उसमें गंगाजल और साफ पानी भरें, आम के पत्ते डालें और ऊपर नारियल रखें।
देवताओं की प्रतिमाएं रखें - भगवान धन्वंतरि, देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर और गणेश जी की मूर्तियाँ या चित्र स्थापित करें।
षोडशोपचार पूजा करें - हल्दी, कुमकुम, चंदन, अक्षत, फूल, दीप, धूप, मिठाई और दक्षिणा से पूजा करें।
दीपक जलाएं - पूजा के समय गाय के घी का बड़ा दीपक और 13 छोटे दीये जलाएं।
भोग और आरती करें - खील, बताशे, मेवे और मिठाइयों का भोग लगाएं, फिर आरती करें।

धनतेरस पूजा सामग्री की संपूर्ण सूची

- भगवान धन्वंतरि, लक्ष्मी और कुबेर की मूर्तियाँ या चित्र
- गंगाजल और साफ पानी
- हल्दी, कुमकुम, चंदन, इत्र
- फूल और फूलों की माला
- कलावा (मौली), जनेऊ
- पूजा चौकी और लाल/पीला कपड़ा
- कलश, आम के पत्ते, नारियल
- खील, बताशे, मिठाई, मेवे
- अक्षत (चावल), साबुत धनिया
- 13 मिट्टी के दीपक, गाय का घी, कपूर, अगरबत्ती
- दक्षिणा, नमक
- चांदी/सोने का सिक्का या नई धातु की वस्तु
- नई झाड़ू

कैसे करते हैं भगवान धन्वंतरि की आराधना

धनतेरस का त्योहार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस दिन धन्वंतरि देव की जयंती है और इसी दिन उनकी पूजा के साथ ही कुबेर, लक्ष्मी, गणेश और यम की पूजा भी की जाती है। आओ जानते हैं कि किस तरह करें इन देवों की घर में ही पूजा। सरल तरीके से पूजा करने की विधि।

धनतेरस की पूजा

- इस दिन प्रात: उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा की तैयारी करें।
- घर के ईशान कोण में ही पूजा करें। पूजा के समय हमारा मुंह ईशान, पूर्व या उत्तर में होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। पूजा के समय सभी एकत्रित होकर पूजा करें। पूजा के दौरान किसी भी प्रकार शोर न करें।
- इस दिन धन्वंतरि देव की षोडशोपचार पूजा करना चाहिए। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य, आचमन, ताम्बूल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सागला सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- इसके बाद धन्वंतरि देव के सामने धूप, दीप जलाएं। फिर उनके के मस्तक पर हल्दी कुंकु, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली सबसे बड़ी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है।
- अंत में उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में प्रदोष काल में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अत: आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

नरक चतुर्दशी पर 14 दीपक जलाएं यहां पर होगा बहुत ही शुभ

धनतेरस अर्थात धन त्रयोदशी के दिन 13 और नरक चतुर्दशी के दिन 14 दीपक जलाने की परंपरा है। नरक चतुर्दशी के दिन घर में मुख्यतः पांच दीये जलाने का प्रचलन है। इनमें से एक दीया घर के पूजा पाठ वाले स्थान, दूसरा रसोई घर में, तीसरा उस जगह जलाना चाहिए जहां हम पीने का पानी रखते हैं, चौथा दीया पीपल या वट के पेड़ तले रखना चाहिए। वहीं पांचवां दीया घर के मुख्य द्वार पर जलाना चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर जलाया जाए वह दीया चार मुंह वाला होना चाहिए और उसमें चार लंबी बत्तियों को जलाना चाहिए।

इसके अलावा आप और भी दीए जलाना चाहें तो 7, 13, 14 या 17 की संख्या में दीए जला सकते हैं। कई लोग छोटी दिवाली के दिन 14 दीपक जलाते हैं।

निम्नलिखित जानकारी मान्यता और किंवदंतियों पर आधारित है। परंपरा यह देख गया है कि हर राज्य में अलग अलग मान्यताएं हैं कोई समय संख्या में तो कोई विषम संख्या में दीपक जलाता है परंतु उससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि किस जगह पर किसके निमित्त दीपक जलाया जा रहा है।

- पहला दीया रात में सोते वक्त यम का दिया जो पूराना होता है और जिसमें सरसों का तेल डालकर उसे घर से बाहर दक्षिण की ओर मुख कर कूड़े के ढेर के पास रखा जाता है।
- दूसरा दीया किसी सुनसान देवालय में रखा जाता है जोकि घी का दिया होता है। इसे जलाने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।
- तीसरा दीया माता लक्ष्मी के समक्ष जलाते हैं।
- चौथा दीया माता तुलसी के समक्ष जलाते हैं।
- पांचवां दीया घर के दरवाजे के बाहर जलाते है।
- छठा दीया पीपल के पेड़ के नीचे जलाते हैं।
- सातवां दीया किसी मंदिर में जलाकर रख दें।
- आठवां दीया घर में कूड़ा कचरा रखने वाले स्थान पर जलाते है।
- नौवां दीया घर के बाथरूम में जलाते हैं।
- दसवां दीया घर की छत की मुंडेर पर जलाते हैं।
- ग्यारहवां दीया घर की छत पर जलते हैं।
- बारहवां दीया घर की खिड़की के पास जलाते हैं।
- तेरहवां दीया- घर की सीढ़ियों पर जलाते हैं या बरामदे में।
- चौदहवां दीया रसोई में या जहां पानी रखा जाता है वहां जलाकर रखते है।

मंथन

वोट चोरी का आरोप लगा कर राहुल अब क्यों पीछे हट रहे हैं

हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा चुनावों में वोट चोरी को लेकर दिए गए बयानों ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी थी. उन्होंने यह आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कुछ सरकारी संस्थान मिलकर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं और चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है. लेकिन अब जब राहुल गांधी इन आरोपों से पीछे हटते दिखाई दे रहे हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि उन्होंने यह कदम क्यों उठाया.सबसे पहला कारण यह हो सकता है कि उनके पास इस आरोप को सिद्ध करने के लिए ठोस प्रमाण नहीं थे. बिना सबूत के ऐसे गंभीर आरोप लगाने से उनकी विश्वसनीयता पर भी असर पड़ा. विपक्ष और मीडिया के एक वर्ग ने उनसे बार-बार सबूत मांगा, लेकिन कोई स्पष्ट दस्तावेज या तथ्य सामने नहीं आया. ऐसे में उन्हें अपने आरोपों को नरम करना पड़ा.दूसरा कारण यह हो सकता है कि कानूनी और संवैधानिक संस्थाओं की ओर से दबाव महसूस हुआ हो. चुनाव आयोग ने इस तरह के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए कांग्रेस से स्पष्टीकरण मांगा था. यदि कोई प्रमाण नहीं होता, तो यह मामला कांग्रेस के लिए उल्टा पड़ सकता था.तीसरा, रणनीतिक दृष्टिकोण से भी राहुल गांधी और कांग्रेस को लगा होगा कि इस मुद्दे पर ज़्यादा जोर देने से आम मतदाताओं में नकारात्मक संदेश जा सकता है. जनता लोकतंत्र की प्रक्रिया में विश्वास रखती है, और बार-बार संस्थानों पर सवाल उठाना मतदाताओं को दूर कर सकता है.इसलिए, राहुल गांधी का पीछे हटना एक राजनीतिक और रणनीतिक कदम प्रतीत होता है, जिससे वे अनावश्यक विवाद से बचना चाहते हैं और चुनावी मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं.

नजरिया

घाटशिला उपचुनाव: पूर्व सीएम चंपाई सोरेन की प्रतिष्ठा दांव पर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के लिए घाटशिला विधानसभा उपचुनाव सिर्फ एक चुनाव नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा की अग्निपरीक्षा बन चुका है. राज्य में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रमुख चेहरों में गिने जाने वाले चंपई सोरेन अब संगठन की मजबूती और जनाधार बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहे हैं. घाटशिला सीट झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में स्थित है, जो औद्योगिक और आदिवासी बहुल क्षेत्र है. यहां झामुमो की परंपरागत पकड़ रही है, लेकिन हाल के वर्षों में भाजपा और अन्य दलों ने भी मजबूत पैठ बनाई है. ऐसे में यह उपचुनाव चंपई सोरेन के नेतृत्व कौशल की असली परीक्षा है. यदि झामुमो इस सीट को बरकरार रखने में सफल रहती है, तो यह चंपई सोरेन की रणनीतिक क्षमता और क्षेत्र में उनकी पकड़ का प्रमाण होगा. वहीं हार की स्थिति में यह विपक्ष को उन पर निशाना साधने का बड़ा मौका दे सकता है.चंपई सोरेन के लिए यह चुनाव इसलिए भी अहम है क्योंकि यह उनके मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद का पहला बड़ा राजनीतिक पड़ाव है. पार्टी और समर्थक यह देखना चाहेंगे कि वह सत्ता में न होते हुए भी संगठन और कार्यकर्ताओं को कितनी मजबूती से एकजुट रख पाते हैं. इसके अलावा, भाजपा इस चुनाव को राज्य सरकार की नीतियों पर जनमत संग्रह की तरह देख रही है. ऐसे में घाटशिला का चुनाव सिर्फ एक सीट का नहीं, बल्कि राज्य की राजनीति की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है. इस प्रकार, चंपई सोरेन की साख और झामुमो की जमीन दोनों इस उपचुनाव में कसौटी पर है.

आहार संग आदिवासी जीवन का अद्भुत संसार

डॉ. मयंक मुरारी

भारत के आदिवासी समुदायों का आहार केवल उनके भूख मिटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन दर्शन, प्रकृति से उनके गहरे संबंध, सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान और आत्मनिर्भरता का एक समग्र प्रतिबिंब है. उनका खानपान प्रकृति के साथ सहजीवी संबंध का उत्तम उदाहरण है, जिसमें जंगलों से प्राप्त मौसमी कंद-मूल, पत्तेदार सब्जियां, अनाज, मछली, मांस और जड़ी-बूटियां प्रमुख भूमिका निभाते हैं. यह भोजन न केवल पर्यावरण के अनुकूल होता है, बल्कि औषधीय गुणों से भरपूर भी होता है.

जंगलों से प्राप्त मौसमी कंद-मूल, पत्तेदार सब्जियां, अनाज, मछली, मांस व जड़ी-बूटियां प्रमुख भूमिका निभाते हैं.

प्रकृति के करीब आदिवासी आहार दर्शन : आदिवासी भोजन प्रणाली पूरी तरह से स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित होती है. खेतों और जंगलों से प्राप्त बिना खेती की सब्जियां, जंगली फल, कंद-मूल, बीज और अनाज, उनके भोजन का मुख्य आधार होते हैं. आदिवासी लोग वर्षा ऋतु में उगनेवाले विशेष पौधों और कंदों को इकट्ठा करके, पूरे वर्ष के लिए संरक्षित करते हैं. यही कारण है कि उनका भोजन मौसम, भौगोलिक स्थिति और पारिस्थितिकीय संतुलन के अनुसार बदलता है. झारखंड की अरुणा तिर्की, जो आदिवासी भोजन की एक जानी-मानी विशेषज्ञ हैं, कहती हैं कि भोजन केवल पोषण नहीं, बल्कि संस्कृति और पहचान का भी प्रतीक है. हम जो खाते हैं, वह न केवल हमारी शारीरिक आवश्यकताओं को पूरा करता है, बल्कि हमारे समुदाय, हमारी मिट्टी और हमारी परंपराओं की भी गवाही देता है.

पोषण से भरपूर और औषधीय गुणों से युक्त : आदिवासी भोजन में प्रयुक्त सामग्री जैसे-कंद, अंकुर, जामुन, मेवे, मछली, अंडा, मांस, शंख आदि पोषक तत्वों के अत्यंत समृद्ध स्रोत हैं. ये खाद्य पदार्थ प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, जिंक, फाइबर और विटामिनों से भरपूर होते हैं. कई शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि आदिवासी भोजन रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और कई प्रकार की बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है.

औषधीय पौधों और हर्बल उत्पादों का क्षेत्र भी आदिवासी जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है. नृवंशविज्ञान पर आधारित शोधों के अनुसार, आदिवासी समुदाय लगभग 9,000 से अधिक पौधों की प्रजातियों के औषधीय उपयोग से परिचित हैं. ये पौधे न केवल बीमारियों के इलाज में प्रयोग होते हैं, बल्कि कई बार भोजन में भी उपयोग किए जाते हैं, जिससे भोजन का औषधीय मूल्य और भी बढ़ जाता है.

पारंपरिक खाना पकाने की विधियां और उपकरण : आदिवासी खानपान में सबसे खास बात यह है कि भोजन पकाने की विधियाँ सरल होते हुए भी अत्यधिक पोषण-संवर्धक होती हैं. इनमें कम आँच पर धीमी गति से पकाना, भाप में पकाना, उबालना और बहुत कम तेल में तलना शामिल है. इन विधियों में पोषक तत्वों की न्यूनतम क्षति होती है.

परंपरागत उपकरण जैसे लकड़ी का मूसल, पत्थर का सिलबट्टा, जांता (पारंपरिक चक्की) आदि का प्रयोग भोजन को संसाधित करने के लिए किया जाता है. ये उपकरण आधुनिक मशीनों की तरह अनावश्यक गर्मी या रसायनिक प्रक्रिया नहीं उत्पन्न करते, जिससे खाद्य पदार्थों के प्राकृतिक गुण संरक्षित रहते हैं.

विशिष्ट झारखंडी व्यंजन : झारखंड के आदिवासी व्यंजनों की सूची में कई अद्भुत और स्वादिष्ट पकवान शामिल हैं: धुस्काः चावल और उड़द दाल के मिश्रण से बना यह तला हुआ नाश्ता झारखंड में हर घर की शान है. इसे चटनी, घुघनी या मटन-चिकन करी के साथ खाया जाता है.

बुर्राः उड़द दाल से बने छोटे तले हुए गोले जो चटनी के साथ खाए जाते हैं. यह आदिवासी घरों से निकलकर अब मुख्यधारा के समाज में भी लोकप्रिय हो गया है.

पीठाः चावल के आटे से बने इन पकवानों में अंदर गुड़, दाल या मांस भरा जाता है. ये खासतौर पर त्योहारों पर बनाए जाते हैं.

चिल्का रोटीः चावल या मडुआ के आटे से बनी पतली रोटियाँ जो सादगी में भी स्वाद में समृद्ध होती हैं.

बोथल भातः यह पानी में डूबा चावल होता है जिसे गर्मियों में खाया जाता है. यह शरीर को ठंडक पहुँचाने वाला और ऊर्जा देने वाला आहार है.

डुबकी तियानः उड़द दाल के घोल से बनी पकौड़ियाँ, जो मसालेदार ग्रेवी में पकाई जाती हैं. यह उरांव समुदाय का प्रिय व्यंजन है.

लेटोः एक प्रकार का दलिया जिसमें महुआ, दाल और सब्जियाँ मिलाकर पकाया जाता है. यह संपूर्ण भोजन का उदाहरण है.

हंडियाः यह एक किण्वित चावल की पेय है, जो खासकर त्योहारों और अनुष्ठानों में प्रयोग होती है. इसे ठंडा करने वाला और पाचन में सहायक माना जाता है.

महुआ काढ़ाः महुआ के फूलों से बना यह पेय औषधीय गुणों से भरपूर होता है और प्रसव के बाद महिलाओं को विशेष रूप से दिया जाता है.

आदिवासी आहार: आत्मनिर्भरता और सतत विकास की मिसाल

आदिवासी खानपान की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह पूरी तरह स्थानीय संसाधनों पर आधारित है, जिससे यह आत्मनिर्भर और पर्यावरण के अनुकूल बनता है. यह खेती के लिए रसायनों पर निर्भर नहीं करता, न ही इसमें प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की आवश्यकता होती है. इस भोजन प्रणाली ने आदिवासी समुदायों को शारीरिक रूप से सशक्त और रोग-मुक्त बनाए रखा है.

आदिवासी आहार केवल पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि एक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, स्वास्थ्य का स्रोत, और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन का आदर्श रूप है. आधुनिक जीवनशैली के चलते जब विश्व भर में जैव विविधता और पोषण संकट की स्थिति है, तब आदिवासी भोजन प्रणाली से सीख लेकर हम अपने भोजन को अधिक स्थानीय, पोषणयुक्त और सतत बना सकते हैं.

आज का इतिहास

1689 -रायगढ़ किले में संभाजी की विधवा और उसके बच्चे ने औरंगजेब के समक्ष आत्मसमर्पण किया.
1889- फ्रांसीसी नेता नेपोलियन बोनापार्ट ने रूस की राजधानी से अपनी सेना हटाई.
1933-जर्मनी मित्र राष्ट्रों की संधि से बाहर आया.
1924-अब्दुल अज़ीज़ ने स्वयं को मक्का में पवित्र स्थानों का रक्षक घोषित किया.
1950-मदर टेरेसा ने कलकत्ता (भारत) में मिशनरी ऑफ़ चैरिटिज की स्थापना की.
1952-श्रीरामुलू पोट्टी ने पृथक आंध्र राज्य के लिये आमरण अनशन शुरु किया.
1970-भारत में निर्मित पहला मिग-21 विमान भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया.
1983-भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक डाक्टर एस. चन्द्रशेखर को एक अन्य अमेरिकी वैज्ञानिक प्रो. विलियम्स फ़ाउलर के साथ 1983 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार.

... निश्चित रूप से आप आगे बढ़ेंगे

चिंतन

क बीज को आप धरती में बोते हैं तो अनेक ढेले उसके ऊपर आ पड़ते हैं. उन ढेलों की जिद होती है कि हम तुझे बाहर नहीं निकलने देंगे. उधर बीज की प्रतिभा कहती है कि तुम चाहे जितने पहले बैठा लो, मुझे फूट कर बाहर निकलना ही है. बीज मिट्टी के साथ अपना समन्वय बनाता है. बाहर निकलने के लिए अपनी छाती पर बैठे ढेलों के साथ लड़ाई लड़ता है. ले देकर के समझौता हो जाता है. मिट्टी कहती है कि जैसा मेरा रंग है वैसे ही रंग में रंग कर बाहर जाना चाहता है तो निकल जा. मिट्टी के ढेले बाहर निकलते बीज के अंकुरण को रोक नहीं पाते. एक ही साथ जहां मिट्टी के बारीक कण बीज के अंकुरण का साथ दे रहे होते हैं वहीं मिट्टी के ढेले उसे रोकने का हर संभव प्रयास करते हैं. मिट्टी के बारीक कणों और बीज के बीच समझौता होता है. जिसके परिणाम स्वरूप बीज जब अंकुरण के रूप में बाहर निकलता है तो मिट्टी के पीले रंग की चादर ओढ़कर ही बाहर आता है. बाहर आते ही बीज का अंकुरण अब अपने पहले दोनों स्वरूपों को त्याग देता है. अब वह न तो बीज होता है, न अंकुरण होता है. अब वह संसार के लिए नन्हा सा पौधा बन जाता है. ... और वह हरा-भरा होकर आगे बढ़ने लगता है .

कुछ समय बाद खेत का किसान खेत में पानी लगाता है और ढेलों का अस्तित्व मिट्टी में मिल जाता है. परंतु तब तक बीज एक पौधा बनाकर आगे बढ़ने लगता है. इसी प्रकार संसार के लोग हैं जो ढेले के रूप में आपके अस्तित्व को रोकने का प्रयास करते हैं . परंतु एक समय आता है कि वह ढेले के रूप में मिट्टी में मिलकर वहीं रह जाते हैं और आप आगे बढ़ जाते हैं. इसलिए अपनी प्रतिभा पर विश्वास कीजिए. अपने अस्तित्व पर विश्वास कीजिए. परमपिता परमेश्वर की अनंत कृपा पर विश्वास कीजिए. आपको वृक्ष बनना है तो आप को कोई रोक नहीं सकता और यदि आपने ' ढेलों' की चुनौतियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया तो आपको मिटाने से भी कोई नहीं रोक सकता. देखना आपको है कि आप वृक्ष बनना चाहते हैं या अपने चारों ओर बिखरे पड़े ढेलों के अस्तित्व में मिट जाना चाहते हैं. अपने अस्तित्व से संवाद स्थापित कीजिए. अपनी सात्विक मनोवृतियों को अपने अस्तित्व के साथ जोड़िए. अपने अस्तित्व को संवारने का काम करते रहिए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

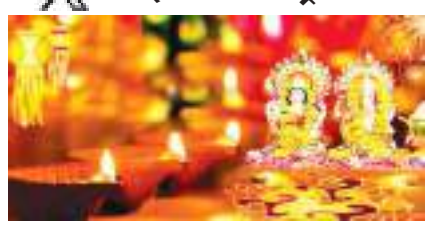

1. #Dhanteras 45K
2. #धनतेरस 23K
3. #MuthootTributeToSoldiers 20K
4. #HeartofTaehyung 24K
5. Sunheri Soch 18K
6. #UPBuildsBrahMos
7. उत्तम स्वास्थ्य
8. सहरसा गरीब
9. सरहिंद स्टेशन
10. May Goddess Lakshmi

बहुरंग

12 साल पूरे होने पर सलमान खान ने शेयर की 'बीइंग ह्यूमन' की फैमिली फोटो

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपने क्लोदिंग ब्रांड 'बीइंग ह्यूमन' के 12 साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया है. इस खास मौके पर उन्होंने दो फैमिली फोटोज और एक वीडियो के साथ एक इमोशनल नोट लिखा, जिसमें उन्होंने इस सफर का हिस्सा रहे सभी लोगों का आभार जताया. लेकिन इन तस्वीरों में कुछ चेहरे नजर नहीं आए, जिन पर लोगों की नजरें टिक गईं. इनमें सलमान के भाईयों की पूर्व पत्नियां मलाइका अरोड़ा और सीमा सजदेह शामिल हैं, जिनकी गैरमौजूदगी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है. सलमान खान ने अपने पोस्ट में लिखा, ₹12 साल पहले बीइंग ह्यूमन की शुरुआत एक सामान्य से विचार से हुई थी कि कुछ अच्छा करना है. दूसरों की मदद करनी है और चेहरे पर स्माइल लानी है. आज, यह एक ब्रांड से कहीं बढ़कर एक परिवार है, जो लगातार बड़ा हो रहा है. इस सफर का हिस्सा रहे सभी लोगों का शुक्रिया. बीइंग ह्यूमन के लिए शुक्रिया.₹ उनकी इस पोस्ट से साफ जाहिर होता है कि 'बीइंग ह्यूमन' महज एक क्लोदिंग ब्रांड नहीं, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है, जिसके जरिए सलमान न सिर्फ जरूरतमंदों की मदद करते हैं, बल्कि अपने परिवार और फैंस के साथ जुड़ाव भी महसूस करते हैं. सलमान ने जो दो फैमिली फोटोज शेयर की हैं, उनमें पहली फोटो 12 साल पहले की है, जिसमें उनका पूरा परिवार एक साथ नजर आ रहा है. इस तस्वीर में मलाइका अरोड़ा (अरबाज खान की पूर्व पत्नी) और सीमा सजदेह (सोहेल खान की पूर्व पत्नी) भी दिखाई दे रही हैं.

खलनायक 2' को लेकर बड़ी खबर: सुभाष घई नहीं होंगे डायरेक्टर, संजय दत्त की वापसी तय

बॉलीवुड की कल्ट क्लासिक फिल्मों में शामिल 'खलनायक' अब अपने सीक्वल के साथ एक बार फिर सुर्खियों में है. 1993 में रिलीज हुई इस फिल्म ने न सिर्फ संजय दत्त को 'खलनायक' के रूप में नई पहचान दी थी, बल्कि 90 के दशक के हिंदी सिनेमा को भी एक नया आयाम दिया था. अब 32 साल बाद इस फिल्म का सीक्वल बनने जा रहा है, लेकिन इस बार एक बड़ा बदलाव सामने आया है फिल्म के निर्माता और निर्देशक सुभाष घई इसे डायरेक्ट नहीं करेंगे. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सुभाष घई ने इस खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि उन्होंने 'खलनायक 2' के अधिकार एक बड़े स्टूडियो को बेच दिए हैं. घई ने कहा, "अब मेरी उम्र 80 साल हो चुकी है, इसलिए मैं निर्देशन नहीं करूंगा. लेकिन मैं इस प्रोजेक्ट से बतौर क्रिएटिव गाइड जुड़ा रहूंगा." उन्होंने यह भी बताया कि लंबे समय से कई बड़े प्रोडक्शन हाउस सीक्वल के अधिकार खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे थे, और अब अंततः एक टीम को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी गई है. फैंस के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि संजय दत्त एक

बार फिर 'बल्लू' के किरदार में नजर आएंगे. हालांकि इस बार उनका किरदार कितना बड़ा होगा, या वे मुख्य भूमिका में होंगे या नहीं-यह अभी साफ नहीं है. लेकिन सुभाष घई ने यह जरूर कहा कि "संजू बाबा फिल्म में जरूर नजर आएंगे." जब घई से पूछा गया कि क्या फिल्म के आइकॉनिक गानों को फिर से इस्तेमाल किया जाएगा, तो उन्होंने कहा कि फिल्म के राइट्स में स्क्रिप्ट, डायलॉग, किरदार और संगीत सभी शामिल हैं. इसका मतलब यह हुआ कि 'चोली के पीछे क्या है' और 'नायक नहीं खलनायक हूं मैं' जैसे सुपरहिट गानों को नए रूप में दोबारा पेश किया जा सकता है. इससे पुराने फैंस को नॉस्टेल्जिया का अनुभव मिलेगा, जबकि नए दर्शकों के लिए ये गाने नए अंदाज में पेश होंगे. हालांकि, अभी तक फिल्म के डायरेक्टर और मुख्य कलाकारों की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. फिल्म की टीम जल्द ही इस बारे में जानकारी देने वाली है. लेकिन इस घोषणा ने पहले ही फिल्म के फैंस में उत्साह भर दिया है. सोशल मीडिया पर फैंस संजय दत्त की पुरानी झलकियों को शेयर कर रहे हैं और फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. 'खलनायक 2' बनने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है, और उम्मीद की जा रही है कि अगले कुछ महीनों में फिल्म की कास्टिंग, निर्देशक और रिलीज डेट से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ जाएंगी. तब तक के लिए, फैंस को संजय दत्त के 'बल्लू' अवतार की एक और झलक का इंतजार करना होगा.

आनंद एल राय और भूषण कुमार की 'तेरे इश्क़ में' का पहला गाना रिलीज

लंबे इंतज़ार के बाद आखिरकार आनंद एल राय निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तेरे इश्क़ में' का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है. टीज़र के समय से ही दर्शकों में जो रोमांच था, अब यह एक संगीतमय अनुभव में तब्दील हो चुका है. यह गीत दर्शकों को प्यार, दर्द और तड़प से भरी उस दुनिया में ले जाता है, जहां ए. आर. रहमान की जादुई धुनें, अरिजीत सिंह की रूहानी आवाज़ और इरशाद कामिल की दिल को छू जाने वाली शायरी एक साथ मिलकर सुनने वालों के दिल पर अमिट छाप छोड़ती हैं. धनुष और कृति सेनन पर फिल्माया गया यह गीत दृश्य और भावनाओं का अद्भुत संगम है. गाने की सिनेमैटोग्राफी, दोनों कलाकारों की प्रभावशाली अदाकारी और रहमान के संगीत ने इसे एक शानदार अनुभव बना दिया है. वीडियो के हर फ्रेम में प्यार की मासूमियत, जुदाई की पीड़ा और चाहत की गहराई महसूस की जा सकती है. संगीत प्रेमियों के लिए यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर है. आनंद एल राय, ए. आर. रहमान और इरशाद कामिल की यह प्रतिष्ठित तिकड़ी पहले भी कई यादगार धुनें दे चुकी है, और 'तेरे इश्क़ में' का यह ट्रैक उसी जादू की नई परत खोलता नजर आ रहा है. फिल्म का पूरा एलबम इस साल के सबसे संगीतमय अनुभवों में से एक होने वाला है. गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और कलर येल्लो प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी 'तेरे इश्क़ में' के निर्माता हैं आनंद, हिमांशु, भूषण और कृष्ण. फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है. ए. आर. रहमान के संगीत और इरशाद कामिल के बोलों से सजी, धनुष और कृति सेनन अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल भाषाओं में विश्वभर में रिलीज़ होगी.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले. व्यापार में स्थिति नरम रहेगी. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा. बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा. शुभांक-4-5-7

वृष : निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. शुभांक-3-5-7

मिथुन : कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए. मेहमानों का आगमन होगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. शुभांक-5-7-9

कर्क : ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा. आध्यात्मिक वातावरण बनेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. यात्रा का योग बन रहा है. शुभांक-2-6-7

सिंह : विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-4-6-8

कन्या : भावनाओं में न बहें, सावधान रहें. रुका हुआ धन प्राप्त होगा. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें. अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी. शुभांक-3-5-7

तुला : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. व्यापार में प्रगति होगी. भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है. शुभांक-2-4-6

वृश्चिक :कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें. व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. मातृ पक्ष से विशेष लाभ. शुभांक-2-4-7

धनु : मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. शुभांक-3-5-8

मकर : स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. शुभांक-3-6-9

कुंभ : अर्थपक्ष मजबूत रहेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे. अपने काम को प्राथमिकता से करें. किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी. सलाह उपयोगी सिद्घ होगी. शुभांक-3-5-7

मीन : नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. शुभांक-5-8-9

न्यूज अपडेट

कटिहार में भाजपा प्रत्याशी तार किशोर प्रसाद ने नामांकन दाखिल किया

कटिहार। जिले की सातों विधानसभा सीटों पर नामांकन के बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा प्रत्याशी तार किशोर प्रसाद ने कटिहार विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया. नामांकन से पहले उन्होंने मिचाईबाड़ी सर्वमंगला सार्वजनिक दुर्गा मंदिर समेत शहर के कई प्रमुख मंदिरों में पूजा-अर्चना की, जो उनकी पारंपरिक आस्था के साथ-साथ चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है. इस दौरान धार्मिक प्रतीकवाद और राजनीतिक संदेश दोनों का संयोजन देखने को मिला. महागठबंधन की ओर से अभी तक कटिहार सीट के लिए प्रत्याशी घोषित नहीं किए जाने पर तार किशोर ने कहा कि बिहार में विपक्ष का कोई मुद्दा नहीं बचा है और जनता विकास से संतुष्ट है. उनका मानना है कि एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी. कटिहार विधानसभा सीट सीमांचल क्षेत्र की राजनीति में विशेष महत्व रखती है और यहां भाजपा तथा महागठबंधन दोनों के लिए रणनीतिक रूप से अहम है.

बसपा ने पूर्णिया की छह विधानसभा सीटों पर की उम्मीदवारों की घोषणा

पटना। बिहार विधानसभा उपचुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने पूर्णिया जिले की सात विधानसभा सीटों में से छह के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों का औपचारिक घोषणा कर अपनी राजनीतिक उपस्थिति मजबूत कर दी है. पार्टी ने पूर्णिया सदर विधानसभा सीट से राजीव राय को उम्मीदवार बनाया है, जबकि धमदाहा सीट पर आज शाम तक प्रत्याशी घोषित किए जाने की संभावना है. सभी घोषित उम्मीदवार बसपा के सिंबल लेकर पूर्णिया पहुंचे और राजीव राय के आवास पर एक सामूहिक बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की. राजीव राय (45) ने प्रेस वार्ता में कहा कि बसपा ने पूर्णिया की सभी सात सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं, जो लंबे समय से जनसेवा में सक्रिय हैं. उन्होंने कहा, हमारी टक्कर किसी अन्य प्रत्याशी से नहीं, बल्कि खुद से है. हम जनसेवा में विश्वास रखते हैं. यह चुनाव हम नहीं, जनता लड़ रही है और जीत भी जनता की होगी. बसपा ने पूर्णिया सदर सीट पर राजीव राय को उतारकर दलित-ब्राह्मण समीकरण साधने की रणनीति अपनाई है.

वारिसलीगंज: राजद ने बाहुबली अशोक महतो की पत्नी कुमारी अनीता को उतारा

नवादा। जिले में महागठबंधन की एकजुटता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. वारिसलीगंज विधानसभा सीट पर आरजेडी और कांग्रेस के बीच सीधे मुकाबले ने गठबंधन की रणनीति को चुनौती दे दी है. आरजेडी ने बाहुबली अशोक महतो की पत्नी कुमारी अनीता को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने सतीश कुमार उर्फ मंटन सिंह को मैदान में उतारा है. दोनों दलों के उम्मीदवारों के नामांकन शनिवार को होने हैं, जिससे इस सीट की सियासी लड़ाई और भी रोचक हो गई है. नवादा सदर, गोविंदपुर और रजौली विधानसभा सीटों पर भी सियासी खींचतान जारी है. राजद के कौशल यादव गोविंदपुर और नवादा सीटों पर टिकट की मांग कर रहे हैं, जबकि मौजूदा विधायक मो. कामरान भी टिकट पर अड़े हुए हैं. कामरान मगध प्रमंडल के एकमात्र मुस्लिम विधायक हैं, जिनके टिकट न मिलने से गठबंधन में मतभेद और बढ़ सकते हैं. रजौली सीट से तेजप्रताप यादव की पार्टी जन शक्ति जनता दल ने जदयू छोड़कर आए विधायक प्रकाशवीर को उम्मीदवार बनाया है, जो महागठबंधन में नई हलचल पैदा कर रहा है.

बिहार दौरे पर अमित शाह से मिले चिराग पासवान, एनडीए की जीत का किया दावा, कहा

एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर पूरी स्पष्टता है

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं. इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार दौरे पर हैं, जहां उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की. इस अहम मुलाकात में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीतिक चर्चा हुई. इसे एनडीए के भीतर समन्वय और मजबूती का संकेत माना जा रहा है. मुलाकात के बाद चिराग पासवान ने एनडीए की प्रचंड जीत का दावा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस बार भी 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतर रही है. उन्होंने जोर देकर कहा कि एनडीए गठबंधन पूरी तरह संगठित और स्पष्ट रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरेगा. चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर पूरी स्पष्टता है और सभी घटक दलों को उचित सम्मान दिया गया है. उन्होंने भाजपा और जदयू का धन्यवाद देते हुए कहा कि दोनों दलों ने बड़ा दिल दिखाते हुए सहयोग को प्राथमिकता दी है. ₹हमारे सभी उम्मीदवारों के नाम तय हो चुके हैं और हम प्रचार अभियान की शुरुआत कर चुके हैं,₹ उन्होंने कहा.

इसके विपरीत उन्होंने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि वहां अंदरूनी कलह और नेतृत्व को लेकर भ्रम है. चिराग ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि खुद उनके गठबंधन में ही उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं माना जा रहा. ऐसे में जनता कैसे उन्हें स्वीकार करेगी? चिराग पासवान ने विपक्षी गठबंधन को पूरी तरह विफल करार दिया और कहा कि वहां सब कुछ भ्रम और विवाद से भरा है. उन्होंने कहा कि महागठबंधन में सहयोगियों के बीच तालमेल की कमी है, जिससे जनता का भरोसा टूट रहा है. उन्होंने कहा, ₹जहां विपक्ष एक-दूसरे की दावेदारी काटने में व्यस्त है, वहीं एनडीए चुनावी मैदान में मजबूती से डटा है.₹ उन्होंने बताया कि वे गोविंदगंज जा रहे हैं, जहां लोजपा (रामविलास) के प्रत्याशी राजू तिवारी के नामांकन के मौके पर जनसभा का आयोजन किया गया है. बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए ने सीटों का बंटवारा तय कर लिया है. जदयू और भाजपा 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं. चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं. वहीं जीतन राम मांझी की 'हम' और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह-छह सीटें मिली हैं. बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में होंगे, पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को. मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी. एनडीए को भरोसा है कि एकजुटता और स्पष्ट नेतृत्व के बल पर वह एक बार फिर सत्ता में वापसी करेगा.

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: राजनीति में 'परिवारवाद' का उदय

बादशाहों की जगह अब रानियां मैदान में

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 इस बार कई नई राजनीतिक कहानियों को जन्म दे रहा है. खासकर, राजनीति में परिवारवाद की दस्तक फिर से तेज हो गई है. राज्य की सियासी बिसात पर अब 'बादशाह' नहीं, बल्कि उनकी 'रानियां' चुनावी रथ पर सवार होकर जंग लड़ रही हैं. कई प्रभावशाली नेताओं ने इस बार खुद को पीछे कर अपनी पत्नियों को मैदान में उतारा है. इन दिनों कुछ ऐसे चेहरे हैं, जो इस बार सुर्खियों में हैं. राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने इस बार खुद को पीछे कर पत्नी स्नेहलता को सासाराम विधानसभा से टिकट दिलाया है. यह उनके राजनीतिक प्रयोगवाद का एक नया उदाहरण है और राजनीतिक गलियारों में इसे 'परिवारवाद' की नई एंट्री के रूप में देखा जा रहा है. पूर्व सांसद अजय निषाद ने चुनावी मौसम में घर वापसी करते हुए बीजेपी की सदस्यता ली. पार्टी ने बतौर इनाम उनकी पत्नी रमा निषाद को औराई विधानसभा से उम्मीदवार बनाया है. यह फैसला तब आया जब भाजपा ने पूर्व मंत्री रामसूरत राय का टिकट काट दिया.

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) ने इमामगंज से दीपा मांझी को चुनावी मैदान में उतारा है. वे पूर्व मंत्री संतोष सुमन की पत्नी हैं. उपचुनाव से ही वे सक्रिय राजनीति में कदम रख चुकी थीं. राजद ने मोकामा सीट से वीणा देवी को प्रत्याशी बनाया है. वे पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की पत्नी हैं. इससे पहले वे लोकसभा चुनाव भी लड़ चुकी हैं. बीजेपी नेता राम गोपाल यादव की पत्नी गायत्री देवी को पार्टी ने परिहार विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है. जदयू ने नवादा सीट से विभा देवी को टिकट दिया है. वे पूर्व विधायक राजबल्लभ यादव की पत्नी हैं. हाल ही में राजद छोड़कर जदयू में आए और पत्नी को टिकट मिल गया. बिंदी यादव की पत्नी मनोरमा देवी को जदयू ने बेला विधानसभा से उम्मीदवार बनाया है. वे पहले भी चुनाव लड़ चुकी हैं. लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने फतुहा से रूपा कुमारी को टिकट दिया है. वे स्थानीय नेता टुनटुन गोप की पत्नी हैं.

पुलिस ने पांच लाख रुपये और तीन किलो चांदी किया बरामद

कटिहार। जिला के रौतारा थाना क्षेत्र में बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के दौरान सघन वाहन जाँच के क्रम में 5,00,700 रुपये नगद राशि और 3 किलो 120 ग्राम चाँदी बरामद की गई है. पुलिस अधीक्षक कटिहार के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में निरंतर सघन वाहन जांच की जा रही है. इसी क्रम में रौतारा थाना क्षेत्रान्तर्गत टॉल प्लाजा के पास से फ्लाइंग स्क्वाड टीम के द्वारा उक्त राशि और चाँदी बरामद की गई. बरामद राशि के संबंध में जब पकडे गए सम्बंधित व्यक्ति से वैध कागजात व प्रमाण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया, तो वे ना तो कोई दस्तावेज दिखा सके ना ही कोई संतोषजनक उत्तर दे पाए. तत्पश्चात् बरामद नगद राशि और चाँदी को विधिसम्मत प्रक्रिया के अंतर्गत जब्ती सूची बनाकर जब्त किया गया. पुलिस ने बताया कि आगे की कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच की जा रही है.

हथकड़ी में नामांकन: जेल से सीधे चुनावी मैदान में उतरे 'क्रांतिकारी', बोले- साजिश का शिकार हूं

गोपालगंज। बरौली विधानसभा क्षेत्र से एक अनोखी और विवादित तस्वीर सामने आई है, जहां हाथ में हथकड़ी और आंखों में आंसू लिए एक शख्स जेल से सीधे नामांकन केंद्र पहुंचा. यह शख्स हैं धर्मेंद्र कुमार 'क्रांतिकारी', जो तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतरे हैं. धर्मेंद्र कुमार क्रांतिकारी ने गोपालगंज जिला समाहरणालय में भारी सुरक्षा के बीच अपना नामांकन दाखिल किया. नामांकन के वक्त वे पुलिस के पहरे में हथकड़ी लगाए हुए थे. उनका दावा है कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत जेल में डाला गया है. उन्होंने मीडिया से कहा, "मुझे साजिशन फंसाया गया है ताकि मैं चुनाव न लड़ सकूं, लेकिन मैं बदलाव के लिए लड़ाई लड़ रहा हूं." धर्मेंद्र पर कई संगीन आरोप हैं. जून महीने में उन्हें जमीन घोटाले, एससी/एसटी एक्ट, धोखाधड़ी, जबरन वसूली और आर्म्स एक्ट जैसे मामलों में गिरफ्तार किया गया था. इसके बाद उनके ऊपर गुंडा एक्ट भी लगा दिया गया. खास बात यह है कि उनके ऊपर अकेले बरौली क्षेत्र में 29 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं. इतना ही नहीं, उन पर अपने ही सगे बड़े भाई पर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का भी आरोप है.

बिहार विधानसभा चुनाव: आप, जदयू और सीपीआई (एमएल) ने भी जारी की उम्मीदवारों की नई सूची

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा जारी रखी है. शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी तीसरी सूची में 50 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं. इस सूची में लौरिया से शशि भूषण तिवारी, बेतिया से अर्जुन कुमार सिन्हा, सुगौली से गयासुद्दीन सामैनी और समस्तीपुर से रंजन कुमार जैसे उम्मीदवार शामिल हैं. इससे पहले मंगलवार को आप ने अपनी दूसरी सूची में 48 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे, जिनमें प्रेम प्राप्त सिंह (छपरा), राजेंद्र प्रसाद सिंह (लालगंज), आदित्य लाल (पूर्णिया) और इंद्रजीत ज्योतिकर (हथुआ) शामिल थे. इसी दौरान महागठबंधन के घटक दल सीपीआई (एमएल) ने भी शनिवार को बिहार के 20 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की. वहीं, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने 16 अक्टूबर को अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें 44 उम्मीदवार शामिल थे. इस सूची में कई प्रमुख नेताओं, मौजूदा विधायकों और विभिन्न सामाजिक व व्यावसायिक पृष्ठभूमि से जुड़े युवाओं के नाम थे. जदयू ने राज्य में अपने चुनाव अभियान को और भी तेज कर दिया है. जदयू की सूची में वाल्मिकीनगर से धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह, धमदाहा से लेशी सिंह, अमरपुर से जयंत राज, काराकाट से महाबली सिंह और चकाई से सुमित कुमार सिंह जैसे नाम प्रमुख हैं. इसके अलावा समृद्ध वर्मा (सिकटा), श्वेता गुप्ता (शिवहर), पंकज मिश्रा (रून्नीसैदपुर), सुधांशु शेखर (हरलाखी), मीना कामत (बाबूबरही), शीला मंडल (फुलपरास), सतीश साह (लौकहा), अनिरुद्ध प्रसाद यादव (निर्मली), विजेंद्र प्रसाद यादव (सुपौल), बुलो मंडल (गोपालपुर), ललित नारायण मंडल (सुल्तानगंज), मनोरमा देवी (बेलागंज), चेतन आनंद (नवीनगर), और विभा देवी (नवादा) जैसे उम्मीदवार भी शामिल हैं. इस तरह बिहार विधानसभा चुनाव में प्रमुख पार्टियों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है.

कभी राजद में वापसी नहीं करेंगे: पूर्व विधायक पप्पू खान

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल में बगावत की आवाज़ें तेज़ होती जा रही हैं. बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र से पूर्व राजद विधायक नौशाद-उन-नबी उर्फ पप्पू खान ने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए ऐलान किया है कि वे अब कभी राजद में वापसी नहीं करेंगे. पप्पू खान ने आरोप लगाया कि पार्टी में टिकटों की खुलेआम खरीद-फरोख्त हो रही है और टिकट तीन-तीन करोड़ रुपए में बांटे जा रहे हैं. पप्पू खान ने कहा, "मैं कसम खाकर कहता हूं कि अब राजद में कभी नहीं लौटूंगा. पार्टी के कुछ नेताओं ने लालू प्रसाद यादव की पार्टी को अपने कब्जे में ले लिया है." उन्होंने राजद के कुछ नेताओं पर पार्टी को हाईजैक करने का भी आरोप लगाया और खास तौर पर संजय यादव का नाम लिया. पप्पू खान ने कांग्रेस प्रत्याशी उमेर खान पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास सैंकड़ों बीघा जमीन है और उन्होंने तीन करोड़ रुपए देकर कांग्रेस से टिकट हासिल किया है. राजनीतिक समीकरणों में पप्पू खान की पत्नी आफरीन सुल्तान ने भी बड़ा कदम उठाया है.

कारोबार

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में जारी : पीयूष

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही है. उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा. गोयल ने जीएसटी बचत उत्सव के दौरान कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि हो रही है. चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में वस्तु एवं सेवा निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है. उन्होंने बताया कि जीएसटी कटौती से उपभोक्ताओं को 2.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है.

इंडिगो एयरलाइन 30 चौड़े आकार वाले ए-350 विमान खरीदेगी

नई दिल्ली। इंडिगो ने शुक्रवार को एयरबस के साथ 30 अतिरिक्त ए350-900 विमान खरीदने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए. इसके साथ ही चौड़े आकार वाले विमानों के लिए उसके कुल ऑर्डर 60 हो गए हैं. एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि उसने एयरबस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे एयरबस ए350-900 विमानों के उसके 70 खरीद अधिकारों में 30 को निश्चित ऑर्डर में बदलने की पुष्टि हुई है. कंपनी के मुताबिक, "इंडिगो ने अपने चौड़े आकार के विमानों के ऑर्डर को अब 30 से बढ़ाकर 60 एयरबस ए350-900 विमान कर दिया है." दोनों पक्षों ने जून में इन अतिरिक्त 30 विमानों के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे. इस समय इंडिगो के पास 400 से अधिक विमानों का बेड़ा है.

दो दिनों में डिजिटल संपत्तियों का कुल मार्केट कैप लगभग 15 लाख करोड़ घटा

बिटकॉइन की घटती कीमत से निवेशक चिंतित

एजेंसी। नयी दिल्ली

पिछले दो दिनों से क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में भयंकर गिरावट देखी जा रही है. 16 अक्टूबर सुबह 10 बजे से 18 अक्टूबर सुबह 10 बजे तक डिजिटल संपत्तियों का कुल मार्केट कैप लगभग 15 लाख करोड़ रुपये घट गया है. इस तेज गिरावट ने निवेशकों के होश उड़ा दिए हैं और बाजार में भारी बेचैनी का माहौल बन गया है. कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार, बिटकॉइन की कीमत शनिवार सुबह 10 बजे करीब 1.06 लाख डॉलर पर थी, जो दो दिन पहले 1.11 लाख डॉलर के स्तर पर थी. यानि पिछले 48 घंटों में बिटकॉइन में 4% से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है. हालांकि दोपहर 12:30 बजे बिटकॉइन की कीमत में थोड़ा सुधार आया और यह करीब 1.07 लाख डॉलर पर पहुंच गई. बिटकॉइन की कीमत लगातार नीचे आ रही है. शुक्रवार को यह 4% की गिरावट के साथ लगभग 1,03,550 डॉलर पर कारोबार कर रही थी. पिछले दस दिनों में बिटकॉइन की कीमत में 15% से अधिक की कमी आई है. यह गिरावट इस वजह से आई है कि निवेशक अब सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं. 6 अक्टूबर को बिटकॉइन ने 1.26 लाख डॉलर का रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन अब यह इस स्तर से काफी नीचे आ गई है.

इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिकी और चीनी तनाव में बढ़ोतरी के कारण बिटकॉइन और ईथर की कीमतों में भारी गिरावट आई. इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार नीति को लेकर नरम रुख अपनाने की खबरों से मार्केट में तेजी आई थी, जो अब खत्म हो गई है. विश्लेषकों का कहना है कि बिटकॉइन के अलावा बाकी क्रिप्टोकरेंसी, जिन्हें ऑल्टकॉइन्स कहा जाता है, इस गिरावट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं. कई ऑल्टकॉइन्स की कीमतों में 80% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है. ईथर की कीमत भी 3,700 डॉलर से नीचे चली गई है, जो अगस्त में इसके उच्चतम स्तर से लगभग 24% कम है. बाइनेंस के टोकन बीएनबी में भी लगभग 11% की गिरावट आई है. यह तब हुआ जब दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बाइनेंस पर तकनीकी खराबी और कीमतों में गड़बड़ी की खबरें आईं. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, इस गिरावट के बाद बाइनेंस ने लगभग 600 मिलियन डॉलर का मुआवजा देने की पेशकश की है.

विश्लेषक बताते हैं कि यह क्रिप्टो मार्केट में 'रीप्राइसिंग' है, 'क्रैश' नहीं. मार्केट मेकर विंटरम्यूट के को-फाउंडर योआन टर्पिन ने कहा कि बाइनेंस में शुक्रवार की गिरावट व्यापक बाजार की बिकवाली के अनुरूप है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह गिरावट हफ्ते के मध्य में आई तेजी के बाद कीमतों के फिर से आकलन का संकेत हो सकती है, क्योंकि जो तेजी आई थी वह स्थायी रिकवरी नहीं थी. इस गिरावट के कारण निवेशकों में अस्थिरता बढ़ी है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि यह मार्केट का सामान्य बदलाव है और आने वाले समय में स्थिरता वापस आ सकती है. फिलहाल, क्रिप्टोकरेंसी बाजार में निवेशकों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है.

चालू खाता घाटा जीडीपी का 1.2-1.5% रहने की उम्मीद: बैंक ऑफ बड़ौदा

नयी दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 1.2% से 1.5% के बीच रह सकता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता की दिशा आगामी महीनों में एक अहम भूमिका निभाएगी, खासकर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात को लेकर, जो अभी अमेरिकी टैरिफ से मुक्त हैं. रिपोर्ट में बताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में अब तक भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा है. हालांकि निर्यात में वृद्धि हुई है, फिर भी आयात की गति तेज बनी हुई है, जिससे व्यापार घाटा बढ़ा है. खासकर गैर-तेल और गैर-सोना आयात में इजाफा घरेलू मांग में सुधार का संकेत देता है. आगामी महीनों में त्योहारी सीजन के चलते घरेलू मांग में और तेजी आने की संभावना जताई गई है. इससे गैर-जरूरी वस्तुओं के साथ-साथ सोने के आयात में भी वृद्धि हो सकती है, खासकर साल की दूसरी छमाही में. रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत ने निर्यात के मोर्चे पर विविधीकरण किया है.

धनतेरस पर खरीदी ने तोड़े रिकॉर्ड, कारोबार 1 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। देशभर में धनतेरस के शुभ अवसर पर इस वर्ष व्यापार ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है. अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के अनुसार, धनतेरस पर कुल कारोबार 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की उम्मीद है. अकेले सोने और चांदी की बिक्री 60,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुकी है, जिससे आभूषण बाजारों में जबरदस्त उत्साह देखा गया. सीएआईटी के अनुसार, इस पर्व पर देशभर के उपभोक्ताओं ने सोना, चांदी, बर्तन, रसोई के सामान, वाहन, झाड़ू, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, देवी-देवताओं की मूर्तियां, मिट्टी के दीपक और पूजा सामग्री जैसे पारंपरिक और आधुनिक वस्तुओं की जमकर खरीदारी की. कैट महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि तांबे, चांदी या स्टील के नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है, जो समृद्धि और पवित्रता का प्रतीक है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस दिन झाड़ू की खरीदारी से नकारात्मक ऊर्जा और गरीबी दूर होती है और देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है. आधुनिक युग के प्रभाव से मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट जैसे गैजेट्स की भी भारी खरीदारी दर्ज की गई, जिन्हें प्रगति और सौभाग्य से जोड़ा जाता है. ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि बीते दो दिनों में देशभर के आभूषण बाजारों में भारी भीड़ देखने को मिली है. दिल्ली के सर्राफा बाजार में ही 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में करीब 25% अधिक है.

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर हर महीने बढ़ रही शिकायतें, तेजी से समाधान भी हो रहा है

नई दिल्ली। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर उपभोक्ताओं की शिकायतों की संख्या में लगातार तेजी से इजाफा हो रहा है. हर महीने औसतन एक लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज की जा रही हैं और इन्हें तय समय पर सुलझाया भी जा रहा है. दिसंबर 2015 में जहां केवल 12,553 कॉल आई थीं, वहीं दिसंबर 2024 में यह संख्या बढ़कर 1.55 लाख हो गई. 2017 में जहां औसतन 37,062 शिकायतें प्रतिमाह दर्ज होती थीं, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 1,70,585 हो गई है. उपभोक्ता शिकायतों के निवारण में तेजी लाने के लिए एनसीएच ने कन्वर्जेंस पहल के तहत निजी कंपनियों को जोड़ने का प्रयास किया है. 2017 में 263 कन्वर्जेंस पार्टनर थे, जबकि सितंबर 2025 तक इनकी संख्या बढ़कर 1,142 हो गई है.

अच्छी खबर

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स : भारत की आर्थिक स्थिति को लेकर आशावादी रुख जताया

भारत टैरिफ से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम

एजेंसी। नयी दिल्ली

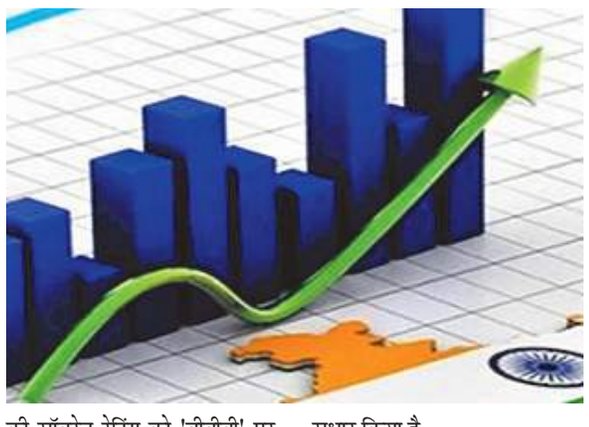

अमेरिका और अन्य देशों के बीच जारी टैरिफ और ट्रेड वॉर को लेकर जहां दुनिया भर में चिंता का माहौल है, वहीं भारत के लिए अच्छी खबर आई है. एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के प्रेसिडेंट यान ले पैलेक ने भारत की आर्थिक स्थिति को लेकर आशावादी रुख जताया है.

उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं और टैरिफ से जुड़ी चुनौतियों का मजबूती से सामना करने में सक्षम है. पैलेक ने बताया कि वर्ष 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5% की दर से बढ़ेगी और अगले दो वर्षों में यह ग्रोथ दर 7% तक पहुंच सकती है.

उन्होंने यह भी कहा कि यह भारत की सॉवरेन रेटिंग को 'बीबीबी' पर अपग्रेड करने के बाद दिया गया उनका पहला बयान है. यह 18 वर्षों में पहली बार है जब किसी प्रमुख ग्लोबल एजेंसी ने भारत की रेटिंग में सुधार किया है.

पैलेक ने कहा कि जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताएं आज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हैं, लेकिन भारत के लिए ये खतरे 'मैनेज किए जा सकने वाली मुश्किलें' हैं. उन्होंने यह भी बताया कि भारत का बड़ा घरेलू बाजार उसे वैश्विक झटकों से काफी हद तक सुरक्षित रखता है. उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका को भारत का निर्यात जीडीपी का केवल 2% है, जिससे यह स्पष्ट है कि भारत की अर्थव्यवस्था अमेरिका के व्यापारिक उतार-चढ़ाव पर ज्यादा निर्भर नहीं है.

भारत की आर्थिक मजबूती, स्थिर नीतियां, और फिजिकल एवं एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर में बढ़ते निवेश के आधार पर एसएंडपी ने रेटिंग में सुधार किया है. पैलेक ने यह भी उम्मीद जताई कि सरकार अपने खर्चों को नियंत्रित रखेगी और टैरिफ पॉलिसी में स्थिरता बनाए रखेगी. आरबीआई की संभावित रेट कट को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे विश्लेषकों को उम्मीद है कि साल के अंत तक 0.25% की कटौती हो सकती है. इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा.

उन्होंने यह भी कहा कि जैसे-जैसे अमेरिका से पूंजी निकल रही है, भारत एक मजबूत और आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है.

हालांकि, अमेरिका में रेट कट की गति अगर तेज रही तो भारत की निवेशक अपील थोड़ी घट सकती है. फिलहाल, भारत को स्थिर नीतियों और लंबी अवधि की विकास संभावनाओं के कारण वैश्विक निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और आकर्षक ठिकाने के रूप में देखा जा रहा है.

माइक्रो कैप शेयरों ने किया निवेशकों को मालामाल, 1 साल में दिए 180% तक रिटर्न

एजेंसी। नयी दिल्ली

शेयर बाजार में जहां एक ओर उतार-चढ़ाव का दौर जारी है, वहीं कुछ चुनिंदा माइक्रो कैप स्टॉक्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न देकर चौंका दिया है. पिछली धनतेरस से इस धनतेरस तक यानी एक साल के भीतर गैब्रियल इंडिया, शैली इंजीनियरिंग और लूमेक्स ऑटो जैसे शेयरों ने निवेशकों की पूंजी को दोगुने से ज्यादा कर दिया है. इन शेयरों ने 100% से लेकर 180% तक का रिटर्न दिया है, जिससे त्योहारी सीजन में निवेशकों के चेहरे खिल उठे हैं. गैब्रियल इंडिया के शेयर ने बीते एक साल में लगभग 180 फीसदी का रिटर्न दिया है. हालांकि हाल ही में इसमें कुछ गिरावट देखी गई और शुक्रवार को यह शेयर 2.44% की गिरावट के साथ 1235.75 रुपये पर बंद हुआ. बावजूद इसके, बीते 6 महीने में भी यह शेयर 100% से ज्यादा रिटर्न दे चुका है.

ऑटो सेक्टर की इस कंपनी ने निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा कमाकर दिया है. शैली इंजीनियरिंग प्लास्टिक्स के शेयर ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया है. शुक्रवार को यह शेयर 2.88% की तेजी के साथ 2386.95 रुपये पर बंद हुआ. बीते 6 महीनों में इसने 40% से ज्यादा और एक साल में 150% से ज्यादा का रिटर्न दिया है. कंपनी के मजबूत फंडामेंटल्स और लगातार बेहतर होते प्रदर्शन ने निवेशकों का भरोसा बनाए रखा है. लुमैक्स ऑटो टेक्नोलॉजीज भी इस सूची में शामिल है, जिसने बीते एक साल में करीब 114% का रिटर्न दिया है.

शुक्रवार को यह शेयर हल्की गिरावट के साथ 1182.85 रुपये पर बंद हुआ. कंपनी ने 6 महीने में भी लगभग इतनी ही तेजी दिखाई है. त्योहारी सीजन में जब निवेशक नई शुरुआत और शुभ निवेश की ओर देखते हैं, ऐसे में ये शेयर एक प्रेरणा की तरह सामने आए हैं. हालांकि, शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन होता है, इसलिए किसी भी निवेश से पहले उचित रिसर्च और सलाह लेना जरूरी है.

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने रचा इतिहास, उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराया

20 साल बाद एएफसी एशियन कप के लिए क्वालीफाई, 2026 में स्थान सुनिश्चित

- मैच की शुरुआत में भारतीय टीम को झटका लगा
- 55वें मिनट में बास्के के शानदार गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर
- 66वें मिनट में गोल कर भारत को 2-1 की निर्णायक बढ़त मिली

एजेंसियां । बिश्केक (किर्गिस्तान)

भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 20 वर्षों बाद एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है. शुक्रवार को डोलन ओमुर्जाकोव स्टेडियम में खेले गए निर्णायक मुकाबले में भारत ने मेज़बान उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर यह सफलता पाई.

मैच की शुरुआत में भारतीय टीम को झटका लगा जब 38वें मिनट में उज्बेकिस्तान की शकज़ोदा अलीखोनोवा ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी. हालांकि यह बढ़त ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी. भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए खेल का रुख ही बदल दिया.

हेड कोच जोआकिम एलेक्ज़ेंडरसन के रणनीतिक बदलाव निर्णायक साबित हुए. उन्होंने 40वें मिनट में बोनिफिलिया शुल्लाई की जगह थंदमनी बास्के को मैदान पर भेजा, जिन्होंने आते ही खेल की गति बदल दी. 55वें मिनट में बास्के ने शानदार गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया. इसके बाद 66वें मिनट में उन्होंने अनुष्का कुमारी को एक बेहतरीन पास दिया, जिसे अनुष्का ने गोल में तब्दील कर भारत को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिलाई.

इस जीत के साथ भारत ने न केवल मैच अपने नाम किया, बल्कि एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 में स्थान भी पक्का कर लिया. गौरतलब है कि भारत ने पिछली बार 2005 में इस टूर्नामेंट में भाग लिया था, जब क्वालीफिकेशन की व्यवस्था नहीं थी और 11 टीमों को सीधे प्रवेश मिला था. तब से अब तक भारत मेरिट के आधार पर कभी क्वालिफाई नहीं कर पाया था. यह ऐतिहासिक सफलता भारत के महिला फुटबॉल के भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत है. अब भारत की सीनियर महिला टीम, अंडर-20 टीम और अंडर-17 टीम तीनों ही एशियन कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में हिस्सा लेंगी, जो देश में महिला फुटबॉल के विकास को नई दिशा देगा.

भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने श्रीलंकाई पीएम से की मुलाकात

एजेंसियां । नई दिल्ली

टी20 विश्व कप से पहले भारतीय महिला नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने दिल्ली में श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूरिया से मुलाकात की. इस अवसर पर क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) और विश्व कप आयोजन समिति के प्रतिनिधि भी मौजूद थे. श्रीलंका की प्रधानमंत्री भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आई हैं. यह मुलाकात आगामी महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप 2025 से पहले बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसे भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से 11 से 23 नवंबर तक आयोजित करेंगे. इस टूर्नामेंट में भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका की टीमें हिस्सा लेंगी. मैच नई दिल्ली, बेंगलुरु और कोलंबो में खेले जाएंगे. इस प्रतिनिधिमंडल में सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महांतेश जी. किवदसन्नावर, विश्व कप आयोजन समिति की चेयरपर्सन मीना अक्षी लेखी, और महासचिव शैलेंद्र यादव शामिल थे. साथ ही श्रीलंका की भारत में उच्चायुक्त महेशिनी कोलोन भी उपस्थित रहीं. प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूरिया ने कहा कि श्रीलंका इस ऐतिहासिक महिला नेत्रहीन टी20 विश्व कप की सह-मेजबानी कर खुशी महसूस कर रहा है और सभी टीमों को शुभकामनाएं देता है. उन्होंने नेत्रहीन क्रिकेट को प्रेरणादायक पहल बताया और इस प्रयास का समर्थन जताया. डॉ. महांतेश ने कहा कि यह मुलाकात गर्व का क्षण है और भारत-श्रीलंका का यह संयुक्त प्रयास समावेशिता को बढ़ावा देगा तथा नेत्रहीन महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा. भारतीय टीम में बी1, बी2 और बी3 श्रेणी की खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें कप्तान दीपिका टी.सी. और उप कप्तान गंगा एस. कदम प्रमुख हैं. यह विश्व कप समार्थनम ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड के क्रिकेटिंग अंग सीएबीआई द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य दिव्यांग महिला खिलाड़ियों को समान अवसर प्रदान करना है.

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज होगी भारत की अग्नि परीक्षा

एजेंसियां । पर्थ

भारतीय क्रिकेट टीम रविवार, 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत करने जा रही है. यह सीरीज कई मायनों में अहम है, खासकर युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के लिए, जो इस सीरीज से भारत के वनडे कप्तान के रूप में अपना कार्यकाल शुरू कर रहे हैं. गिल ने रोहित शर्मा की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है. इससे पहले उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट कप्तानी में और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम को सफलता दिलाई थी. अब वनडे कप्तान के रूप में वह अपने नेतृत्व कौशल को साबित करना चाहेंगे.

रोहित-कोहली की वापसी पर रहेगी नज़र: इस सीरीज में भारतीय फैंस की निगाहें दो दिग्गज खिलाड़ियों, रोहित शर्मा और विराट कोहली पर टिकी होंगी, जो सात महीने के ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं. दोनों पहले ही टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, और अब पूरी तरह से वनडे फॉर्मेट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं.

श्रेयस अय्यर उपकप्तान, ऑस्ट्रेलिया को झटके: श्रेयस अय्यर को इस सीरीज के लिए टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है. वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन चोट के चलते बाहर हो गए हैं. उनकी जगह मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किया गया है. अन्य बदलावों में, जोश फिलिप को विकेटकीपर के रूप में जोश इंग्लिस की जगह मौका मिला है, जबकि स्पिनर मैथ्यू कुह्नमैन को एडम ज़म्पा की जगह टीम में शामिल किया गया है. ज़म्पा, इंग्लिस और एलेक्स कैरी आखिरी दो मैचों के लिए उपलब्ध होंगे.

ऐश्वर्या पिस्से ने रैली डू मोरोक में रचा इतिहास

पहली भारतीय और एशियाई महिला बनीं रजत पदक विजेता

एजेंसियां । एरफौद (मोरक्को)

भारत की मशहूर मोटरस्पोर्ट रेसर ऐश्वर्या पिस्से ने एक बार फिर देश और एशिया का नाम रोशन किया है. उन्होंने विश्व की सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण मानी जाने वाली 'रैली डू मोरोक' को पूरा करने वाली पहली भारतीय और एशियाई महिला बनने का गौरव हासिल किया है. इसके साथ ही उन्होंने महिला वर्ग में रजत पदक जीता और 2025 एफआईएम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप (डब्ल्यू2 आरसी) में कुल मिलाकर सिल्वर मेडल हासिल किया. यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि भारत और एशिया के लिए भी गर्व का पल है.

'रैली डू मोरोक' को दुनिया की सबसे कठिन क्रॉस-कंट्री रैलियों में से एक माना जाता है और इसे 'डकार रैली' से पहले की अंतिम और सबसे अहम परीक्षा के रूप में देखा जाता है. इस रैली की कुल दूरी 2,299 किलोमीटर थी, जिसमें 1,478 किलोमीटर की स्पेशल स्टेज शामिल थीं. रैली में प्रतिभागियों को रेत के टीलों, पत्थरीले और कठिन रास्तों, तेज़ गर्मी और जटिल नेविगेशन जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है.

ऐश्वर्या ने रैली2 श्रेणी में भाग लिया और इन सभी मुश्किलों के बावजूद अपनी अद्भुत क्षमता और धैर्य का परिचय दिया. उन्होंने महिला वर्ग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जिससे वे विश्व रैली-रेड चैंपियनशिप में पोडियम फिनिश करने वाली पहली भारतीय और एशियाई महिला बन गईं. यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का चौथा विश्व टाइटल भी है, जो उनकी मेहनत और समर्पण का प्रतीक है.

इस सफलता पर ऐश्वर्या पिस्से ने कहा, "मोरक्को ने मेरे कौशल, सहनशक्ति और जज़्बे की परीक्षा ली. इस रैली को पूरा करना और वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर जीतना मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है. यह वर्षों की कड़ी मेहनत, त्याग और विश्वास का परिणाम है. मुझे गर्व है कि मैं भारत और एशिया का झंडा इस मंच पर ऊँचा कर पाई."

ऐश्वर्या पिस्से अब भारत की सबसे सफल महिला मोटरस्पोर्ट रेसर के रूप में उभर चुकी हैं. उनके नाम अब चार विश्व टाइटल्स और 11 नेशनल चैंपियनशिप दर्ज हैं. उनकी यह सफलता आगामी डकार रैली 2026 के लिए तैयारियों में भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है.

टीवीएस रेसिंग और अन्य साझेदारों के समर्थन से एक प्राइवेटियर के रूप में हिस्सा लेते हुए, ऐश्वर्या ने पूरे सीजन में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन और पेशेवर स्तर की प्रतिस्पर्धा दिखाई. उनके जज़्बे और प्रतिबद्धता ने भारत में मोटरस्पोर्ट के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को नई प्रेरणा दी है.

ऐश्वर्या की यह उपलब्धि भारत के लिए मोटरस्पोर्ट में नए कीर्तिमान स्थापित करती है और खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है. उनके साहस, धैर्य और प्रतिभा ने यह साबित कर दिया है कि कठिनतम चुनौती भी जीतना संभव है. ऐश्वर्या पिस्से ने न केवल अपने नाम बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का कारण बनकर साबित किया कि सपनों को हकीकत में बदलना किसी के लिए भी असंभव नहीं.

इस प्रकार, ऐश्वर्या पिस्से का यह इतिहास रचने वाला प्रदर्शन भारतीय मोटरस्पोर्ट के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल बनकर रहेगा.

पलामू गतका संघ की टीम रांची के लिए रवाना

मेदिनीनगर । पलामू गतका संघ की टीम आज सुबह एसजीएफआई स्टेट ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए रांची के लिए रवाना हुई. खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर संघ के अध्यक्ष सोनू नामधारी और संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने शुभकामनाएं दीं. इससे पहले रेड़मा चौक पर एक संक्षिप्त कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें जिला सचिव सुमित बर्मन, सह सचिव दीपेंद्र सिंह, दीपक तिवारी और कोषाध्यक्ष अमरेश कुमार मेहता मौजूद थे.पलामू से कुल 45 खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं, जिनमें कई प्रमुख स्कूलों के छात्र शामिल हैं. अध्यक्ष सोनू नामधारी ने बताया कि गतका केवल एक खेल नहीं बल्कि परंपरा और अनुशासन का प्रतीक है. उन्होंने विश्वास जताया कि पलामू के खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपनी छाप छोड़ेंगे. मुख्य अतिथि अविनाश देव ने खिलाड़ियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि टीम इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगी.

तन्वी शर्मा ने इतिहास रचा, बनीं वर्ल्ड जूनियर बैडमिंटन फाइनल में पहुंचने वाली 5वीं भारतीय

- वर्ल्ड जूनियर्स फाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय खिलाड़ी बनी
- भारत को 17 साल बाद घरेलू धरती पर पदक मिला

एजेंसियां । गुवाहाटी

भारत की प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप्स 2025 के गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में जगह बनाकर देश के लिए एक खास मुकाम हासिल किया है. 16 वर्षीय तन्वी ने सेमीफाइनल में चीन की एशियन जूनियर चैंपियनशिप्स की रजत पदक विजेता लियू सी या को सीधे गेम में 15-11, 15-9 से हराकर अपनी ताकत का परिचय दिया. अब वह फाइनल में थाईलैंड की दूसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अन्यापत फिचितप्रीचासाक से भिड़ेंगी.

इस उपलब्धि के साथ तन्वी शर्मा वर्ल्ड जूनियर्स फाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं. इससे पहले अपर्णा पोपट (1996), साइना नेहवाल (2006, 2008), सिरिल वर्मा (2015) और शंकर मुथुसामी (2022) इस उपलब्धि को हासिल कर चुके हैं.

तन्वी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की साकी मात्सुमोतो को कड़ी टक्कर देते हुए 13-15, 15-9, 15-10 से हराया था. इसी जीत के साथ उन्होंने भारत के लिए पदक पक्का कर लिया था. यह उपलब्धि 2008 में साइना नेहवाल के बाद पहली बार है जब कोई भारतीय महिला खिलाड़ी वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप्स में पदक सुनिश्चित कर पाई है.

इस तरह भारत को 17 साल बाद घरेलू धरती पर वर्ल्ड जूनियर्स में पदक मिला है, जो देश के लिए गर्व की बात है. तन्वी का शानदार प्रदर्शन और हौसला युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है. अब सभी की निगाहें फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां तन्वी अपनी जीत का सिलसिला जारी रखना चाहेंगी.

राष्ट्रीय मंच पर चमकीं हजारीबाग की बेटियां, पांचों खिलाड़ियों का सम्मान

हजारीबाग । हजारीबाग की योग प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय देते हुए जिले का नाम रोशन किया है. मैसूर में 9 से 12 सितंबर तक आयोजित योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया की गोल्डन जुबली सीनियर नेशनल योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 में हजारीबाग योग एसोसिएशन की पांच खिलाड़ियों—सृष्टि जैन, सौम्या, रेनू कुमारी, मधुबाला और अनिता गोस्वामी ने शानदार प्रदर्शन किया. इस प्रतियोगिता में सृष्टि जैन ने चौथा स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया और अब वह आगामी एशियन योगा चैंपियनशिप की दावेदार बन गई हैं. हजारीबाग लौटने पर सभी खिलाड़ियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें युवा समाजसेवी और ओलंपिक संघ के अध्यक्ष हर्ष अजमेरा ने उन्हें सम्मानित करते हुए आगे भी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं. श्री अजमेरा ने कहा कि हजारीबाग की बेटियों ने योग के क्षेत्र में जो प्रदर्शन किया है, वह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है. उन्होंने हजारीबाग योग एसोसिएशन की तेजी से बढ़ती सफलता की भी प्रशंसा की और आशा जताई कि सृष्टि जैन जैसी प्रतिभाएं भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम चमकाएंगी. सम्मान समारोह में हजारीबाग योग एसोसिएशन के संरक्षक एवं ओलंपिक संघ के वरीय उपाध्यक्ष भैया मुरारी सिन्हा, उपाध्यक्ष रीना सिंह, अशोक सिंह, सचिव रविंद्र कुमार, संयुक्त सचिव ज्ञानोदय कुमार, कोषाध्यक्ष रेनू कुमारी, शत्रुंजय कुमार और विकास कुमार दास आदि उपस्थित थे.

कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम ने रचा इतिहास, वर्ल्ड कप फाइनल में जीता कांस्य

एजेंसियां । नानजिंग (चीन)

भारत की स्टार कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ल्ड कप फाइनल में कांस्य पदक अपने नाम किया. वह यह कारनामा करने वाली भारत की पहली महिला कंपाउंड तीरंदाज बन गई हैं.

ज्योति ने कांस्य पदक मुकाबले में विश्व नंबर-2 एला गिब्सन (ग्रेट ब्रिटेन) को 150-145 से हराया. इस मुकाबले में ज्योति ने 15 में से 15 तीरों पर परफेक्ट 10 स्कोर करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और पोडियम पर जगह बनाई.

29 वर्षीय ज्योति ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रूइज को 143-140 से हराकर प्रतियोगिता में शानदार आगाज़ किया. हालांकि सेमीफाइनल में उन्हें विश्व नंबर-1 एंड्रिया बेसेरा (मैक्सिको) से 143-145 की करीबी हार झेलनी पड़ी.

सेमीफाइनल में तीसरे एंड तक ज्योति 87-86 की बढ़त पर थीं, लेकिन चौथे एंड में बेसेरा ने तीनों तीरों पर 10 अंक हासिल कर वापसी की और आखिरी एंड में भी 29-28 से जीत दर्ज कर फाइनल में पहुंच गईं.

कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में ज्योति ने कोई गलती नहीं की और पांचों एंड में लगातार परफेक्ट स्कोर करते हुए गिब्सन को पराजित कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की. यह उनका तीसरा वर्ल्ड कप फाइनल था; इससे पहले 2022 और 2023 में वह शुरुआती राउंड से बाहर हो गई थीं. भारत की एक अन्य कंपाउंड तीरंदाज मधुरा धामनगांवकर पहले ही राउंड में मैक्सिको की मरियाना बरनाल से 142-145 से हारकर बाहर हो गईं. पुरुष कंपाउंड वर्ग में भारत के ऋषभ यादव दक्षिण कोरिया के किम जोंगहो के खिलाफ दिन में बाद में मुकाबला खेलेंगे. रिकर्व वर्ग में इस बार कोई भारतीय क्वालिफाई नहीं कर सका.

फीफा रैंकिंग | एशियाई कप क्वालिफाइंग मैच में सिंगापुर के खिलाफ खराब प्रदर्शन मुख्य कारण

भारत पुरुष फुटबॉल टीम, नौ साल में सबसे निचले स्तर पर

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को फीफा रैंकिंग में पिछले नौ वर्षों में सबसे खराब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है. टीम अब 136वें स्थान पर आ गई है, जो नवंबर और अक्टूबर 2016 में मिली 137वीं रैंकिंग से भी नीचे है. इस गिरावट के पीछे एशियाई कप क्वालिफाइंग के दौरान सिंगापुर के खिलाफ खराब प्रदर्शन मुख्य कारण रहा. भारत ने सिंगापुर के साथ आउटडोर मुकाबले में 1-1 ड्रॉ खेला था, जबकि 14 अक्टूबर को मार्गाओ में हुए होम-लेग मैच में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा. इन नतीजों ने टीम की 2027 एशियाई कप क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को गंभीर झटका दिया है.

फीफा की नवीनतम रैंकिंग में भारत को कुवैत से एक स्थान नीचे और बोत्सवाना से एक स्थान ऊपर रखा गया है. भारतीय टीम की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 1996 के फरवरी माह में 94वीं रही है, जो इस गिरावट के साथ काफी पीछे छूट गई है. टीम के लिए यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि फुटबॉल में निरंतर सुधार और प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बेहतर रैंकिंग बहुत मायने रखती है.

सिंगापुर के खिलाफ हुए मैचों ने भारतीय टीम की कमजोरियों को उजागर किया. दोनों मैचों में टीम का संतुलन और संयोजन कमजोर नजर आया, जिससे एशियाई कप के क्वालिफिकेशन में मुश्किलें बढ़ गई हैं. भारतीय टीम अब कड़ी मेहनत और रणनीतिक बदलावों के साथ वापसी करने की जरूरत में है. भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को तकनीकी और मानसिक दोनों स्तरों पर सुधार करना होगा.

इस समय टीम के लिए चुनौती यह है कि वह आगामी मुकाबलों में अपनी कमजोरियों को दूर करे और एशियाई फुटबॉल में अपनी पकड़ मजबूत बनाए. साथ ही, देश में फुटबॉल के विकास और प्रतिभा निखारने के प्रयासों को भी तेज किया जाना आवश्यक है, ताकि भारत फुटबॉल के अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी स्थिति सुधार सके.

भारत के फुटबॉल प्रेमियों और विशेषज्ञों की निगाहें अब टीम के आगामी मैचों और सुधार प्रयासों पर टिकी हैं, जिससे उम्मीद की जा रही है कि टीम जल्द ही बेहतर प्रदर्शन कर इस निचले स्तर से ऊपर उठेगी.

अंतर डिवीजन बैडमिंटन टूर्नामेंट संपन्न, रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया बेहतरीन खेल

शुभम संदेश । जमशेदपुर

मोहन आहूजा स्टेडियम, जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित अंतर डिवीजन बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य समापन हुआ. इस प्रतियोगिता में कुल 198 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें पुरुष और महिला टीमों के अलावा पुरुष एवं महिला एकल स्पर्धाएं शामिल थीं. टीम स्पर्धाओं में 136 तथा एकल स्पर्धाओं में 62 खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन कौशल का प्रदर्शन किया.महिला टीम प्रतियोगिता में एनआईएनएल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया. वेस्ट बोकारो उपविजेता रहा, जबकि तीसरा स्थान शेयर्ड सर्विसेज के नाम रहा. पुरुष टीम इवेंट में टीएसजे ऑपरेशंस ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया. जनरल ऑफिस दूसरे और टीएसएम तीसरे स्थान पर रहे. महिला एकल स्पर्धा में एनआईएनएल की अनन्या तिग्गा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. वेस्ट बोकारो की दीपिका दूसरे और डी लिखिता तीसरे स्थान पर रहीं. पुरुष एकल में शेयर्ड सर्विसेज के सयान हाज़रा ने विजेता का खिताब जीता. टीएसजे ऑपरेशंस के आलोक मन्ना उपविजेता रहे, जबकि वेस्ट बोकारो के प्रिंस तीसरे स्थान पर रहे.टूर्नामेंट के समापन समारोह में मुख्य खेल अधिकारी मुकुल विनायक चौधरी मुख्य अतिथि थे. उन्होंने सभी खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और अनुकरणीय खेल भावना की सराहना की. उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन खेलों को बढ़ावा देने और प्रतिभाओं को उभरने का अवसर प्रदान करते हैं. इस टूर्नामेंट ने बैडमिंटन प्रेमियों के बीच उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना को और मजबूत किया है.

कोडरमा डीसी ने यूटिलिटी टास्क फोर्स की बैठक में दिए महत्वपूर्ण दिशानिर्देश

शुभम संदेश। कोडरमा

जिले की प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की

उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में यूटिलिटी टास्क फोर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले की विभिन्न आधारभूत संरचना एवं विकास परियोजनाओं की गहन समीक्षा की गई। इस बैठक में झुमरी तिलैया शहरी जलापूर्ति योजना, कोडरमा एवं डोमचांच जलापूर्ति योजनाओं के साथ-साथ पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, भवन निर्माण निगम लिमिटेड, करमा मेडिकल कॉलेज, विद्युत विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच), डीवीसी केटीपीएस सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर चर्चा हुई,

उपायुक्त ऋतुराज ने जुडको के प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि झुमरी तिलैया, कोडरमा एवं डोमचांच के जलापूर्ति कार्यों में कोई भी बाधा न आए और नियमित रूप से पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पाइपलाइन बिछाने के कार्यों में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि सभी कार्य समय सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं.

भवन निर्माण निगम लिमिटेड के अंतर्गत निर्माणाधीन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज गोहाल, करमा मेडिकल कॉलेज, बीएससी नर्सिंग कॉलेज और कोल्ड स्टोरेज पुरनाडीह की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि ये निर्माण कार्य निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किए जाएं, ताकि जिले की शैक्षणिक और औद्योगिक संरचना मजबूत हो सके।

विद्युत आपूर्ति के विषय में उपायुक्त ऋतुराज ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूरे जिले में विशेषकर त्यौहारों के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग और डीवीसी केटीपीएस परियोजनाओं की भी नियमित प्रगति पर नजर रखने का आग्रह किया गया.

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती रिया सिंह, कार्यपालक अभियंता और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने भी सभी परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के लिए सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया.

इस बैठक के जरिये उपायुक्त ऋतुराज ने कोडरमा जिले के विकास कार्यों में तेजी लाने और जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता के प्रति सतर्क रहने के निर्देश दिए ताकि जिले की प्रगति निरंतर बनी रहे.

उपायुक्त ने एफआरए के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर की बैठक

कोडरमा। उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में वन अधिकार अधिनियम, 2006 (एफआरए) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन पट्टों को अधिक से अधिक संख्या में निर्गत किया जाए ताकि वनवासियों को उनके वैधानिक अधिकार समय पर मिल सकें। उन्होंने लंबित दावों के शीघ्र निपटारे और विभागीय समन्वय पर भी जोर दिया। बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे

धनतेरस पर हंटरगंज बाजार में खरीदारी के लिए उमड़ी भीड़, पुलिस प्रशासन रहा सतर्क

चतरा। कार्तिक कृष्ण पक्ष त्रयोदशी के शुभ अवसर पर शनिवार को हंटरगंज बाजार में धनतेरस का त्योहार धूमधाम से मनाया गया. बाजार में बर्तन, कपड़े, फर्नीचर, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक्स, और झाड़ू की जमकर खरीदारी हुई. कौलेश्वरी मोड़ से लेकर चतरा बस स्टैंड तक बाजार गुलजार रहा. सोने-चांदी के गहनों की दुकानें भी ग्राहकों से भरी रहीं. ऑटोमोबाइल शोरूम में बाइक की बिक्री भी उच्च स्तर पर रही. खास बात यह रही कि झाड़ू की खरीदारी में भी जबरदस्त वृद्धि हुई क्योंकि माना जाता है कि इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है. दुकानदारों ने आकर्षक सजावट और विशेष ऑफर के साथ ग्राहकों को लुभाया. देर शाम तक बाजार में चहल-पहल जारी रही. लोग धनतेरस के साथ-साथ दीपावली की तैयारियों में भी व्यस्त दिखे, घरों की सफाई, रंगाई और मूर्ति की खरीदारी में जुटे रहे. पुलिस प्रशासन भी पूरी मुस्तैदी के साथ बाजार में चप्पे-चप्पे पर तैनात रही. बाइक से गश्त करते हुए पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखी, जिससे लोग सुरक्षित और आराम से खरीदारी कर सके. प्रशासन ने त्योहारों के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए हैं.

स्कूली बच्चों ने रंगोली बनाकर जलाए दीये

केरेडारी। दीपावली के पावन त्योहार पर केरेडारी के जोरदाग गांव स्थित कृपालु वैदिक इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को रंगोली और दीप जलाकर उत्साहपूर्वक दिवाली मनाई गई. बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए सुंदर रंगोली बनाई और दीयों की रोशनी से स्कूल को जगमगाया. शिक्षकों ने बच्चों को पारंपरिक तरीके से दीपावली मनाने के महत्व और सांस्कृतिक शिक्षा दी. इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक मुकेश कुमार, राजदीप कुमार, देवंती देवी, मीना कुमारी, मंजू कुमारी, ममता और मिल्ली कुमारी भी बच्चों के उत्सव में शामिल होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं. बच्चों की खुशी देखकर सभी प्रसन्न दिखे और उन्होंने इस त्योहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया. दीपावली के इस उत्सव ने स्कूल में त्योहारी माहौल बना दिया और सभी को एकजुट करने का अवसर प्रदान किया.

धनतेरस व दीपावली को लेकर चौपारण पुलिस अलर्ट, बाजार व चौक-चौराहों का किया निरीक्षण

चौपारण (हजारीबाग)। धनतेरस और दीपावली पर्व को लेकर चौपारण पुलिस पूरी सतर्कता के साथ तैनात है. शनिवार को थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में पुलिस बल ने चौपारण बाजार और मुख्य चौक-चौराहों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की. पुलिस ने दुकानदारों और नागरिकों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत देने की अपील की. बरही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डीएसपी के निर्देश पर त्योहार के दौरान विशेष गश्ती दल बनाए गए हैं जो लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहे हैं. पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती के साथ शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने का पूरा प्रयास किया जा रहा है. पुलिस ने आम जनता से सहयोग की भी अपील की है ताकि त्योहार शांतिपूर्ण रूप से मनाया जाए.

चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

बोकारो। सतर्कता जागरुकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-12/ई में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 84 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में सतर्कता, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना था. विद्यार्थियों ने सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर चित्रकला एवं भाषण के माध्यम से अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए. इस अवसर पर बीएसएल के शनि रंजन, सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता), पंकज कुमार, वरीय प्रबंधक (सतर्कता) के साथ प्रवीण कुमार, प्राचार्य एवं सतर्कता विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे.

धनतेरस पर बोकारो के बाजारों में खरीदारी की जबरदस्त रौनक

बोकारो। धनतेरस का त्योहार इस बार भी खरीदारी की रौनक लेकर आया. सेक्टर-4 सिटी सेंटर, चास और तुपकाड़ीह बाजारों में सुबह से ही ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. बीएसएल कर्मियों को बोनस मिलने का असर बाजारों में स्पष्ट रूप से देखने को मिला. दोपहर तक तो मानो बाजारों में कदम रखने की जगह भी नहीं बची. देर रात तक दुकानों पर बर्तन, सोफा, फ्रिज, स्कूटी, सोने-चांदी के गहनों की जमकर खरीदारी होती रही. परंपरा के अनुसार लोगों ने शुभ माने जाने वाले झाड़ू, नमक, हल्दी और धनिया की भी खरीद की. दीपावली और गोवर्धन पूजा की तैयारियों को देखते हुए तांबे-पीतल के बर्तन, पूजा सामग्री, फूल-माला, फल और मिट्टी के दीयों की मांग भी चरम पर रही.

उपायुक्त ने इचाक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व पंचायत भवन का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को दिए आवश्यक निर्देश

शुभम संदेश। हजारीबाग

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने गुरुवार को इचाक प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और करियातपुर पंचायत भवन का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल परिसर के विभिन्न वार्डों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया और कई जरूरी निर्देश दिए.

सबसे पहले उन्होंने दवा भंडार गृह में दवाओं की उपलब्धता की जांच की और स्टॉक पंजी का मिलान किया. बच्चों को दिए जा रहे टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए उन्होंने सिविल सर्जन को मॉनिटरिंग तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया. अस्पताल में एंटी वेनम और एंटी रेबीज जैसी आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की भी जांच की गई.

उन्होंने जन्म प्रमाण पत्र और टीकाकरण से संबंधित डेटा को समय पर संधारित करने तथा नवजात शिशुओं का हेल्थ ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखने के निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि पिछले दो महीनों से ऑनलाइन स्टॉक संधारण नहीं किया गया है, जिस पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई और संबंधित क्लर्क से स्पष्टीकरण मांगा.

नेत्र जांच कक्ष का निरीक्षण करते हुए उन्होंने मरीजों से बातचीत की और 15 नवंबर तक मोतियाबिंद जांच हेतु विशेष शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया. प्रसव कक्ष में नवजात और माताओं की स्वास्थ्य ट्रैकिंग एवं वेंटीलेटर की कार्यप्रणाली की भी जांच की गई.

निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष विभिन्न समस्याएं रखीं, जिन्हें उपायुक्त ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समाधान सुनिश्चित करने को कहा.

इसके बाद करियातपुर पंचायत भवन का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने साफ-सफाई बनाए रखने और लाभुकों की सूची को दीवार लेखन के माध्यम से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया. वीएलई कक्ष में जन्म प्रमाण पत्र निर्गतीकरण प्रक्रिया की भी जांच की गई. एक दिव्यांग व्यक्ति की ट्राई साइकिल की मांग पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया.

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को सेवा में पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता लाने के स्पष्ट निर्देश दिए गए.

खाद्य सुरक्षा विभाग का निरीक्षण अभियान, तीन प्रतिष्ठानों पर 75,000 जुर्माना

रामगढ़। उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर त्योहारों के मद्देनजर शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा रामगढ़ में होटल और मिठाई दुकानों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया. अभिहित अधिकारी डॉ. नवल कुमार और खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह के नेतृत्व में होटल मिलन, एल बी फूड, उमेश स्वीट्स और सिद्धि स्वीट्स समेत कई प्रतिष्ठानों की जांच की गई. निरीक्षण में एल बी फूड और उमेश स्वीट्स को बिना लाइसेंस संचालन पर 25,000-25,000 का जुर्माना लगाया गया. वहीं सिद्धि स्वीट्स पर भी केवल पंजीकरण के आधार पर कारोबार चलाने और 12 लाख से अधिक के वार्षिक टर्नओवर के बावजूद लाइसेंस न लेने पर 25,000 का जुर्माना लगाया गया. निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, एक्सपायरी डेट, लेबलिंग, स्वच्छता और साफ पानी के उपयोग की जांच की गई. सभी दुकानदारों को एफएसएसएआई मानकों का पालन करने, सैंथेटिक रंगों से बचने और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए.

पर्वों के दौरान आगजनी की संभावनाओं को देखते हुए बर्न वार्ड को 24×7 क्रियाशील रखने के निर्देश

शुभम संदेश। हजारीबाग

में आगामी दीपावली और छठ पर्व को लेकर आगजनी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने जिले के सभी प्रमुख अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों के बर्न वार्ड को 24 घंटे क्रियाशील रखने के निर्देश दिए हैं. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट कहा कि शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बरही अनुमंडलीय अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बर्न वार्ड की आवश्यक तैयारियां समय से पूरी की जाएं.

उपायुक्त ने आवश्यक चिकित्सीय संसाधन, दवाइयां और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि पर्वों के दौरान आगजनी या किसी भी आकस्मिक घटना में त्वरित चिकित्सा सेवा प्रदान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता होगी. साथ ही सिविल सर्जन हजारीबाग को निर्देश दिया गया है कि सभी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बर्न ट्रीटमेंट से जुड़ी दवाइयों और अन्य आवश्यक सामग्रियों का पर्याप्त भंडारण रखा जाए.

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी बर्न वार्ड की मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी ताकि तत्काल प्रारंभिक उपचार दिया जा सके. उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा है कि पर्वों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की कमी न हो, इसके लिए विशेष निगरानी रखी जाए. इस प्रकार, प्रशासन पूरी तरह सतर्क है ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना में प्रभावी चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके.

क्लासिक लीजेंड्स का ऑफर: अभी चलाएं, 2026 में पैसा चुकाएं

हजारीबाग। क्लासिक मोटरसाइकिल प्रेमियों के लिए खुशखबरी है. प्रतिष्ठित दोपहिया वाहन निर्माता क्लासिक लीजेंड्स ने ग्राहकों के लिए एक खास ऑफर – 'अभी चलाएँ, 2026 में पैसा चुकाएँ' – की शुरुआत की है. यह ऑफर एलएंडटी फाइनेंस जैसी अग्रणी एनबीएफसी कंपनी के सहयोग से शुरू किया गया है, जिससे ग्राहकों को बाइक खरीदना और आसान हो गया है.

क्लासिक लीजेंड्स प्राइवेट लिमिटेड के चीफ बिजनेस अफसर शरद अग्रवाल ने बताया कि यह ऑफर ग्राहकों को वित्तीय रूप से सहज अनुभव देने और क्लासिक मोटरसाइकिल के प्रति उनके जुनून को पूरा करने के उद्देश्य से लाया गया है. कंपनी की यह पहल मोटरसाइकिलिंग को अधिक सुलभ और आनंददायक बनाने की दिशा में एक अहम कदम है.

यह ऑफर उन ग्राहकों के लिए विशेष रूप से लाभदायक होगा जो बिना भुगतान के अपनी पसंदीदा बाइक का आनंद लेना चाहते हैं.

चंदवारा में सड़क हादसा: हाईवा की चपेट में आकर महिला गंभीर रूप से घायल

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची-पटना मुख्य मार्ग पर बांझेडीह रोड के समीप रविवार शाम करीब 5 बजे एक तेज रफ्तार हाईवा ने स्कूटी सवार महिला को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. घायल महिला की पहचान विमला देवी (28 वर्ष), ग्राम जामुखांडी, थाना चंदवारा के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, वह तिलैया से उरवाँ जा रही थीं, तभी झुमरी तिलैया से आ रही हाईवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. स्थानीय लोगों का कहना है कि बांझेडीह में प्रतिदिन तेज रफ्तार में एश लोड हाईवा गुजरती हैं और सड़क के दोनों ओर हाईवा खड़ी रहती है, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है. सूचना मिलते ही थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार मौके पर पहुंचे .

विधायक के प्रयास से हजारीबाग की सड़कों पर लौट आई रौनक

शुभम संदेश। हजारीबाग

नगर निगम क्षेत्र की जर्जर सड़कों से त्रस्त हज़ारीबाग़ की जनता को अब राहत मिलने लगी है. लंबे समय से सड़कों की बदहाली, गड्ढे, कीचड़ और जलजमाव जैसी समस्याओं से जूझ रहे नागरिकों को अब साफ-सुथरी और मजबूत सड़कों की सौगात मिल रही है. इस परिवर्तन के पीछे विधायक प्रदीप प्रसाद की सतत कोशिशें और संघर्ष हैं. उन्होंने जनता की पीड़ा को गंभीरता से लिया और नगर निगम व जिला प्रशासन का लगातार ध्यान इस ओर आकर्षित किया. जब बात नहीं बनी तो उन्होंने लेपो रोड पर बैल से हल जोतकर प्रतीकात्मक विरोध किया, जिससे जनभावनाओं की गूंज प्रशासन तक पहुँची. आज उसी संघर्ष का परिणाम है कि लेपो रोड सहित कई प्रमुख सड़कों का पुनर्निर्माण हो चुका है. यह केवल विकास नहीं, बल्कि जनता की आवाज़ की जीत है. विधायक प्रसाद ने कहा, "जब जनता की बात ईमानदारी से उठाई जाती है, तो नतीजे ज़रूर आते हैं. यह जनता के विश्वास और सहभागिता की ताकत है." उन्होंने नगर निगम और सभी विभागों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी के समन्वय से ही यह कार्य संभव हो पाया. उन्होंने बताया कि आने वाले समय में एनएच सड़कें, नाले और जल निकासी व्यवस्था को भी बेहतर बनाया जाएगा.

विधायक ने जनता से अपील की कि वे नई सड़कों की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखें ताकि यह विकास लंबे समय तक टिक सके. उन्होंने कहा, "जनता की सेवा मेरा धर्म है और हज़ारीबाग़ का विकास मेरी प्राथमिकता."

चौपारण में खेत की जुताई के दौरान निकले दर्जनों रसेल वाइपर इलाके में मचा हड़कंप

चौपारण (हजारीबाग)। शनिवार को चौपारण के चतरा रोड स्थित खेत में ट्रैक्टर से जुताई के दौरान मिट्टी के नीचे छिपे दर्जनों रसेल वाइपर सांप निकल आने से हड़कंप मच गया. मजदूर और आसपास के लोग डर गए. सूचना मिलने पर वनपाल पंकज कुमार की टीम मौके पर पहुंची और सावधानी से जीवित व घायल सांपों को पकड़ कर नजदीकी जंगल में छोड़ा. मारे गए सांपों का भी सही तरीके से निस्तारण किया गया. वनपाल ने कहा कि रसेल वाइपर बेहद विषैला और आक्रामक होता है, जिसकी लंबाई 4-5 फीट तक होती है. उन्होंने ग्रामीणों से सफाई बनाए रखने और सांप दिखने पर मारने की बजाय वन विभाग को सूचित करने की अपील की. इससे जान-माल का नुकसान टाला जा सकता है.

एक नजर

होली फेथ स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता

गावां (गिरिडीह)। होली फेथ पब्लिक स्कूल, गावां में दीपावली के अवसर पर शनिवार को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. उन्होंने रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाकर दीपावली के पूर्व उत्सव मनाया. विद्यालय के प्राचार्य मुकेश चौधरी ने बताया कि छात्राओं की रंगोली बनाने की प्रतिभा देखकर शिक्षक भी आश्चर्यचकित रह गए. बच्चों ने इतनी सुंदर रंगोलियां बनाई कि प्रथम पुरस्कार तय करना कठिन हो गया. विद्यालय के शिक्षकों एवं निर्णायक मंडली ने प्रतियोगिता को दो वर्गों में विभाजित कर तीन-तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया. कक्षा नर्सरी से यूकेजी वर्ग में प्रथम स्थान परी कुमारी, द्वितीय स्थान इशिता कुमारी, तृतीय स्थान आह्वान आर्य, वहीं कक्षा प्रथम से अष्टम वर्ग में प्रथम स्थान कोमल कुमारी, द्वितीय स्थान स्वाति कुमारी, तृतीय स्थान प्रेम कुमार को दिया गया. साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं की हौसला-अफजाई की गई.

डीएवी सेक्टर-4 में दीपावली थीम पर बच्चों ने उकेरी अपनी कल्पनाशीलता

बोकारो। डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में आपसी प्रेम, सौहार्द और खुशियों के पर्व दीपावली के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. विशेष प्रार्थना सभा के माध्यम से विद्यार्थियों ने दीपावली से जुड़े विभिन्न पहलुओं को प्रभावशाली और भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया. कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों ने दीपावली पर कविता-पाठ, नाटक, पर्व से जुड़ी महत्वपूर्ण कथाएं, दीपावली पर किए जाने वाले क्रियाकलाप तथा इस अवसर पर बरती जाने वाली सावधानियों पर आधारित नाट्य-प्रस्तुतियां दीं. विद्यार्थियों ने दीपावली पर्व की महत्ता और मान्यता को अत्यंत सरल और सहज ढंग से आत्मसात किया. कक्षा 6 और 7 के विद्यार्थियों के लिए अंतर-सदनीय कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रत्येक सदन से आठ-आठ विद्यार्थियों ने सहभागिता की. दिवाली, नववर्ष, फागुन आदि विषयों पर बच्चों ने अत्यंत आकर्षक और सृजनशील कार्ड तैयार किए.

एसडीओ की पहल से पथरगामा काली मेला विवाद सुलझा

गोड्डा/पथरगामा। प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद काली पूजा के अवसर पर लगने वाले मेले को लेकर उत्पन्न विवाद सुलझा लिया गया है. पथरगामा में मां काली पूजा समिति और अनुमंडल पदाधिकारी के बीच हुई वार्ता के बाद निर्णय लिया गया कि पूर्व की भांति मंदिर परिसर में ही मेला लगाये जायेंगे. गोड्डा अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव की पहल पर शनिवार दोपहर बाद पथरगामा प्रखंड कार्यालय परिसर में मां काली पूजा समिति के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक के दौरान एसडीओ ने कहा कि पूर्व की तरह मां काली मंदिर परिसर में ही मेला लगाया जाएगा. उन्होंने समिति के सदस्यों से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से पूजा एवं मेला आयोजन करने का आग्रह किया. एसडीओ ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह समिति के साथ है, लेकिन समिति के सदस्यों का भी यह दायित्व है कि वे प्रशासन को सहयोग दें, ताकि पूजा और मेला शांतिपूर्वक संपन्न हो सके.

बीएसएल ने टाउनशिप में चलाया विशेष अभियान

बोकारो। दीपावली एवं छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए बीएसएल ने बोकारो टाउनशिप क्षेत्र में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण कार्यों को और अधिक गति प्रदान की है. बीएसएल के पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा इस विशेष स्वच्छता अभियान का उद्देश्य टाउनशिप के प्रत्येक क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और उत्सवमय वातावरण प्रदान करना है. यह अभियान नियमित सफाई कार्यों के साथ-साथ सतत रूप से संचालित किया जा रहा है. टाउनशिप के सभी सेक्टरों एवं सार्वजनिक स्थलों में सफाई मित्रों की समर्पित टीम घर-घर से कचरा संग्रहण, सड़कों, गलियों और जलाशयों की सफाई पूरे उत्साह और तत्परता के साथ कर रही है. विशेष रूप से छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए तालाबों और जलाशयों की सफाई पर विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल और स्वच्छ परिवेश उपलब्ध हो सके. वर्तमान में टाउनशिप के विभिन्न क्षेत्रों में 650 से अधिक डस्टबिन स्थापित हैं, जिनके माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही है.

बीएसएल यातायात विभाग में यार्ड मास्टर कोऑर्डिनेशन पर कार्यशाला

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के यातायात विभाग द्वारा रेल भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में "यार्ड मास्टर कोऑर्डिनेशन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर यातायात विभाग के महाप्रबंधक (यातायात) आरके पात्रो, महाप्रबंधक मोहम्मद शहाबुद्दीन, महाप्रबंधक एस. पात्रा, बीपीएससीएल के उप महाप्रबंधक टीके मंत्री, आर. शर्मा सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे. कार्यक्रम की शुरुआत में कनिष्ठ प्रबंधक (यातायात) कपूर रंजन ने सभी का स्वागत किया और कार्यशाला के उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला. इसके पश्चात एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से यातायात विभाग की प्रमुख गतिविधियों, डैमरेज और डिटेंशन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं.

सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

बोकारो। सतर्कता जागरुकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन महीने के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-08/बी में विद्यार्थियों के लिए नारा एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 25 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में सतर्कता, ईमानदारी और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरुकता उत्पन्न करना है. विद्यार्थियों ने सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर अपने विचारों को नारा एवं भाषण के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. नारा प्रतियोगिता में शिवम राज झा को प्रथम, सुभाष राज झा को द्वितीय, आशीष को तृतीय तथा अनिशा को सांत्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया. हिंदी भाषा के भाषण प्रतियोगिता में नयनतारा को प्रथम, सिमरन को द्वितीय, खुशबु को तृतीय तथा रूबी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया.

हयात पॉलीक्लिनिक में जांच के नाम पर खानापूर्ति

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड में हयात पॉलीक्लिनिक में जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है. इस पॉलीक्लिनिक को जिला स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर दस्तावेज और चिकित्सीय उपकरणों के अभाव के कारण बंद रखने का आदेश दिया गया था. लेकिन जांच टीम जब यहाँ पहुंचती है, तो पॉलीक्लिनिक के भीतर लगभग सभी चिकित्सीय उपकरण उपलब्ध हो जाते हैं. यह स्थिति राजमहल की आम जनता द्वारा भी देखी जा रही है. बीते 5 अक्टूबर को साहिबगंज सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान को सूचना मिली कि हयात पॉलीक्लिनिक में जच्चा-बच्चा की मौत की घटना हुई है और वहां बिना ऑक्सीजन सिलेंडर और अन्य आवश्यक चिकित्सीय उपकरण के सिजेरियन किए जा रहे हैं. सूचना के अनुसार, साहिबगंज से सरकारी चिकित्सक भी यहां सेवा दे रहे थे.

शिक्षक सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित

जमुआ (गिरिडीह)। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, जमुआ द्वारा जमुआ स्थित कन्या मध्य विद्यालय में शनिवार को शिक्षक सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षक संघ के अध्यक्ष बिनोद राम गुप्ता एवं संचालन मनोज कुमार और प्रवीण कुमार ने संयुक्त रूप से किया. कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया. वर्ष 2024-25 में सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को संघ द्वारा शॉल और फूल माला के साथ उपहार देकर सम्मानित किया गया. सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान एवं विदाई प्रत्येक वर्ष शिक्षक संगठन द्वारा किया जाता है. इस वर्ष भी सेवानिवृत्त शिक्षकों को एक साथ सेवानिवृत्ति सम्मान एवं विदाई दी गई. कार्यक्रम में अखिल प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष बिनोद राम गुप्ता, मिथिलेश कुमार पांडेय, भागीरथ वर्मा, कमलेश पांडेय, राजीव कुमार, धारावती देवी, रामदेव राना, रमाकांत वर्मा, देवेंद्र कुमार, गणेश महतो, चिन्मय गोस्वामी, नरेश पांडेय, शिवशंकर यादव, बैजनाथ मंडल, रामचन्द्र यादव, कृष्ण कुमार यादव आदि उपस्थित थे. मुख्य अतिथि मंजू कुमारी ने कहा कि शिक्षक कभी सेवानिवृत्त नहीं होते, बल्कि सेवा के नियम के अंतर्गत सेवानिवृत्त होते हैं. उनका मार्गदर्शन हमेशा मिलना चाहिए. पूर्व डीडीओ गिरीश कुमार ने कहा कि सभी शिक्षकों का अभी भी सम्मान है और वे इस सम्मान के हकदार हैं.

न्यूज अपडेट

नेपाल के राष्ट्रपति ने स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए दिए निर्देश

काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों को निर्देश दिया है कि वे राजनीतिक दलों और जनता में यह विश्वास पैदा करें कि भयमुक्त वातावरण में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होंगे.पौडेल ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और उनके मंत्रियों की उपस्थिति में आयोजित एक बैठक के दौरान सभी चार सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों को ये निर्देश दिए.राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल ने बताया कि उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को शांति और सुरक्षा बनाए रखने तथा भयमुक्त वातावरण में चुनाव संपन्न कराने का निर्देश दिया है. इस अवसर पर प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि सरकार स्वतंत्र, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में चुनाव कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी.

डॉ. हिमंत बिस्व सरमा मंत्रिमंडल में बीपीएफ नेता चरण बोडो शामिल

गुवाहाटी। असम की राजनीति में आज एक अहम बदलाव देखने को मिला, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) नेता चरण बोडो ने शनिवार को असम स्टेट कैबिनेट के विस्तार के बाद कैबिनेट मिनिस्टर के तौर पर शपथ ली. शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में हुआ, जहां राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद की शपथ दिलाई. इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और बीपीएफ प्रमुख एवं बीटीसी के सीईएम हग्रामा मोहिलरी भी मौजूद थे. चरण बोडो का कैबिनेट में शामिल होना, विपक्ष में सालों तक काम करने के बाद, रूलिंग एनडीए अलायंस में बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट की ऑफिशियल वापसी का प्रतीक है. इस कदम को अगले विधानसभा चुनाव से पहले एक रणनीति तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे राज्य सरकार में बीपीएफ पार्टी का रोल मजबूत होगा.

आरएसएस के पथ संचलन में भाग लेने पर पीडीओ निलंबित

बेंगलुरु । कर्नाटक में ग्रामीण विकास और पंचायत राज विभाग (आरडीपीआर) के आयुक्त ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पथ संचलन में भाग लेने वाले पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) प्रवीण कुमार केपी को दप से निलंबित करने का आदेश जारी किया है. कर्नाटक के रायचूर ज़िले के सिरवारा तालुक के पीडीओ प्रवीण कुमार को निलंबित कर दिया गया है. उन्होंने 12 अक्टूबर, 2025 को लिंगसुगुर कस्बे में आरएसएस शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम (पथ संचलन) में भाग लिया था. ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रवीण कुमार केपी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गणवेश पहनकर और हाथ में लाठी लेकर पथ संचलन में भाग लिया था.

जम्मू : सीबीआई ने जेकेएलएफसी के अधिकारी को घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा

जम्मू। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख वित्त निगम (जेकेएलएफसी) के कानूनी अनुभाग अधिकारी सुनील जांजुआ को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. सीबीआई के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने निगम से लिए गए 51 लाख रुपये के लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यम ऋण के निपटारे के लिए अपनी फाइल जमा की थी. फाइल को आगे बढ़ाने के लिए अधिकारी ने 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी. बातचीत के बाद पहले चरण में 20 हजार रुपये देने की बात तय हुई. सीबीआई ने 17 अक्टूबर को जाल बिछाकर आरोपी को उस समय पकड़ा, जब वह शिकायतकर्ता से यूपीआई के माध्यम से 20 हजार रुपये ले रहा था.

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाह कार जॉन बोल्टन जमानत पर रिहा

वाशिंगटन। ग्रीनबेल्ट कोर्टहाउस मैरीलैंड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन को शुक्रवार को निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया. वह इन दिनों ट्रंप के मुखर आलोचक हैं. पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पर गोपनीय जानकारी का दुरुपयोग करने का आरोप है. उन्होंने अदालत में आत्मसमर्पण करते हुए निर्दोष होने की दलील दी.द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय बोल्टन ने अदालत में अपना पक्ष रखा. उन्होंने सुनवाई के दौरान कहा कि अति गोपनीय राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्रसारित करने और उसे अपने पास रखने के 18 मामलों में वह पूरी तरह निर्दोष हैं.

बलूचिस्तान में अगवा एसी अफजल बाकी का बेटा सुरक्षित मिला

लाहौर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के जियारत इलाके से दो महीने पहले अगवा किए गए असिस्टेंट कमिश्नर (एसी) मुहम्मद अफजल बाकी के बेटे मुस्तनसर बिलाल को सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षित बरामद कर लिया है. बिलाल को हरनाई जिले के जरदालो इलाके से शनिवार को सुरक्षात्मक हिरासत में लिया गया, ताकि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.हालांकि अफजल बाकी अब भी लापता हैं, जिससे प्रशासनिक और सरकारी हलकों में गहरी चिंता का माहौल है.

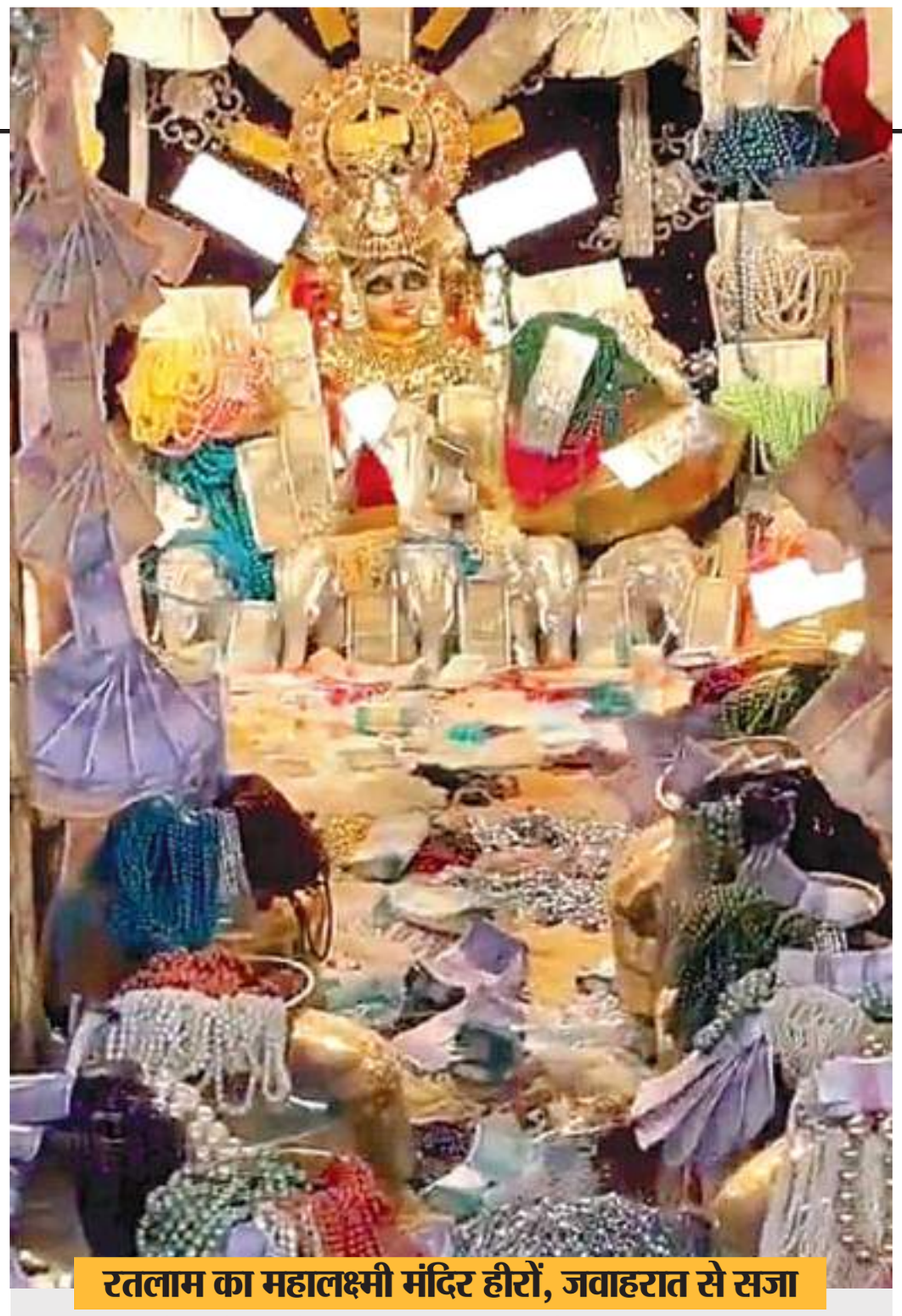

रतलाम का महालक्ष्मी मंदिर हीरों, जवाहरात से सजा

रतलाम (मध्य प्रदेश) । दीपोत्सव की रौनक के बीच रतलाम का मां महालक्ष्मी मंदिर इस बार भी अपनी अनोखी और भव्य सजावट के लिए चर्चा में है. मंदिर को फूलों से नहीं, बल्कि हीरों, जवाहरात और नोटों की मालाओं से सजाया गया है. गर्भगृह से लेकर दीवारों तक हर जगह मुद्रा और आभूषणों की चमक नजर आ रही है. किसी लड़ी में 10 रुपये के नोट हैं तो किसी में 500 के, यहां ऐसा लग रहा है जैसे कि पूरा मंदिर मानो कुबेर का खजाना बन गया हो. मंदिर समिति के अनुसार, इस वर्ष करीब दो करोड़ रुपये की नकदी और आभूषणों से मंदिर को सजाया गया है. दीपोत्सव के पांच दिन पूरे होने के बाद यह सारा धन और आभूषण "प्रसादी" के रूप में दाताओं को लौटा दिया जाएगा. परंपरा के मुताबिक अब तक यहां से एक रुपये का भी हेरफेर नहीं हुआ है. इस बार की सजावट में रतलाम, झाबुआ, मंदसौर, नीमच, गुजरात और राजस्थान से भी बड़ी संख्या में भक्तों ने योगदान दिया है. कई श्रद्धालुओं ने पांच लाख रुपये तक का दान किया. लगभग 1000 भक्तों ने मिलकर इस बार की सजावट को आकार दिया है. हर दान की ऑनलाइन एंट्री और डिजिटल रिकॉर्डिंग की गई है. नोट गिनने की मशीनों का प्रयोग हुआ और नकदी जमा करने वालों का नाम, पता, फोटो और मोबाइल नंबर दर्ज किया गया है.

गोरखालैंड मुद्दे पर वार्ताकार की नियुक्ति से पश्चिम बंगाल में सियासी घमासान तेज

ममता ने पीएम को पत्र लिख कर जाहिर की नाराजगी

एजेंसियां । कोलकाता

गोरखालैंड मुद्दे पर केंद्र सरकार द्वारा पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सीमा सुरक्षा बल के पूर्व महानिदेशक पंकज कुमार सिंह को वार्ताकार नियुक्त किए जाने के फैसले ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल मचा दी है. इस कदम का जहां भाजपा और पहाड़ी दलों ने स्वागत किया है, वहीं राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इसे आगामी विधानसभा चुनावों से पहले की "राजनीतिक चाल" करार दिया है. गौरतलब है कि प्रस्तावित गोरखालैंड राज्य में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, कर्सियांग और उत्तर बंगाल के तराई व डुआर्स के कुछ हिस्सों को शामिल करने की लंबे समय से मांग उठती रही है. इसके साथ ही पहाड़ी क्षेत्र की 11 जनजातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने की मांग भी लंबे समय से लंबित है. अब केंद्र सरकार द्वारा इस मुद्दे पर 'स्थायी राजनीतिक समाधान' की दिशा में कदम उठाते हुए एक अनुभवी अधिकारी को वार्ताकार नियुक्त किया गया है. दार्जिलिंग से भाजपा सांसद राजू बिष्ट ने इस निर्णय को "ऐतिहासिक" बताते हुए कहा कि यह केंद्र की गंभीरता को दर्शाता है और पहाड़ों में शांति बहाली की दिशा में बड़ा कदम है. गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) के प्रमुख बिमल गुरंग ने भी वार्ताकार की नियुक्ति का स्वागत किया और कहा कि यह पहाड़ी लोगों की वर्षों पुरानी मांग की पूर्ति की दिशा में पहला ठोस प्रयास है. वहीं, गोर्खा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष मान घीसिंग ने भी केंद्र सरकार का आभार जताया और इसे 'स्थायी समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल' बताया.

- ममता ने कहा कि यह एक त्रिपक्षीय मुद्दा है जिसमें केंद्र, राज्य और स्थानीय प्रशासन को शामिल किया जाना चाहिए था. पंकज कुमार सिंह, जो राजस्थान कैडर के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं, को गोरखा समुदाय की लंबित मांगों और मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है.

हालांकि, राज्य सरकार और गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) के नियंत्रण में चल रहे भारतीय गोर्खा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) ने केंद्र के इस कदम पर सवाल उठाए हैं. बीजीपीएम के संस्थापक और जीटीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनित थापा ने आरोप लगाया कि यह फैसला केवल दिखावे के लिए लिया गया है और केंद्र ने पहले की गई वार्ता की मांगों को नजरअंदाज किया था. तृणमूल कांग्रेस नेता और सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देव ने भी इस कदम को "चुनावी स्टंट" बताया और कहा कि पहाड़ों की असली जरूरत विकास है, जो राज्य सरकार द्वारा पूरा किया जा रहा है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि दार्जिलिंग, तराई और डुआर्स की शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और केंद्र द्वारा बिना राज्य को विश्वास में लिए किसी वार्ताकार की नियुक्ति करना संविधान की भावना के खिलाफ है. ममता ने कहा कि यह एक त्रिपक्षीय मुद्दा है जिसमें केंद्र, राज्य और स्थानीय प्रशासन को शामिल किया जाना चाहिए था. पंकज कुमार सिंह, जो राजस्थान कैडर के सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं, को गोरखा समुदाय की लंबित मांगों और मुद्दों पर बातचीत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है. सीमा सुरक्षा और कूटनीतिक वार्ता के विशेषज्ञ माने जाने वाले सिंह की नियुक्ति को लेकर राज्य सरकार को कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई, जिससे विवाद और गहराता नजर आ रहा है. इस घटनाक्रम ने गोरखालैंड मुद्दे को एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है, जहां समाधान की दिशा में एक ओर उम्मीद जगी है, तो दूसरी ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव की लकीर और गहरी होती दिख रही है.

ब्रह्मोस सिर्फ भारत नहीं, मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार : सीएम योगी आदित्यनाथ

एजेंसियां । लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शनिवार को आत्मनिर्भर भारत का एक नया अध्याय लिखा गया, जब ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड की लखनऊ इकाई में उत्पादित सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया. 'भारत माता की जय' की जयघोष के बीच जब मिसाइलों का पहला बैच रवाना हुआ तो समारोह गर्व, गौरव और देशभक्ति से गूंज उठा. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मोस केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार है. उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयास से ब्रह्मोस लखनऊ में विकसित हुई है, जो देश की खुशहाली का माध्यम बनी है. जब व्यक्ति सुरक्षित रहता है, तभी चैन की नींद सोता है. लखनऊ में बनी मिसाइल पूरे देशवासियों की सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी है. उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस के माध्यम से भारत अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ मित्र राष्ट्रों की सुरक्षा जरूरतों को भी पूरा करने में सक्षम हो गया है. इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं. मुख्यमंत्री योगी ने 2018 के पहले इन्वेस्टर्स समिट का जिक्र करते हुए कहा कि लखनऊ में ही प्रधानमंत्री ने दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी, जिसमें से एक उत्तर प्रदेश को मिला. उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के 6 नोड्स में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के कार्य सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं. लखनऊ में ब्रह्मोस, झांसी में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और अमेठी में एके-203 जैसे प्रोजेक्ट चल रहे हैं. अब तक 2,500 एकड़ से अधिक लैंड इन 6 नोड्स में उपलब्ध कराई गई है, जिससे 15,000 से अधिक नौजवानों को नौकरियां मिली हैं. योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मोस केंद्र में आईटीआई, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग डिग्रीधारक युवा काम कर रहे हैं, जो देश की सुरक्षा और रोजगार दोनों की पूर्ति कर रहे हैं. यह आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर दो 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित कर रही है, जिससे डिफेंस टेक्नोलॉजी और इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा. उन्होंने कहा कि यह लखनऊ की भूमि अब राष्ट्र रक्षा, उद्योग, रोजगार और विकास के चारों आयामों को एक साथ साध रही है. यही उत्तर प्रदेश के बदलते चेहरे और आत्मनिर्भर भारत की पहचान है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज डीजी ब्रह्मोस ने 40 करोड़ का जीएसटी चेक सौंपा है. हर वर्ष 100 ब्रह्मोस मिसाइल बनेंगी, जो बढ़कर 150 तक पहुंचेंगी, तो 150-200 करोड़ जीएसटी मिलेगा. यह 'आम के आम और गुठली के दाम' जैसा है. लखनऊ की लैंड अब सोना उगल रही है. यह देश की सुरक्षा की पूर्ति कर रही है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रही है. उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर डीआरडीओ को और लैंड उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया.

योगी ने झांसी में 56,000 एकड़ के नए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का जिक्र किया और कहा कि चित्रकूट में एक्सप्रेस-वे पर नोड विकसित हो रहा है. उन्होंने मेक इन इंडिया को मेक फॉर द वर्ल्ड बनाने का संकल्प दोहराया. उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयास से ब्रह्मोस लखनऊ में विकसित हुआ है. यह देश की खुशहाली का माध्यम बना है. कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने बूस्टर भवन का उद्घाटन भी किया, जो ब्रह्मोस प्रोजेक्ट की क्षमता विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है. साथ ही दोनों ने बूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया का प्रदर्शन भी देखा. इसी क्रम में एयरफ्रेम और एवियोनिक्स, वारहेड भवन में पीडीआई (प्री डिस्पैच इंस्पेक्शन) तथा ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रेजेंटेशन भी दिखाया गया. इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिसर में ही रुद्राक्ष के पौधे का रोपण भी किया. इस दौरान स्टोरेज ट्रॉली प्रदर्शन और मोबाइल ऑटोनमस लॉन्चर का प्रदर्शन हुआ. कार्यक्रम के दौरान डीजी (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर. जोशी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपा. इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राज्यसभा सांसद बृजलाल, डॉ. दिनेश शर्मा, संजय सेठ, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक राजेश्वर सिंह समेत कई जनप्रतिनिधि व रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अधिकारीगण मौजूद रहे.

भारत निर्मित पेट्रोलियम पाइपलाइन से नेपाल को हर साल 600 करोड़ रुपये की बचत हो रही है

काठमांडू। भारत द्वारा नेपाल में बनाए गए पेट्रोलियम पाइपलाइन से नेपाल को हर वर्ष करीब 600 करोड़ रुपये की बचत हो रही है. यह बचत पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन में होने वाले खर्च से हो रही है. नेपाल आयल निगम (एनओसी) के अधिकारियों ने पत्रकारों से कहा कि नेपाल-भारत सीमा पार पेट्रोलियम पाइपलाइन ने छह साल का संचालन पूरा कर लिया है, जिससे देश को इसकी ईंधन जरूरतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मिल गया है. इन छह सालों में नेपाल को प्रति वर्ष 600 करोड़ की बचत हो रही है.अमलेखगंज में एनओसी के क्षेत्रीय कार्यालय के अनुसार, अपने उद्घाटन के बाद से भारत के मोतिहारी से नेपाल के अमलेखगंज तक 69.2 किलोमीटर की पाइपलाइन के जरिए कुल 634.92 मिलियन लीटर पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन किया है.क्षेत्रीय प्रमुख प्रलयंकर आचार्य ने कहा कि इनमें से 614.35 मिलियन लीटर डीजल, 20.15 मिलियन लीटर पेट्रोल और 0.41 मिलियन लीटर केरोसिन था.

पाकिस्तान में तीन स्थानों पर 20 आतंकी ढेर, सैन्य प्रमुख असीम मुनीर ने अफगानिस्तान को चेताया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तीन स्थानों पर 20 आतंकवादियों को मारने का दावा किया है. सेना ने कहा कि इस दौरान एक आत्मघाती हमला विफल कर दिया गया और दो स्थानों पर खुफिया आधारित अभियान में यह सफलता मिली. सैन्य प्रमुख असीम मुनीर ने आज अफगानिस्तान को चेतावनी दी है. उन्होंने कहा कि तालिबान शासन अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल कर पाकिस्तान के अंदर हमले करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ फौरन कार्रवाई करे.द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान में एक आत्मघाती हमले की कोशिश को नाकाम कर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के छह आतंकवादियों को मार गिराया.

काठमांडू में फिर निषेधाज्ञा लागू, दो माह तक सभा-जुलूस, धरना और प्रदर्शन पर अब लगी रोक

काठमांडू। जिला प्रशासन ने एक बार फिर काठमांडू के संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा जारी कर दिया है. शनिवार से दो महीने तक के लिए राजधानी के विभिन्न स्थानों पर किसी भी प्रकार के विरोध प्रदर्शन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है.काठमांडू के प्रमुख जिलाधिकारी ईश्वर राज पौडेल की तरफ से जारी सूचना के मुताबिक 18 अक्टूबर से 18 दिसंबर तक काठमांडू के पांच संवेदनशील स्थानों के आसपास निषेधाज्ञा जारी किया गया है. इस सूचना के मुताबिक निषेधाज्ञा वाले स्थानों पर किसी भी राजनीतिक दल, संगठन या किसी भी समूह अथवा व्यक्ति द्वारा सभा, सम्मेलन, धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, नारेबाजी करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है.

अफगानिस्तान पर हवाई हमलों पर पूर्व सांसद मरियम सोलायमानखिल ने की पाकिस्तान की आलोचना, कहा

तुमने आतंकवादियों को पाला और उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल किया

पाकिस्तान की सेना द्वारा शुक्रवार देर शाम अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत में सीमाई इलाकों पर किए गए हवाई हमलों ने हालिया शांति प्रयासों पर बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है. इन हमलों में, जिन्हें स्थानीय तथा प्रवासी अफगानों ने कड़ी निंदा की है, कई अफगान नागरिकों के मारे जाने की खबरें आई हैं. हमले उन रिपोर्टों के अनुरूप हुए जो कहती हैं कि इसे कुछ ही घंटे पहले दोनों पक्षों द्वारा वार्ता में युद्धविराम बढ़ाने पर जताई गई सहमति के बाद अंजाम दिया गया. इस कारण कई अफगानी समुदायों ने इसे विश्वासघात बताया है. हमलों की कड़ी आलोचना करते हुए अमेरिका में रहने वाली पूर्व

अफगान सांसद मरियम सोलायमानखिल ने इन्हें "कायरतापूर्ण" करार देते हुए पाकिस्तान और उसके खुफिया एजेंसी आईएसआई पर गंभीर आरोप लगाए. एक इंटरव्यू में मरियम ने कहा, "हमें जरा भी हैरानी नहीं है. यह वही हिंसा का तरीका है जो आईएसआई और पाकिस्तानी सेना दशकों से भारत से लेकर अफगानिस्तान तक फैला रही है." उन्होंने कहा कि बमबारी में युवा क्रिकेटरों, बच्चों और माताओं की मौत देखना दिल दहला देने वाला है. मरियम ने इस बढ़ती आक्रामकता को तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की हालिया भारत यात्रा से जोड़ा और कहा कि पाकिस्तान को अफगानिस्तान के भारत के निकट आने से असुरक्षा का भय सता रहा है. उन्होंने आरोप लगाया, "जब भी अफगानिस्तान अपने ऐतिहासिक साझेदार भारत के करीब आता है, तो इससे पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान घबरा जाता है. उनकी अर्थव्यवस्था युद्ध और तबाही पर फलती-फूलती है." पूर्व सांसद ने पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व और खुफिया संस्थाओं पर तीखे शब्दों में निशाना साधा: "जो बोओगे, वही काटोगे. दशकों से तुमने आतंकवादियों को पाला है और उन्हें हथियार की तरह इस्तेमाल किया है. हैरान मत होना जब तुम्हारी लगाई आग तुम्हारे ही घर को जलाएगी." मरियम ने हमलों को पाकिस्तान की ओर से किए गए "धोखे" और मासूम अफगानों के प्रति अनुचित व गैरकानूनी कार्रवाई बताया. इन घटनाओं के बाद अफगान प्रवासी समुदायों और मानवाधिकार समर्थकों ने भी हमलों की निंदा की है और तत्काल निष्पक्ष जाँच तथा सीज़फायर के पालन की मांग उठाई है. सीमा पर हुई इस हिंसा ने मानवीय संकट और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाओं को फिर उभारा है, जबकि दोनों देशों के बीच शांति एवं स्थिरता के प्रयासों पर प्रश्नचिन्ह लग गया है. अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और आधिकारिक बयानों की प्रतीक्षा जारी है; फिलहाल अफगान नागरिकों की हताहत संख्या और हमले के विस्तृत निशानों की स्वतन्त्र पुष्टि विभिन्न स्रोतों से होना बाकी है. इस बीच अफगानी वक्ताओं और राजनैतिक हस्तियों की ओर से कहा जा रहा है कि किसी भी तरह के सैन्य अभियान का सबसे अधिक खामियाजा गैरलड़ाकू नागरिकों को ही भुगतना पड़ता है — जिससे मानवीय मदद और सुरक्षा के तत्काल उपायों की जरूरत बढ़ जाती है.

दो दशक बाद छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में लोग आतिशबाजी के साथ मना सकेंगे दीपावली

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ इलाके में अब दो दशक बाद आतिशबाजी के साथ दीपावली मनाई जाएगी. यहां अबूझमाड़ इलाके में नक्सलियों ने अभी तक आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगा रखा था. यहां पटाखों का इस्तेमाल नक्सली एक-दूसरे को सूचना पहुंचाने के लिए करते आए थे. शुक्रवार को जगदलपुर में माड़ डिविजन के सभी नक्सलियों के आत्मसमर्पण कर देने के बाद ग्राम गोड़सा, निराम, पालेवाया, कौशलनार, पीडियाकोट, पहुरनार, मंगनार जैसे गांवों में पटाखों पर लगा प्रतिबंध अब बेमायने हो गया है. इलाके से नक्सलवाद का पूरी तरह खात्मा होने के बाद ग्रामीण 2 दशक में पहली बार पटाखे फोड़कर दीपावली मनाने की तैयारी कर रहे हैं. नक्सलियों के पीछे हटने पर ग्रामीणों का कहना था कि अब उनके गांवों में बिजली-सड़क और अन्य सुविधाएं पहुंच सकेंगी. नक्सलियों को पहले हर बात पर चंदा देना पड़ता था, वह भी अब बंद हो जाएगा. 20-20 किमी दूर से पीडीएस का राशन लाना पड़ता था, उसमें भी नक्सलियों को हिस्सा देना पड़ता था. तेंदूपत्ता और मनरेगा मजदूरी तक में उनकी हिस्सेदारी तय थी. बाइक-ट्रैक्टर का सालाना शुल्क तक वसूला जाता था. ये सब अब बंद हो जाएगा. गौरतलब है कि सलवा जुडुम के दौरान अबूझमाड़ से लगभग 200 परिवारों को कसोली राहत शिविरों में विस्थापित किया गया था. विगत 2 दशकों से यहां रह रहे परिवार नक्सलवाद के खात्मे की बाट जोह रहे थे. अब इस बड़े आत्मसमर्पण के बाद राहत शिविरों में रह रहे लोगों को अपनी मिट्टी में वापस लौटने की खुशी है. पिछले साल भी सुकमा जिले के जगरगुंडा के राहत शिविरों में तार बाड़ी के घेरे में रह रहे परिवार वापस अपने गांव लौटे थे. ऐसे में कसोली राहत शिविर में रह रहे लोगों में भी वापसी की उम्मीद बढ़ गई है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.